रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित www.lagatar.in रांची, मंगलवार 06 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 119 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश
एक राज्य - एक अखबार

14 पुलिसकर्मियों की मॉब लीचिंग में मौत

300 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल

11 हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार

बांग्लादेश में तख्तापलट

सेना ने संभाला सरकार का काम, पूरे देश में लोग मना रहे जीत का जश्न

पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा दिया, दिल्ली पहुंची, ब्रिटेन ने किया शरण देने से इन्कार

बिगड़े हालात

पीएम हाउस पर आंदोलनकारियों का कब्जा, लूटपाट, तोड़फोड़, बंग बंधु की प्रतिमा पर चला हथौड़ा

हसीना की पार्टी के नेताओं के घरों पर भी हो रहे हमले, जगह-जगह लूटपाट और आगजनी

आंदोलन को कुचलने की कोशिश पड़ी भारी

पहले आंदोलन को कुचलने की कोशिश की.
फिर कहा- आंदोलनकारी देशद्रोही हैं.
फिर कहा- आंदोलन विपक्ष की साजिश है.
फिर कहा- आंदोलनकारी आतंकी हैं.

और अंततः
शेख हसीना को सत्ता और देश दोनों छोड़ना पड़ा.

शेख हसीना पर जो बड़े आरोप हैं

लोकतंत्र की चादर ओढ़ कर तानाशाही चलाई.
मीडिया की आजादी खत्म कर दी.
चुनावों में धांधली कर जीत हासिल की.
वंचितों के लिए आवाज उठाने वालों को गायब कराया.
विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार कराया.
कानून के दायरे से बाहर जाकर हत्याएं कराईं.
मानवाधिकारों का तेजी से हनन बढ़ा.

एजेंसियां। ढाका/नयी दिल्ली

बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया है. पाकिस्तान के बाद एक और पड़ोसी देश में सेना का शासन हो गया है. सोमवार को बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-जमां की तरफ से 45 मिनट में देश छोड़ देने के अल्टीमेटम के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़ कर भारत आ गईं. पहले दिल्ली से उनके लंदन जाने की चर्चा थी. अब कहा जा रहा है कि वह कुछ दिन भारत में ही रहेंगी. उधर, बांग्लादेश में अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी. बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने सोमवार को यहां यह घोषणा की. यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब पिछले दो दिनों में हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है.

इस बीच, दिल्ली में एनएसए अजीत डोभाल ने हिंडन एयरपोर्ट पर हसीना से डेढ़ घंटे की मुलाकात की. पीएम मोदी ने अपने ऑफिस में गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, अजीत डोभाल, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री आदि के साथ उच्च स्तरीय बैठक करके बांग्लादेश की स्थिति पर मंत्रणा की. हालांकि भारत ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. उधर, शेख हसीना को हिंडन के सेफ हाउस में ठहराया गया है.

हसीना के देश छोड़ देने के बाद सेना प्रमुख ने टीवी पर दिए गए अपने संबोधन में कहा, मैं सारी जिम्मेदारी ले रहा हूं. कृपया सहयोग करें. सेना प्रमुख ने कहा, मैंने नेताओं से मुलाकात की. उन्हें बताया कि सेना कानून-व्यवस्था संभालेगी. शेख मुजीबर रहमान की 76 वर्षीय बेटी हसीना 2009 से बांग्लादेश की बागडोर संभाल रही थीं. उन्हें जनवरी में हुए आम चुनाव में चौथी बार और पांचवीं बार पीएम चुना गया. पिछले दो दिनों में हसीना सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में 300 से अधिक लोग मारे गए हैं.

पीएम आवास में घुसे प्रदर्शनकारी, तोड़फोड़

इस बीच, बांग्लादेश में हजारों प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को राजधानी ढाका में शेख हसीना के सरकारी आवास में लूटपाट और तोड़फोड़ की, उनके पिता मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को हथौड़ों से तोड़ दिया और उनकी पार्टी के कार्यालयों में आग लगा दी. प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के रूप में हसीना के जाने का जश्न मना रहे थे. सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की घोषणा के बाद, देश भर में उत्साही भीड़ अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आई. हसीना के इस्तीफे के साथ ही सत्ता में उनके 15 साल का शासन समाप्त हो गया. हजारों प्रदर्शनकारियों ने सैन्य कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए उनके सरकारी आवास पर धावा बोल दिया. हालांकि, वह अपने आवास पर नहीं थीं. वीडियो फुटेज में प्रदर्शनकारियों को राजधानी ढाका में हसीना के आधिकारिक आवास गणभवन में तोड़फोड़ और लूटपाट करते हुए दिखाया गया है. वे गणभवन परिसर में हाथ हिला कर जश्न मनाते देखे गए. उनमें से कई लोग गणभवन का सामान लेकर जाते भी नजर आए.

300 से ज्यादा मौतें

क्या है मामला?

बता दें कि बांग्लादेश में हाल ही में पुलिस और छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिसंक झड़पें हुईं हैं. दरअसल, प्रदर्शनकारी छात्र विवादित आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं. इसके तहत बांग्लादेश के लिए वर्ष 1971 में आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता संग्रामियों के परिवारों के लिए 30 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित की गईं हैं. इसके बाद शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों से 11 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने देश के राजनीतिक नेतृत्व और सुरक्षा बलों से जीवन के अधिकार और शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपने दायित्वों का पालन करने को कहा. -शेष पेज 07 पर

शेख़ हसीना : दो दशकों से सियासत के शीर्ष पर रहने के बाद पतन की कहानी

लगातार न्यूज नेटवर्क

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना 1947 में पूर्वी बंगाल के एक मुसलमान परिवार में पैदा हुईं शेख़ हसीना को राजनीति विरासत में मिली. उनके पिता राष्ट्रवादी नेता शेख़ मुजीबुर्रहमान थे. वो बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता थे. 1975 में सैन्य तख़्तापलट के दौरान, मुजीबुर्रहमान और उनके परिवार के अधिकतर लोगों को मार दिया गया था. सिर्फ़ शेख़ हसीना और उनकी छोटी बहन की जान बची थी क्योंकि उस समय वो विदेश यात्रा पर थीं. भारत में निर्वासित जीवन बिताने के बाद शेख़ हसीना 1981 में बांग्लादेश लौटीं और अपने पिता के राजनीतिक दल अवामी लीग की नेता बन गईं. जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद के सैन्य शासन के ख़िलाफ़ उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों के साथ मिलकर सड़कों पर प्रदर्शन किया और लोकतंत्र की मांग की. देश में उठे विद्रोह ने तेज़ी से शेख़ हसीना को राष्ट्रीय आईकॉन बना दिया. वो सबसे पहले साल 1996 में चुनकर सत्ता तक पहुंचीं. एक समय दुनिया का सबसे ग़रीब देश रहा मुस्लिम बहुल बांग्लादेश, उनके नेतृत्व में 2009 के बाद से विश्वसनीय आर्थिक प्रगति हासिल कर चुका है. सत्ता संभालने के बाद से, शेख़ हसीना के सामने आया सबसे गंभीर संकट ताज़ा विरोध प्रदर्शन ही है. ये प्रदर्शन बेहद विवादित चुनाव नतीजों के बाद हुए हैं. विवादित आम चुनावों में लगातार चौथी बार उनकी पार्टी को चुन लिया गया था. इस्तीफ़ा देने की बढ़ती मांगों के बीच शेख़ हसीना डटी हुईं थीं, लेकिन व्यापक सरकार विरोधी आंदोलन के कारण उन्हें इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा. - पेज 12 भी देखें

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,400
चांदी (किलो)	83,000

ब्रीफ खबरें

डाल्टनगंज स्टेशन का नाम मेदिनीनगर

रांची। डालटनगंज रेलवे स्टेशन का नाम अब मेदिनीनगर होगा. इसके प्रस्ताव को सीएम हेमंत सोरेन ने सहमति प्रदान कर दी है. अब आगे की कार्यवाही के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा. इसकी मांग कई वर्षों से हो रही थी. -पेज 7 भी देखें

डेथ सेंटर बन गए कोचिंग सेंटर: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन बच्चों की मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लिया और केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया. कहा, कोचिंग सेंटर डेथ सेंटर बन गए हैं.

कश्मीर के लोगों की आकांक्षा पूरी होगी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी मोदी ने जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विश्वास दिलाया कि केंद्र सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी. धारा 370 हटाने के पांच वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने यह प्रतिक्रिया दी है.

केजरीवाल की बेल याचिका खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से उपजे भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा. कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है.

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और एसीबी से पूछा

अब तक इस पर क्या कार्रवाई हुई?

संवाददाता। रांची

तत्कालीन रघुवर सरकार के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने राज्य सरकार और एसीबी को चार सप्ताह के भीतर एफिडेविट के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. एसीबी को इस मामले में अब तक हुई कार्रवाई और जांच की दिशा के बिंदु पर जवाब दाखिल करना है.

हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ में इस जनहित याचिका की सुनवाई हुई. इस मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी. बता दें कि वर्ष 2020 में प्रार्थी पंकज यादव ने जनहित याचिका दायर कर पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी, नीरा यादव, नीलकंठ सिंह मुंडा, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति होने का आरोप लगाते हुए एसीबी से जांच की मांग की थी.

तत्कालीन रघुवर कैबिनेट के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला

- चार सप्ताह के भीतर एफिडेविट के माध्यम से देना है जवाब
- वर्ष 2020 में पंकज यादव ने दायर की थी जनहित याचिका

हेमंत सरकार ने एसीबी को सौंपी थी जांच की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 26 जुलाई 2023 में कैबिनेट से पांचों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ एसीबी जांच की स्वीकृति दे दी थी. इसके बाद एसीबी की प्रारंभिक जांच में पूर्व मंत्रियों के खिलाफ प्रार्थी की शिकायत को सत्य पाया था और इस बात का जिक्र किया था कि सभी पांचों पूर्व मंत्रियों की संपत्ति में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है. एसीबी ने इस मामले में पीई दर्ज कर पूर्व मंत्रियों तथा शिकायतकर्ता को नोटिस भी भेजा था. सभी पीई की जांच की जिम्मेदारी पांच डीएसपी को सौंपी गई थी. अब देखना यह है कि इस मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में शुरू होने के बाद एसीबी की जांच और कार्रवाई कितनी तेज होती है. -शेष पेज 07 पर

ब्लैक मंडे बाजार धड़ाम, 17 लाख करोड़ खाक

अमेरिका, जापान, ताइवान के बाजार में कोहराम, मंदी की आहट से 57 साल की सबसे बड़ी गिरावट

एजेंसी। मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के लिए हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र ब्लैक मंडे साबित हुआ. अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आहट से भारत, जापान, ताइवान सहित दुनिया के तमाम देशों के शेयर बाजार सोमवार को बिखर गए. बीएसई सेंसेक्स 2,222.55 अंक का गोता लगाकर 78,759.40 और एनएसई निफ्टी 662.10 अंक टूट कर 24,055.60 अंक पर बंद हुए.

इस दौरान बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 17 लाख करोड़ रुपए घट कर 440.16 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया. दरअसल, अमेरिका के हाल में जारी आंकड़े दिखाते हैं कि वहां की कंपनियों के सकल मैन्युफैक्चरिंग आंकड़े (पीएमआई) में कमी आई है. इसका अर्थ है कि अमेरिका में निर्माण में कमी आ रही है. इसका सीधा असर वहां की कुछ बड़ी कंपनियों में छंटनी के रूप में सामने आ सकता है. यदि ऐसा होता है तो अमेरिका में बेरोजगारी का दौर बढ़ेगा. इसके कारण वहां की प्रमुख कंपनियों के उत्पादों की खपत में कमी आ सकती है. इसका एक असर भारत से एक्सपोर्ट होने वाली वस्तुओं के निर्यात में कमी के रूप में भी सामने आ सकती है. यानी अमेरिका में मंदी आई, तो इसका असर केवल वहीं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसके कारण दुनिया भर से अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट पर असर पड़ सकता है. इससे मंदी का असर वैश्विक रूप ले सकता है.

भारत पर बड़े असर की संभावना नहीं

यदि अमेरिका में मंदी आती है, तो इसका भारत पर क्या असर पड़ सकता है? इस प्रश्न के जवाब में आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था इस ओर संकेत कर रही है कि वह मंदी की चपेट में आ सकता है. यह कितना व्यापक और कितना गहरा होगा, इसका आकलन अगली दो तिमाही के पीएमआई के आंकड़े ही बता पाएंगे. लेकिन शुरुआती लक्षण ठीक नहीं है, इसका अर्थ है कि यदि अमेरिकी सरकार ने दखल नहीं दिया, तो भविष्य में स्थिति ज्यादा खराब हो सकती है. जहां तक भारत पर इसके कारण पड़ने वाले असर की बात है, इसका सीधा असर भारत के उन क्षेत्रों पर पड़ सकता है जिनसे अमेरिका को निर्यात किया जाता है. इसमें खाने-पीने वाली चीजों के निर्यात, फल-फूल और सब्जी के निर्यात, डेयरी उत्पादों और कृषि-प्रसंस्कृत कंपनियों के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के निर्यात में कमजोरी आ सकती है. यदि निर्यात में कमी होती है तो तो भारतीय कंपनियों पर भी इसका असर पड़ सकता है. उत्पादन कमजोर होने से यहां भी छंटनी का सामना करना पड़ सकता है. जो लोग अमेरिकी कंपनियों के लिए काम कर रही बीपीओ कंपनियों में काम कर रहे हैं, वहां मंदी होने का सीधा असर उन पर पड़ सकता है. इसी तरह जो भारतीय अमेरिका में रहकर नौकरी कर रहे हैं, उनकी नौकरियों पर भी खतरा पैदा हो सकता है. ऐसे में ऐसे लोगों के द्वारा भारत को भेजा जाने वाला धन और उन पर आश्रित लोगों के जीवन पर भारत में भी असर पड़ सकता है.

राजनीति धुरंधर सरयू राय के जदयू में आने से बढ़ी सुदेश महतो की दोहरी टेंशन

भाजपा के लिए विस चुनाव में आसान नहीं सीटों का बंटवारा

कौशल आनंद। रांची

सरयू राय के बड़े दांव से आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो की टेंशन दोहरी हो गयी है. सुदेश महतो पहले से ही झारखंड की राजनीति में एक नए कुरमी टाइगर जयराम महतो के उदय से टेंशन में हैं, वहीं अब सरयू राय के अचानक जदयू में शामिल होने के बाद झारखंड में जदयू की भी राजनीतिक तपीश बढ़ गयी है.

जदयू फिलहाल झारखंड में विधायक विहीन पार्टी के रूप में जानी जा रही थी, मगर सरयू राय के आ आने से पार्टी को बैठे-बिठाए एक विधायक मिल गया है, वहीं पार्टी का एक राज्यसभा सांसद भी खीरू महतो के रूप में है. आने वाले विधानसभा में नीतीश कुमार और सरयू राय ने बड़े खेल की तैयारी शुरू कर दी है. कल तक राजनीतिक रूप से कमजोर संगठन के रूप में माने जाने वाले जदयू संगठन में अचानक से प्राण वायु आ गई है.

फंसेगा पेंच

- कुर्मी बहुल सीटों के अलावा अब पलामू, धनबाद, जमशेदपुर एवं बोकारो पर दावेदारी कर सकता है जदयू
- आजसू 25, जदयू 11 पर दावेदारी की तैयारी में, भाजपा 65 से नीचे नहीं करेगी समझौता, एक सीट कमलेश सिंह के लिए भी छोड़ना होगी

अब आजसू 20-25 सीटों पर कैसे करेगी दावेदारी

सरयू राय के पार्टी में आ जाने से कई सीटों का समीकरण भी अचानक से बदला-बदला नजर आ रहा है. जदयू का वोट बैंक कुर्मी और कोयरी-महतो के बीच ही रहा है. मगर सरयू के आने से धनबाद, जमशेदपुर और बोकारो में पार्टी की दावेदारी मजबूत हुई है. सरयू के आने के पूर्व ही जदयू हजारीबाग, रामगढ़, मांडू, डुमरी, टुंडी आदि सीटों पर दावेदारी कर रहा था. अब सरयू राय के आने के बाद धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर की भी कई सीटों पर जदयू दावेदारी कर सकता है. जानकारी के अनुसार जदयू कम से कम 11 सीटों पर दावेदारी करेगा. वहीं आजसू ने भी पहले से 20 से 25 सीटों पर दावेदारी का मन बना रखा है. ये भी बातें सामने आई हैं कि सुदेश महतो केंद्रीय मंत्रिमंडल में आजसू को बर्थ नहीं मिलने पर इसी शर्त पर तैयार हुए कि विधानसभा चुनाव में भाजपा उन्हें सम्मान देगी. अब यह सम्मान कितनी सीट तक रहेगा, यह भी आने वाले दिनों में पता चलेगा.

भाजपा रघुवर की सीट सरयू के लिए छोड़ेगी !

अभी यह तय नहीं है कि सरयू राय अपनी पुरानी सीट जमशेदपुर पश्चिम से चुनाव लड़ते है या मौजूदा जमशेदपुर पूर्वी से. क्योंकि 2019 के चुनाव में सरयू राय ने अपना सीट बदल कर पूर्व सीएम रघुवर दास की सीट जमशेदपुर पूर्वी से चुनाव मैदान में उतर गए थे. राय का मकसद रघुवर दास को हराना था, जिसमें वे सफल भी हुए. मगर राय की परंपरागत सीट तो जमशेदपुर पश्चिम ही है. जहां से अभी बन्ना गुप्ता विधायक हैं. एनसीपी शिंदे गुट अब एनडीए का हिस्सा है. -शेष पेज 07 पर

जुबान पर ताला लगाना चाहती है सरकार: प्रियंका

एजेंसी। नयी दिल्ली

- प्रसारण सेवा विधेयक तुरंत वापस ले सरकार
- केंद्र सरकार का यह प्रयास पूरी तरह अस्वीकार्य है

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक से डिजिटल, सोशल मीडिया व निजी हैसियत में लिखने -बोलने वालों की जुबान पर ताला लगाना चाहती है. ये मंजूर नहीं है.

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का यह प्रयास अस्वीकार्य है. प्रियंका गांधी ने महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के प्रेस की आजादी से जुड़े कथनों का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ये दो उदाहरण बताते हैं कि नागरिकों को अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता यूं ही नहीं मिली है. इसके लिए वर्षों तक लाखों लोगों ने लड़ाई लड़ी है. नागरिक स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत है. आजाद भारत के इतिहास में किसी सरकार ने नागरिकों को मिली स्वतंत्रता को कुचलने का कभी प्रयास नहीं किया. प्रियंका का कहना है, एक तरफ सत्ता के जोर से पूरे मीडिया को सरकारी भोंपू बना दिया गया.दूसरी तरफ, सरकार प्रसारण बिल लाकर डिजिटल, सोशल मीडिया, ओटीटी मंचों और यहां तक कि निजी हैसियत में लिखने-बोलने वालों की जुबान पर ताला लगाने जा रही है. यह पूरी तरह अस्वीकार्य है. देश ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा.

सदर अस्पताल में आर्थोपेडिक चिकित्सक का पदस्थापन नहीं, मॉनसून सत्र में सरकार से मिले एक सवाल के जवाब से खुलासा

झारखंड में सदर अस्पतालों के लिए सिर्फ 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ ही पदस्थापित

- चक्रधरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में एईआरबी लाइसेंस नहीं होने के कारण एक्स-रे मशीन चालू नहीं

संवाददाता। रांची

झारखंड में सदर अस्पतालों के लिए सिर्फ 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ ही हैं. इस वजह से सभी सदर अस्पताल में भी एक-एक हड्डी रोग विशेषज्ञ का पदस्थापन तक नहीं है. इस बात का खुलासा मॉनसून सत्र में सरकार की तरफ से मिले एक सवाल के जवाब से हुआ है. विधायक सुखराम उरांव ने सवाल किया था कि चक्रधरपुर अनुमंडल के सरकारी अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ नहीं हैं.

इसके जवाब में सरकार ने कहा कि वर्तमान में 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं, जिन्हें राज्य के विभिन्न जिलों में पदस्थापित किया गया है. एक हड्डी रोग विशेषज्ञ का पदस्थापन चाईबासा सदर अस्पताल में किया गया है. सरकार ने सवालों का जवाब देते हुए यह भी माना है कि चक्रधरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में एक्स-रे मशीन तो है, टेक्नीशियन भी नियुक्त हैं, लेकिन एईआरबी लाइसेंस नहीं होने के कारण मशीन को चालू नहीं किया जा पा रहा है. इसके साथ ही सरकार के जवाब से यह साफ हो गया है कि राज्य के जिलों में सिर्फ सदर अस्पतालों में ही हड्डी रोग विशेषज्ञ उपलब्ध हैं.

अनुमंडल अस्पताल के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ है ही नहीं

किसी भी अनुमंडल स्तरीय अस्पताल में पदस्थापित करने के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ है ही नहीं. यह एक ऐसी स्वीकारोक्ति है, जो झारखंड में स्वास्थ्य को लेकर उठ रहे सवालों को और बड़ा कर दे रहा है. साफ है कि अगर किसी जिला में दुर्घटना या किसी अन्य वजह से किसी व्यक्ति की हड्डी टूटती है या चोटिल होता है, तो उसका इलाज प्राथमिक या अनुमंडल स्तरीय सरकारी अस्पतालों में संभव नहीं होता है. मरीज को या तो प्राइवेट अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराना पड़ता है या फिर जिला के सदर अस्पताल में जाना पड़ता है. इसकी वजह अस्पतालों में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है.

गोमिया व कसमार में चिकित्सकों की कमी

रांची। बोकारो जिला के गोमिया व कसमार इलाके के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की भारी कमी है. इसकी वजह से स्थानीय लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जानकारी के मुताबिक, गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सात की जगह सिर्फ चार चिकित्सक ही पदस्थापित हैं. इसी तरह कसमार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी सात की जगह सिर्फ तीन चिकित्सक पदस्थापित हैं. गोमिया प्रखंड के महुआटांड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो की जगह सिर्फ एक चिकित्सक पदस्थापित हैं, जबकि साड़म प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक भी चिकित्सक पदस्थापित नहीं हैं. चतरोचट्टी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को पीपीपी मोड पर सिटीजन फाउंडेशन अस्पताल का संचालन करता है. वहां दो की जगह एक चिकित्सक का पदस्थापन है. इसी इलाके के खौराचातर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो चिकित्सक पदस्थापित हैं, जबकि करमा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो की जगह सिर्फ एक चिकित्सक पदस्थापित हैं.

- किसी अस्पताल में दो की जगह एक, तो कहीं एक भी चिकित्सक नहीं

राज्यपाल संतोष गंगवार मिले गृहमंत्री अमित शाह से

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मिले. इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया गया है. राज्यपाल बनने के बाद संतोष कुमार गंगवार की यह पहला दिल्ली दौरा है. मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल और गृह मंत्री के बीच राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात सहित अन्य कई मुद्दों पर चर्चा हुई.

झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर दिया धरना

आर-पार की लड़ाई के लिए शिक्षक तैयार, अनशन शुरू

संवाददाता। रांची

शिक्षकों के संगठन झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है. धरना के साथ-साथ पांच अगस्त से अनशन कार्यक्रम शुरू किया गया है. शिक्षकों के समूह ने राजभवन के समक्ष आंदोलन शुरू किया है. आंदोलन में प्राथमिक व मध्य विद्यालय के शिक्षकों अलावा झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश संयुक्त मोर्चा, एमएसीपी संघर्ष मोर्चा आदि संगठन भी शामिल हैं.

संघ के अध्यक्ष अनूप केसरी, महसाचिव राममूर्ति ठाकुर व मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने बताया कि हम अब आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं. राज्य के अन्य कर्मचारियों को एसीपी का लाभ मिल रहा है, लेकिन शिक्षकों को यह लाभ नहीं मिल रहा है. सरकार, शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है. शिक्षकों को जो छठा वेतनमान दिया गया है, उसमें भी कई खामियां हैं.

अनशन कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी, बसंत कुमार झा, मनोरंजन कुमार, जुबेर अंसारी, अनूप कुमार सिंह, शंकर राम, धुरेंदर कुमार, सुषमा नाग, ग्रेबियल क्लरेंश, अखिलेश प्रसाद, सुरेंद्र पासवान, महबूब आलम, राममूर्ति ठाकुर, मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद, असदुल्लाह, संतोष कुमार दीपक दत्ता, अनिल कुमार सिंह, हरेकृष्ण चौधरी, राकेश कुमार, अजय ज्ञानी प्रभात कुमार, सलीम सहाय, कृष्णा शर्मा, अमरनाथ झा, नरेंद्र यादव शर्मा आदि शामिल रहे.

रांची में राजभवन के समक्ष अनशन पर बैठे शिक्षक.

खास बातें

- मांगों को लेकर आंदोलन तेज, कई संगठन आए साथ
- सरकार पर शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप

शिक्षकों की मांग

- अंतरजिला स्थानांतरण में गृह जिला का विकल्प मिले.
- छठे वेतनमान की खामियों को दूर किया जाये.
- एमएसीपी का लाभ शिक्षकों को भी दिया जाये.

विज्ञापन निकालने के विरोध में चौकीदारों का जेल भरो अभियान

रांची। तीन सूत्री मांगों को लेकर झारखंड राज्य दफादार-चौकीदार पंचायत राज्य कमेटी के लोगों ने सोमवार से जेल भरो आंदोलन शुरू किया. झारखंड के विभिन्न जिलों में सरकार ने चौकीदारों के रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञापन निकाला है. उसे रद्द कराने की मांग को लेकर सैकड़ों चौकीदार और दफादार 20 जुलाई से राजभवनन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना दे रहे थे. सीएम से वार्ता नहीं होने के कारण सोमवार को राजभवन से पैदल मार्च करते हुए राजभवन की ओर आगे बढ़ने के क्रम में पुलिस ने सभी को रोक दिया. अध्यक्ष दयाल सिंह ने कहा कि जबतक सीएम से वार्तालाप नहीं होता है और विज्ञापन को रद्द नहीं किया जाता है, तबतक उनका आंदोलन चलता रहेगा.

ये तीन सूत्री मांगें हैं

- सेवा विमुक्त चौकीदार और अनुकंपा के आधार पर चौकीदार के रिक्त पदों पर निकाले विज्ञापन को रद्द हो.
- विमुक्त चौकीदार को पुनः योगदान कराया जाए.
- एक जनवरी 1990 के पूर्व और बाद में सेवानिवृत्त चौकीदार दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व प्रक्रिया के अनुसार हो.

स्कूल और मंदिर के पास शराब न बिके : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने डीजीपी और रांची एसएसपी को निर्देश दिया है कि शहर में स्कूल और मंदिरों के पास किसी भी हाल में शराब की बिक्री न होने दें. नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ स्वतः संज्ञान लिए मामले की सोमवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यह बात कही. सुनवाई के दौरान डीजीपी और रांची एसएसपी अदालत में हाजिर थे. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि उत्पाद विभाग के साथ-साथ पुलिस की भी यह जिम्मेवारी है कि शहर में अवैध ढंग से शराब की बिक्री न हो. देर रात तक बार एवं रेस्टूरेंट खुले रहने से अप्रिय घटना होने की आशंका ज्यादा रहती है. पुलिस की पीसीआर वैन रात में शराबियों और आपराधिक तत्वों पर नजर रखे. अदालत ने डीजीपी को निर्देश दिया कि अफीम, चरस, गांजा समेत अवैध शराब पर नियंत्रण के लिए एसओपी बनाएं. कोर्ट ने कहा कि खूंटी सहित राज्य के कई जिलों में जंगलों में अफीम की खेती होती है. सैटेलाइट मैपिंग के माध्यम से पुलिस और एनसीबी समन्वय कर इसका पता लगाएं और नष्ट करने की कार्रवाई करें.

मंईयां योजना अवैध वसूली के लिए लाई गई है : मरांडी

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ड्रीम स्कीम मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में महिलाओं से वसूली का आरोप प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने लगाया है. मरांडी ने अपने एक्स हैंडल के जरिए कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शुभारंभ के पहले दिन ही फॉर्म के नाम पर वसूली का शुभारंभ कर दिया गया है. हेमंत सरकार की चरणबद्ध योजना के तहत अभी फॉर्म के नाम पर, फिर पंजीकरण के नाम पर, फिर सूची में नाम डालने के नाम पर और अंत में खाते में पैसे भेजने के नाम पर वसूली के सारे चरण पूरे किया जाएंगे. मरांडी ने आरोप लगाया कि झारखंड में बिना पैसों के कोई भी काम नहीं होता है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसके तो हजारों उदाहरण पहले ही हिम्मतवाली सरकार ने पेश कर दिए हैं. लेकिन फिर से एक बार, एक नया वसूली का उदाहरण एक नई योजना के साथ पेश किया जा रहा है. इन सारी घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो ही जाता है कि हेमंत सरकार में योजनाओं को लाने का उद्देश्य जनकल्याण नहीं, बल्कि वसूली करने और कराने का है.

सर्वर डाउन लोग फार्म नहीं भर पा रहे हैं : सीता

इधर सीता सोरेन ने भी इस योजना के जरिए सरकार को घेरा है. उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनता को बरगलाने के लिए सरकार ने मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की है. स्थिति यह है कि लोग फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं. सर्वर डाउन है .आदिवासियों के सम्मान की बात करने वाले हेमंत सोरेन की सरकार को इस राज्य की जनता देख रही है.

जेएसएससी परीक्षा कैलेंडर 2024 को संघ ने बताया विफल

रांची। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष संगम उरांव ने झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन द्वारा जारी परीक्षा कैलेंडर 2024 को विफल बताया है. उन्होंने कहा कि जेएसएससी द्वारा महिला पर्यवेक्षक प्रतियोगी परीक्षा की संभावित तारीख जुलाई 2024 के अंतिम सप्ताह में घोषित की गई थी, लेकिन अब तक परीक्षा आयोजित नहीं हो सकी है. संगम उरांव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को विस चुनाव का चिंता है. लेकिन छात्रों का भविष्य संवारने में कोई ध्यान नहीं दिया है.

ईडी में लीगल रिटेनर पद के लिए नियुक्ति

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को देशभर में विभाग का पक्ष रखने के लिए लीगल रिटेनर की जरूरत है. केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी की है. केंद्र सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, वकालत के पेशे में दो वर्षों का अनुभव रखने वाले वकील लीगल रिटेनर के पद पर नियुक्ति के लिए योग्य होंगे और उन्हें 80 हजार रुपये बतौर मासिक वेतन दिया जाएगा. आवेदन जमा करने की अंतिम 25 अगस्त निर्धारित की गयी है.

साहिबगंज जिले में अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

आरोपियों की बेल पर 12 को सुनवाई

संवाददाता। रांची

साहिबगंज जिला में अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी भगवान भगत और सुनील यादव की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में अब 12 अगस्त को सुनवाई होगी. शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस अगस्टिन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है. रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट दोनों आरोपियों को बेल देने से इंकार कर चुका है, जिसके बाद इन्होंने सुप्रीम कोई का दरवाजा खटखटाया है.

आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने अग्रिम जमानत अर्जी वापस लेने के लिए दायर की याचिका

रांची। लैंड स्कैम केस के आरोपी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने के लिए याचिका दायर की है. विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी अग्रिम ज़मानत अर्जी वापस मांगी है. ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है. जिसमें विनोद सिंह को भी अभियुक्त बनाया गया है. ईडी की पीसी पर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाईकोर्ट से बेल मिलने के बाद जमानत पर बाहर हैं और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं.

2300 रुपए की वसूली मामले में सीआईडी जांच का आदेश दिया

रांची। संथाल परगना के पाकुड में अवैध पत्थर लोड प्रति ट्रक से 2300 रुपए की वसूली मामले में सीआईडी ने जांच का आदेश दिया है. सीआईडी मुख्यालय ने पाकुड के सीआईडी प्रभारी को दिये आदेश में कहा है कि पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र स्थित श्यामनगर चेक पोस्ट से अवैध खनन, अवैध परिवहन और 2300 रुपये की अवैध वसूली से संबंधित सूचना मिली है. आदेश दिया जाता है कि इस मामले की सुस्पष्ट जांच कर जांच प्रतिवेदन समर्पित करें. मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक श्यामनगर चेकपोस्ट से रोजाना लाखों रुपए के सरकारी राजस्व की चोरी हो रही है.

दी जानकारी जेएसएससी ने हाईकोर्ट को बताया

वेबसाइट पर जारी होगी मेरिट लिस्ट व कट ऑफ मार्क्स

संवाददाता। रांची

जेएसएससी द्वारा वर्ष 2016 में हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन का राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी करेगा. सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में यह जानकारी जेएसएससी की ओर से दी गई है. झारखंड हाईकोर्ट में जेएसएससी की ओर से यह बताया गया कि राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट अपनी वेबसाइट पर 10 दिन में अपलोड कर देगा. इसके साथ ही कमीशन कट ऑफ मार्क्स भी अपनी वेबसाइट पर जारी करेगा. कोर्ट ने जेएसएससी को निर्देश दिया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी करे. अब हाईकोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी. बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व में जेएसएससी को वर्ष 2016 के हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट जारी करने का निर्देश दिया था. मामले में मीना कुमारी समेत सात अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजॉय पिपरवाल और प्रिंस कुमार ने बहस की.

सरकारी कर्मियों को बच्चों के लिए मिल सकता है एजुकेशन भत्ता

- राज्य सरकार कर रही विचार, दूसरे राज्यों से मांगी जानकारी
- केंद्र के कर्मियों के बच्चे के लिए 2250 रुपये मिलता है भत्ता

रांची। झारखंड के सरकारी कर्मियों को अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए एजुकेशन भत्ता दिया जा सकता है. राज्य सरकार इस पर विचार कर रही है. केंद्र सरकार, छठे व सातवें वेतन आयोग लागू होने के बाद अपने कर्मियों के बच्चे को एजुकेशन भत्ता के रुप में 2250 रुपये देती है. झारखंड के सरकारी कर्मी भी इसी आधार पर एजुकेशन भत्ता की मांग करते रहे हैं. इसी मद्देनजर दो अप्रैल और 10 जून को सरकार ने विभिन्न राज्यों के वित्त विभाग को पत्र लिख कर एजुकेशन भत्ता के बारे में जानकारी मांगी थी. साथ ही सरकार के स्तर पर इस योजना के वित्तिय प्रभावों पर भी विचार किया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक बिहार, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश व पंजाब में सरकारी कर्मियों के बच्चों की पढ़ाई के लिए एजुकेशन भत्ता देने का कोई प्रावधान नहीं है. जबकि उत्तर प्रदेश, नागालैंड, केरल व हरियाणा में सरकारी कर्मियों के बच्चों के लिए अलग-अलग राशि एजुकेशन भत्ता के तौर पर दी जाती है. सिर्फ एक राज्य तमिलनाडू में केंद्र सरकार की तरह ही राज्य के कर्मियों को चिल्ड्रेन एजुकेशन भत्ता दिया जाता है.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, मंगलवार 06 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 119

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बाबाधाम: तीन लाख भक्तों ने जलाभिषेक किया

देवघर/रांची। सावन की तीसरी सोमवारी को बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी लाइन देखने को मिली. इस अवसर पर करीब तीन लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया. तीसरी सोमवारी पर बाबा नगरी में कई अनोखे भक्त भी देखने को मिले. कोलकाता से 10 कांवड़ियों का एक जत्था अब तक का सबसे लंबा 15 फीट का कांवड़ लेकर यहां पहुंचा था. इस कांवड़ में 100 घंटियां, कलश और नागफन लगे हुए थे. वहीं, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते जिला प्रशासन भी मुस्तैद दिखा.

डीएमएफटी फंड का दुरुपयोग : बोकारो सदर अस्पताल में सिविल सर्जन और जिला प्रशासन की मिलीभगत से हुआ बड़ा खेल

अधिक रेट कोट करने वाली एल-2 कंपनी से खरीदी अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन

प्रवीण कुमार। रांची

राज्य में डीएमएफटी फंड के दुरुपयोग के कई मामले सामने आते रहे हैं. बोकारो जिला में भी डीएमएफटी फंड खर्च करने में कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने के मकसद से नियमावली की शर्तों का खुल कर उल्लंघन किया गया है. मामला बोकारो सदर अस्पताल में अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन खरीद से जुड़ा है. डीएमएफटी फंड से नई अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन खरीदने की स्वीकृति मिली.

इसके लिए बोकारो के सिविल सर्जन की अध्यक्षता में क्रय समिति बनायी गयी. मशीन की आपूर्ति करनेवाली कंपनियों ने 4डी कनवेक्स प्रोव जांच 4.0-7

- अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन के लिए एल-1 कंपनी ने 18.48 लाख का रेट किया था कोट- एल-2 कंपनी ने मशीन का एक हिस्सा हटा कर 6.83 लाख के अंतर को पाट दिया

ओएमएचजेड के लिए निविदा भरी, लेकिन एल-1 रही कंपनी से मशीन न खरीद कर एल-2 रही कंपनी से खरीदारी कर ली गयी. एल-2 कंपनी ने 6.83 लाख के बदले मशीन का एक हिस्सा वापस ले लिया. विशेषज्ञों के मुताबिक, मशीन के इस हिस्से के बिना विश्वसनीय स्कैनिंग संभव ही नहीं है.

बोकारो सदर अस्पताल.

सिविल सर्जन ने मशीन के 6.83 लाख लागतवाले हिस्से को वापस किया

पूरे मामले में पेच फंस जाने के बाद आपूर्तिकर्ता द्वारा दी गई मशीन में से 6.83 लाख की लागत वाला एक हिस्सा 4-डी कन्वैक्शन प्रूफ जांच 4.07 ओएमएचजेड को एल टू वाली आपूर्तिकर्ता कंपनी को वापस कर दिया गया. यह मशीन का वह हिस्सा है, जिसके बिना पेट की गहराई तक स्कैन करना संभव नहीं हो पाता.

एल-2 कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए 18.48 लाख में अधूरी मशीन ले ली

सिविल सर्जन की अध्यक्षता वाली जिला क्रय समिति ने 18.48 लाख में मशीन की आपूर्ति की तकनीकी स्वीकृति एल-1 वाली कंपनी को दी थी. लेकिन एल-2 रही कंपनी, जिसने 25.31 लाख रेट कोट किया था, उसे लाभ पहुंचाने के लिए मशीन आपूर्ति का आर्डर दे दिया गया. एल-1 कंपनी के लिए बोकारो के उप विकास आयुक्त ने मशीन खरीद की फाइल पर लिखा था कि तकनीकी योग्यता के संबंध में सभी दस्तावेज संचिका में उपलब्ध हैं. इसके बाद जिला क्रय समिति को मामला फंसता हुआ नजर आया. इसलिए, बीच का रास्ता निकालने के लिए एल-1 आपूर्तिकर्ता द्वारा दी गई निविदा दर पर भुगतान करने का निर्णय हुआ, जो एल-2 कंपनी से 6.83 लाख रुपये कम था.

ब्रीफ खबरें

प्रोजेक्ट भवन में कैबिनेट की बैठक कल होगी

रांची। हेमंत सोरेन सरकार के मंत्रिमंडल सात अगस्त को होगी. यह बैठक शाम के चार बजे से प्रोजेक्ट भवन सभागार में होगी. इस दौरन कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की जाएगी. बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे.

94 गौवंशीय पशु मुक्त कराए, तस्कर फरार

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र में किन्नी पहाड़ के पास से 94 गोवंशीय पशुओं को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया गया है. इस संबंध में चैनपुर थाना प्रभारी ने बताया कि रविवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ पशु तस्करों द्वारा किन्नी पहाड़ के बगल से गुजरने वाले कच्चे रास्ता से भारी संख्या में गोवंशीय पशुओं को पैदल तस्करी कर ले जाया जा रहा है. गठित टीम जब मौके पर पहुंची, तो सभी तस्कर पशुओं को छोड़ कर भाग गये. इस मामले में 11 नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ चैनपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है. फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

डाल्टनगंज में तीन घरों से 27 लाख की चोरी

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र में रविवार की रात चोरों ने एक साथ तीन घरों में खिड़की तोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया. चोरों ने दो लाख नकदी, जेवर समेत कुल 27 लाख की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया है. जानकारी के मुताबिक, चोरों ने कुम्हार टोली में राजेंद्र प्रसाद और उदयनाथ पाठक के घर को निशाना बनाया. वहीं, हमीदगंज के बीएन कॉलेज रोड स्थित बंगाली मोहल्ला में संध्या कुमारी के घर में भी सेंधमारी की. इन घटनाओं को लेकर पीड़ित गृहस्वामियों में शहर थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. पुलिस चारों का पता लगाने में जुट गयी है.

डीजीपी के निर्देश पर पूरे झारखंड में चला विशेष छापेमारी अभियान

राज्यभर में 24 घंटे में 605 फरार अपराधी गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर राज्य भर में फरार एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तार के लिए विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया. इस कड़ी में पिछले 24 घंटे में राज्य भर के अलग-अलग जिलों से कुल 605 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. इनमें सबसे अधिक हजारीबाग और बोकारो रेंज से फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है. इनमें बीती रात चले अभियान में कुल 102 अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है.

इससे पहले रविवार को रांची जोन के अलग-अलग क्षेत्रों से कुल 94 फरार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. उल्लेखनीय है कि पद संभालने के बाद ही डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सभी जिले के एसएसपी, एसपी एवं वरीय पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि हर हाल में अपने-अपने क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाएं. साथ ही पुलिसकर्मी किसी भी विवाद में न पड़ें, अन्यथा उन्हें बख्शा नहीं जाएगा. डीजीपी ने सभी थानेदारों को साफ शब्दों में निर्देश दिया है कि वह बेहतर पुलिसिंग करें और वर्दी का मान रखें. अगर पुलिस वाले बेहतर काम करेंगे, तो झारखंड पुलिस का हौसला बुलंद होगा.

जाने कहां से कितने फरार अपराधी गिरफ्तार हुए

रांची रेंज	चाईबासा - 11
जिला- गिरफ्तारी	कुल - 51
रांची - 34	**हजारीबाग रेंज**
गुमला - 07	जिला- गिरफ्तारी
लोहरदगा - 06	हजारीबाग - 105
सिमडेगा - 01	गिरिडीह - 61
खूंटी - 09	कोडरमा - 36
कुल - 57	चतरा - 64
बोकारो रेंज	रामगढ़ - 31
जिला- गिरफ्तारी	कुल - 297
धनबाद - 105	**पलामू रेंज**
बोकारो - 47	जिला- गिरफ्तारी
कुल - 152	गढ़वा - 38
कोल्हान रेंज	लातेहार - 16
जिला- गिरफ्तारी	पलामू - 15
जमशेदपुर - 26	कुल - 69
सरायकेला - 14	संथाल परगना रेंज - 15

हेमंत सोरेन सरकार का बड़ा फैसला

आजीवन सजा की काट रहे 39 कैदी रिहा किये जाएंगे

मुख्य संवाददाता। रांची

झारखंड के विभिन्न जेलों में आजीवन सजा काट रहे 39 कैदी रिहा होंगे. यह निर्णय सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 31वीं बैठक लिया गया. बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 74 कैदियों के रिहाई से संबंधित समीक्षा की गई. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 74 कैदियों के कारामुक्ति के लिए अधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श एवं समीक्षा की. तदोपरांत, 39 कैदियों को रिहा करने के निर्णय पर स्वीकृति दी.

समीक्षा के क्रम में न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक, जेल अधीक्षक और प्रोबेशन पदाधिकारी के मंतव्य पर बिंदुवार विचार-विमर्श किया गया. बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव सह विधि परामर्शी विधि (न्याय) विभाग नलिन कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, न्यायायिक आयुक्त, रांची दिवाकर पांडेय, महानिदेशक एवं पुलिस

- सीएम ने झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में दी स्वीकृति
- रिहा होने वाले कैदियों को समाज के मुख्यधारा से जोड़ने का निर्देश

महानिरीक्षक झारखंड अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक झारखंड सुदर्शन प्रसाद मंडल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

रिहा हुए कैदियों के आय सृजन की योजना बनाएं : हेमंत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट कर रिहा हुए कैदियों की पारिवारिक पृष्ठभूमि के अलावा सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सत्यापन अवश्य करें. साथ ही इन कैदियों के आय सृजन के लिए विशेष कार्य योजना बनाएं और इन्हें कौशल विकास कार्यक्रम से जोड़े. इन कैदियों को रोजगार से जोड़ने के लिए डेयरी फार्म, मुर्गी फार्म, पशुपालन आदि योजनाओं का लाभ दिलाएं. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि रिहा होने वाले वैसे कैदी, जिनकी उम्र अधिक हो चुकी है, उनकी पारिवारिक स्थिति की जानकारी लें. रिहा हुए कैदियों को समाज के मुख्यधारा से जोड़ना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है.

मंइयां सम्मान योजना का विशेष कैंप अब 15 तक

तकनीकी समस्याओं को शीघ्र दूर करें : हेमंत सोरेन

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना' की शुरुआत होने के बाद अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर झारखंड की बहनों को बहुत-बहुत बधाई दी है. उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने में बहनों को आ रही शुरुआती परेशानी के बारे में उन्हें जानकारी मिली है. तकनीकी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए उन्होंने निर्देश दिया है. इस मामले को लेकर वरीय पदाधिकारियों की भी बैठक हुई है. योजना को लेकर दिख रहे उत्साह को लेकर पूरे राज्य में प्रज्ञा केंद्रों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया गया है.

विशेष कैंप के बाद प्रज्ञा केंद्र से भी उठा सकते हैं लाभ : सीएम ने कहा कि सभी बहनों को यह बताना चाहता हूं कि यह हमेशा चलने वाली योजना है. योजना का लाभ लेने के लिए कोई समय सीमा नहीं है. विशेष कैंप के आयोजन के बाद भी जरूरतमंद बहनें कभी भी अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर इस योजना का लाभ ले सकेंगी. बहनों को योजना का आसानी से लाभ मिले, इसलिए 10 अगस्त तक लगाए गए विशेष कैंप को पांच दिन आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है. यानी कि राज्यभर में अब 15 अगस्त विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा. इसके बाद भी बहनें अपनी सुविधानुसार योजना का लाभ ले सकती हैं.

बिचौलिए की सूचना मिलते ही प्रशासन कार्रवाई करे : हेमंत सोरेन ने कहा है कि उन्हें यह भी जानकारी मिली है कि योजना में बहनों को मिल रहे लाभ को देखते हुए कहीं-कहीं कुछ बिचौलिए भी सक्रिय हो गए हैं. उन्होंने कहा कि वह सभी को बताना चाहते हैं कि इस योजना की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क है, इसलिए बिचौलियों से सावधान रहें. उन्होंने सभी जिले के प्रशासन को निर्देश दिया है कि कहीं भी बिचौलियों की सूचना मिले, तो उनपर कड़ी कार्रवाई करें. उन्होंने कहा कि इस योजना से राज्य की लाखों बहनों को हर साल 12 हजार रुपये मिलेंगे. झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना और उनका भी यही लक्ष्य है.

मुख्यमंत्री बोले

- कैंप के बाद भी योजना का कभी भी लाभ ले सकेंगी महिलाएं
- योजना की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क, बिचौलियों से सावधान रहें

महिलाएं जिस दिन 21 की हुईं, लाभ मिलने लगेगा

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में कहा कि हमने महिला सशक्तीकरण को लेकर मंइयां सम्मान योजना लायी है. इस योजना का रूझान इतना अधिक है कि सिस्टम थोड़े से कमजोर पड़ जा रहे हैं. हालांकि, किसी भी काम की शुरुआत में कुछ दिक्कतें आती हैं, जो आगे के लिए बेहतर होता है. सभी चीजों को ध्यान में रखते हुए राज्य की 50 लाख महिलाओं को सालाना 12 हजार देने का निर्णय लिया है. सीएम ने कहा कि जिस दिन जो महिला 21 साल की होंगी, उसी दिन से वह इस योजना के लिए योग्य हो जाएंगी और लाभ मिलना शुरू हो जाएगा.

जोनल आईजी ने घटनास्थल पर की जांच

संवाददाता। रांची

कांके थाना क्षेत्र के संग्रामपुर रिंग रोड में स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम कच्छप की हत्या के तीन दिन बाद भी पुलिस को अपराधियों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है. सोमवार की शाम रांची जोन के आईजी अखिलेश झा घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने घटना

दारोगा अनुपम हत्याकांड में तीन दिन बाद भी अपराधी पकड़ से बाहर

वाली रात यानी शुक्रवार को जिस होटल में पार्टी हुई थी, उसके मालिक से पूछताछ की. साथ ही मौके पर मौजूद पुलिस पदाधिकारियों को कई बिंदुओं पर जांच करने के निर्देश दिये हैं. आईजी ने कहा कि एसआईटी को कुछ सुराग मिले हैं, जिस पर अनुसंधान चल रहा है. पुलिस जल्द ही खुलासा करेगी.

कई बिंदुओं पर जांच कर रही है पुलिस : इस मामले की जांच के क्रम में पुलिस ने दारोगा अनुपम कच्छप के परिवारवालों से भी बात की है. परिजनों ने विवाद के कुछ बिंदुओं पर जानकारी दी है. पुलिस की टीम सत्यापन कर रही है कि कहीं पारिवारिक विवाद में तो दारोगा की हत्या नहीं हुई है. इसके अलावा अनुपम के दोस्तों का मोबाइल नंबर भी लिया गया है. हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस जमीन विवाद और विभागीय काम की वजह से किसी से दुश्मनी के बिंदु पर भी जांच कर रही है.

सीआरपीएफ के 14 व 23 पुलिस जवान सम्मानित

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार एवं राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर ने लोकसभा निर्वाचन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस के 23 एवं सीआरपीएफ के 14 जवानों को सम्मानित किया. सोमवार को निर्वाचन भवन में कार्यक्रम आयोजित कर जवानों को सम्मानित किया गया.

बाढ़ में फंसे 35 ग्रामीणों को सुरक्षित रेस्क्यू किया

रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाए गये गढ़वा व रोहतास के ग्रामीण.

संवाददाता। केतार/गढ़वा

गढ़वा जिला में बहने वाली दो मुख्य नदियां कोयल और सोन का जल स्तर काफी बढ़ा हुआ है. इस बीच जिले के हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के होहरगड़ा और मेटौनी गांव के पास सोन नदी में आई बाढ़ में रविवार की देर रात करीब 35 लोग फंस गये थे. जिला प्रशासन ने सभी लोगों को एनडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है.

बाढ़ में फंसे लोगों में कुछ लोग बिहार के रोहतास जिले के थे, तो कुछ गढ़वा जिले के कांडी प्रखंड के रहनेवाले थे. उक्त ग्रामीण सोन नदी के बीच टापुनुमा जगह पर रह कर खेतीबाड़ी और मवेशी चराने का काम करते थे. लोगों के बाढ़ में फंसे होने की जानकारी मिलते ही डीसी शेखर जमुआर, एसपी दीपक पांडेय, एसडीओ बंशीधर, केतार बीडीओ विकास कुमार और हरिहरपुर ओपी प्रभारी रौशन कुमार रवानी रात में ही स्थल का जायजा लेने पहुंचे. एनडीआरएफ टीम को सूचना देने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सोन नदी के टापू पर फंसे सभी ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

- सोन नदी के बाढ़ में फंसे थे गढ़वा व रोहतास के ग्रामीण

उपलब्धि एनआईटी जमशेदपुर में इस वर्ष 93.76 फीसदी विद्यार्थियों का रिकॉर्ड प्लेसमेंट

सृष्टि चिरानिया को 1.23 करोड़ का पैकेज, छह छात्र 82 लाख पर लॉक

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर स्थित एनआईटी जमशेदपुर में वर्ष 2023-24 में छात्रों का बंपर प्लेसमेंट हुआ है. पूर्व के सारे रिकॉर्ड को तोड़ते हुए पहली बार संस्थान की कंप्यूटर साइंस की छात्रा सृष्टि चिरानिया को यूएस की कंपनी रुब्रिक ने 1.23 करोड़ रुपये के वार्षिक पैकेज पर लॉक किया है. पिछले वर्ष का अधिकतम वार्षिक पैकेज 82 लाख रुपये था. संस्थान के निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधर और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर प्रो एके चौधरी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस वर्ष दूसरे उच्चतम पैकेज के रूप में संस्थान के छह छात्रों को एक प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी एटलसियान ने 82 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज पर लॉक किया है. संस्थान में इस वर्ष 93.76 फीसदी छात्रों का रिकॉर्ड प्लेसमेंट हुआ है.

कंप्यूटर साइंस की छात्रा को यूएस की कंपनी रुब्रिक में मिला प्लेसमेंट

उपलब्धि के बारे में जानकारी देते प्रो गौतम सूत्रधर, प्रो एके चौधरी व अन्य फैकल्टी सदस्य.

संस्थान के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि : प्रो. गौतम सूत्रधर

प्रो. सूत्रधर ने बताया कि छात्रा सृष्टि चिरानिया ने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग प्लेसमेंट प्राप्त किया है. यह उल्लेखनीय उपलब्धि संस्थान के लिए एक नया मानदंड स्थापित करती है. इसके अलावा संस्थान के छह विद्यार्थियों को एक प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी ने 82 लाख रुपये सालाना का प्लेसमेंट दिया है. इनमें कंप्यूटर साइंस की तान्या सिंह व आदर्श कश्यप, इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन के अर्पित कुमार और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के अपूर्व सिन्हा, शुभम कुमार व राहुल पांडे शामिल हैं.

बीटेक में 673 विद्यार्थियों में से 631 का प्लेसमेंट हुआ

प्लेसमेंट ऑफिसर प्रो एके चौधरी ने बताया कि संस्थान में बीटेक के कुल 673 छात्र हैं, जिनमें से 631 का प्लेसमेंट हो चुका है. उन्होंने बताया कि सभी विभागों में 90 फीसदी, जबकि मेटलर्जी विभाग में शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ है. इसके अलावा एम टेक में 60 फीसदी यानी 125 और एमसीए में 80 छात्रों का प्लेसमेंट हुआ है. शेष छात्रों ने प्लेसमेंट के बजाय पीएचडी में रुचि दिखाई है. एमटेक और एमसीए में उच्चतम 40.33 लाख और न्यूनतम 8.73 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिला है.

एनआईटी जमशेदपुर में 12 से इवनिंग क्लास

एनआईटी जमशेदपुर में पीजी प्रोग्राम के तहत 12 अगस्त से इवनिंग क्लास की शुरुआत हो रही है. इस क्लास में एमटेक के तहत डेटा साइंस और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग की पढ़ाई होगी. वहीं, शेष सात विभागों में भी कुल नौ तरह के प्रोग्राम की पढ़ाई होगी. निदेशक प्रो. सूत्रधर ने बताया कि संस्थान में एक नए कोर्स मास्टर इन डिजाइन की भी शुरुआत हो रही है. यह कोर्स देशभर के 22 एनआईटी, आईआईटी में शुरू हो रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

अभियान में पकड़े गए 16 वाहन, लगा जुर्माना

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर यातायात पुलिस ने आज स्थानीय छहमुहान चौक पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया. ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद के नेतृत्व में चलाए गए वाहन चेकिंग अभियान में चार पहिया व दोपहिया वाहनों की जांच की गई. अभियान के दौरान 16 दोपहिया वाहन के चालक बगैर हेलमेट एवं बिना लाइसेंस तथा ट्रिपल लोड के गाड़ी चलाते हुए पकड़े गए. इन वाहनों को जप्त कर सुरक्षार्थ हेतु शहर थाना में रखा गया है. ट्रैफिक प्रभारी श्री अहमद ने बताया कि सभी 16 मोटरसाइकिल को जुर्माना के लिए सूची जिला परिवहन कार्यालय को भेजा गया है.

पलामू के नये डीएसई ने किया पदभार ग्रहण

मेदिनीनगर। पलामू जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय मे सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में डीएसई पलामू रणधीर कुजूर को विदाई दी गई. वहीं नए डीएसई संदीप कुमार का स्वागत किया गया. नए डीएसई ने पदभार भी ग्रहण कर लिया है. इससे पूर्व संदीप कुमार क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी पश्चिमी सिंहभूम के जगरनाथपुर में पदस्थापित थे. समारोह में जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय कर्मियों ने संदीप कुमार को शाल और माला पहनाकर सम्मानित किया.

पंजरीकला से कांवरियों जत्था बाबा धाम रवाना

बिश्रामपुर(पलामू). पंचायत पंजरीकला से पंसस दयाल विश्वकर्मा ने कावंरियों को अंगवस्त्र भेंट कर नवयुवक कांवरिया संघ पंजरी कला के बैनर तले जत्था को देवघर के लिए रवाना किया. इसके पूर्व सभी शिवभक्तों ने गांव के ही शिव मंदिर एवं हनुमान मंदिर में अपना अपना माथा टेका तथा भगवान भोले का स्मरण किया. बाबाधाम यात्रा में गौतम कुमार, दयाशंकर मेहता, अजय विश्वकर्मा, राजमुन्नी साव,सन्नी कुमार गुप्ता, राजन कुमार सहित दर्जनों कांवरिया रवाना हुए.

दो बाइक की टक्कर, दो युवक घायल, एक रेफर

बरवाडीह (लातेहार)। बरवाडीह थाना क्षेत्र में बाइक की रफ्तार कम होने की नाम नही ले रही है. आए दिन प्रखंड क्षेत्र में सड़क हादसा देखने सुनने को मिल रही है. सोमवार को बरवाडीह- डालटनगंज मुख्य मार्ग कुटमू पेट्रोल पंप के पास दो बाइक की हुई आमने-सामने टक्कर मे दो लोग हुए घायल हो गए है. एक की हालत गंभीर है. डा विवेकानंद व ड्रेसर राजेश चंद्र (बबलू) के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया. गंभीर रूप से घायल सफरूद्दीन अंसारी को बेहतर इलाज के लिए मेदनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया गया है.

263 विद्याथियों के बीच साइकिल का वितरण

पाटन (पलामू)। प्रखंड विकास पदाधिकारी डा अमित कुमार झा पाटन ने पाटन प्रखंड के पंचायत शोले एवं नावाखास के विद्यालयों के छात्र- छात्राओं के बीच कुल 263 साइकिल का वितरण किया . वितरण कार्यक्रम प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित विद्यालय में साइकिल का वितरण किया गया. मौके पर पूर्व मुखिया राकेश दुबे, जे एम एम के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह,प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अजीत मिश्रा मौजूद थे.

एक सप्ताह में शहर में आधा दर्जन से अधिक घरों में चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लोगों में दहशत

पूरी रात होती रही घरों में चोरी, सोती रही पुलिस

आशीष टैगोर । लातेहार

जिला मुख्यालय में इन दिनों चोरों की घटनाओं में बेहतहाशा वृद्धि हुई है. पिछले एक सप्ताह में शहर में आधा दर्जन से अधिक घरों में चोरी की घटनायें हो चुकी हैं. पुलिस को अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है.चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. रविवार की रात चोरों ने तीन घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी विवेक मिश्रा के किराये के मकान में अज्ञात चोरों ने रविवार की रात चोरी कर ली. चोरों ने घर का दरवाजा तोड़ कर अंदर प्रवेश किया और आलमीरा तोड़ कर उसमें रखे सोने का चैन व 50 हजार रूपये नगद की चोरी कर ली. श्री मिश्रा ने बताया कि वे फिलहाल छुट्टी पर हैं. घर पर कोई नहीं था. सोमवार की सुबह मकान मालिक ने फोन कर सूचना दी घर के दरवाजे का हैंडल लॉक तोड़ कर अज्ञात चोरों ने घर में घुस कर चोरी कर ली है. श्री मिश्रा ने बताया कि वे लौट कर इसकी सूचना थाना को देगें. दूसरी घटना रेलवे स्टेशन मे ठाकुर बालमुकुंद नाथ शाहदेव के घर मे चोरी की घटना हुई है. घर में कोई नहीं था और इसका फायदा उठा कर चोरों ने हाथ साफ कर लिया. हालांकि चोरों के हाथ कितने की संपति लगी है, यह परिजनों के आने के बाद ही पता चल सकेगा. रविवार की रात ही शहर के मिशन रोड मे डीडीसी के चालक लॉरेंस केरकेट्टा के घर में भी चोरो ने घर का ताला तोड कर चोरी की है. यहां से चोरों के हाथ छह हजार रूपया नगद लगा है. बता दें कि पिछले हफ्ते चोरों ने थाना से महज सौ-डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर अविस्थत शिवपुरी व तेली मुहल्ला में एक ही रात में दो घरों में चोरी की थी.

चोरी के बाद बिखरा घर का सामान.

महिला को भी ठगा था

चोर तो चोर शहर में ठगों की टोली भी घुम रही है. यह ठग महिलाओं को अपना शिकार बनाते हैं. गत दिनों गुरूद्वारा रोड में ठगों ने मनोरमा देवी नामक एक महिला को ठगी का शिकार बनाया था. ठगों ने मनोरमा देवी को बातों में उलझा कर उसके शरीर के गहनों को उतरवा कर चंपत हो गये थे. इसकी सूचना मनोरमा देवी ने सदर थाना को दी थी, लेकिन अभी तक ठगों का कोई पता नहीं चल सका.ऐसे ही एक ठगों के गिरोह मे गत दिनों बाइपास रोड में एक महिला से मोबाइल ले कर चंपत हो गये थे. ठगों ने महिला से मोबाइल बात करने के लिए मांगा था और उसे बातों में उलझा कर वहां से भाग गये थे.

हो रही है मवेशियों की चोरी

शहर में इन दिनों मवेशियों की भी खूब चोरी हो रही है. गत दिन चटनाही ग्राम के श्याम सुंदर प्रसाद के एक गर्भवती गाय की चोरी अज्ञात चोरों ने कर ली. श्री प्रसाद ने बताया कि उस गाय की कीमत तकरीन 30 हजार रूपये थी. इसी प्रकार बाइपास रोड, माको व धर्मपुर मुहल्ले में भी अज्ञात चारों ने मवेशियों की चोरी कर ली है.

विभागीय अधिकारियों पर सीएम को गुमराह करने का लगाया आरोप

मनरेगाकर्मियों को धोखा दे रही है राज्य सरकार : पंकज

संवाददाता । मेदिनीनगर

मनरेगा कर्मियों का धरना सोमवार को भी कचहरी परिसर में जारी रहा. वक्ताओं ने राज्य सरकार पर मनरेगा कर्मियों के साथ वादा खिलाफी का आरोप लगाया. पलामू जिला मनरेगा कर्मी संघ के अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा में अभिभाषण के दौरान विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मनरेगा कर्मियों का 50 प्रतिशत मानदेय बढ़ोतरी किया गया है तथा राज्य सरकार इसके लिए 30 करोड रुपए वार्षिक बजट का भार वहन कर रही है.उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में मनरेगा कर्मियों के मानदेय में आंशिक बढ़ोतरी की गई थी जिस पर संघ द्वारा असंतोष प्रकट किए जाने के बाद तत्कालीन विभागीय मंत्री ने यह स्वीकार किया था कि मानदेय में संतोषजनक बढ़ोतरी नहीं हुई है और जल्द ही हम लोग फिर से मानदेय बढ़ोतरी करेंगे. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कि मनरेगा कर्मियों को मिल रहे मानदेय में अपनी ओर से एक रुपया भी नहीं देती है. केंद्र सरकार से प्राप्त राशि के प्रशासनिक मद से मनरेगा कर्मियों का मानदेय भुगतान किया जाता है. जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के झूठे भाषण से मनरेगा कर्मी काफी दुखी और नाराज है.

धरना पर बैठे मनरेगाकर्मी.

कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ के कर्मियों ने काला बिल्ला लगा कर कार्य किया

लातेहार। अपनी लंबित मांगो के समर्थन मे झारखंड राज्य सामाजिक सुरक्षा कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ जिला इकाई के कर्मियो ने सोमवार को काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया है. संघ के प्रदेश संघर्ष सचिव रंजित कुमार ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा कम्प्यूटर ऑपरेटरो के वेतन विसंगतियो को दूर करते हुए राज्य मे एकरूपता लाने की जरूरत है. सामाजिक सुरक्षा कम्प्यूटर ऑपरेटरों, डाटा इंट्री ऑपरेटर एवं अन्य कर्मी की सेवा सामाजिक सुरक्षा सेवा के स्वीकृत रिक्त रेखा लिपिक के पद पर एक मुश्त सेवा वरीयता के आधार पर समायोजित किया जाना चाहिए.

काला बिल्ला लगा कर झारखंड सरकार का ध्यान आकर्षित कराया

बरवाडीह (लातेहार) । झारखंड राज्य सामाजिक सुरक्षा कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के आह्वान पर सभी कंप्यूटर ऑपरेटर ने सोमवार को काला बिल्ला लगाकर अपनी तीन सूत्री मांगों पर सरकार का ध्यान आकर्षित कराया. संघ के जिला सचिव विजय कुमार (पप्पू) ने सोमवार को काला बिल्ला लगाकर कार्य करते हुए बताया कि संघ के आह्वान पर सभी कंप्यूटर ऑपरेटर राज्यव्यापी आंदोलन के काला बिल्ला लगाकर काम करते हुए अपना विरोध दर्ज कर रहे हैं. जिसके माध्यम से सरकार का तीन सूत्री माँग पर ध्यान आकर्षित कराया जा रहा हैं.

कर्मचारियों ने झारखंड सरकार का ह्दय परिवर्तन के लिए मंदिरों मे प्रार्थना की

लातेहार। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग), लातेहार ने अपनी मांगों को ले कर झारखंड सरकार का ह्दय परिवर्तन करने को ले कर सोमवार को मस्जिदों में जा कर प्रार्थना की. जिला अध्यक्ष सुरजा कुजूर ने कहा कि कर्मचारियों के पास अब कोई विकल्प नहीं रह गया है. वे झारखंड सरकार की ह्दय परिवर्तन के लिए प्रार्थना कर रहे हैं. सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए एक सप्ताह का ह्द्रय परिवर्तन सप्ताह मनाने का निर्णय लिया है. दो अगस्त को मस्जिद मे, तीन अगस्त को चर्च व गिरजाघर में, पांच अगस्त को मंदिर में प्रार्थना व दुआ की गयी. छह अगस्त को गुरूद्वारा जा कर सरकार के ह्दय परिवर्तन के लिए प्रार्थना की जायेगी सात अगस्त को हड़ताली कर्मचारी झारखंड सरकार के ह्दय परिवर्तन के लिए हवन कार्यक्रम करेगें.

एसएचजी बहनों को मिली सिलाई मशीन

पांकी(पलामू)। पांकी विधायक डा. कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने तीसरे दिन भी पांकी प्रखंड के 25 पंचायत के महिला स्वयं सहायता समूह की बहनों के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया. नीलांबपुर पीतांबरपुर प्रखंड अंतर्गत मौर्या फार्म हाउस में आयोजित कार्यक्रम में जेएसएलपीएस से जुड़ी बहनों के बीच प्रथम व द्वितीय पाली में वितरण कार्यक्रम में पांकी प्रखंड के केकरगढ, केल्हवा, तेतराई व हुरलौंग पंचायत के महिला स्वयं सहायता समूह की बहनों को मुख्य अतिथि रामदास साहू ने सिलाई मशीन सौंपा. इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत संयुक्त रूप से विधायक डॉ. मेहता व श्री साहू ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता व पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया. मौके पर जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, विधायक प्रतिनिधि एवं मुखिया संघ के अध्यक्ष मंदीप मेहता, मंच संचालन तरहसी भाजपा मंडल अध्यक्ष अजीत प्रसाद गुप्ता, अजय पासवान, भागेश्वर राम, महेंद्र कुशवाहा, कमेश यादव, एवं जेएसएलपीएस के पदाधिकारी और समूह की महिलाएं उपस्थित थीं.

पांडू थाना में लगा जनता दरबार

पांडू (पलामू)। पांडू थाने में तीसरे सोमवार को जनता दरबार लगा . जिसमें पांच मामले आए. पांचों मामले को थाना प्रभारी कुमार सौरव एवं हल्का कर्मचारी गौरव ने मिलकर समाधान किया. थाना प्रभारी कुमार सौरव ने लोगों को समझाएं आपस में मिलजुल कर रहे हैं . कानून को हाथ में ना ले, विवाद के स्थिति में ब्लॉक एवं थाना को सूचित करें.

रामगढ़ प्रखंड के सभी गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित

संवाददाता । मेदिनीनगर

- पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधि आज तक जनता को ठगने का काम ही सिर्फ किया है

आजसू पार्टी के केंद्रीय समिति सदस्य एवं डाल्टनगंज विधानसभा के नेता चंद्रशेखर सिंह छोटू रामगढ़ प्रखंड के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क एवं क्षेत्र भ्रमण के दौरान कहा कि रामगढ़ प्रखंड के सभी गांव की स्थिति बदतर है . यहां सड़क, बिजली और पेयजल सुविधाओं का घोर अभाव है . गांव में निवास करने वाले आम जनमानस एवं ग्रामीण अपने दिनचर्या के लिए नित्य संघर्ष कर रहे हैं . ऐसा लगता है कि जनप्रतिनिधि को इन सबसे कोई सरोकार नहीं है. पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधि आज तक जनता को ठगने का काम ही सिर्फ किया है . रामगढ़ प्रखंड के चौरहट पंचायत के ग्राम नावा में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल द्वारा सौर ऊर्जा आधारित ग्रामीण जलापूर्ति योजना आज भी अधूरा पड़ा हुआ है . जिससे वहां निवास करने वाले चालीस घर के लोगों के समक्ष पीने के पानी की समस्या बनी हुई है . ग्रामीणों के इस समस्या के निदान हेतु हर संभव प्रयास करने का भरोसा दिया है. उन्होंने नावा, आदर, डाटम, चोरहट, उलडडा और रामगढ़ के लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को जाना.

जनसंपर्क अभियान में चंद्रशेखर सिंह छोटू के साथ पार्टी नेता सुरेश सिंह परमानंद चंद्रवंशी, सतीश तिवारी, प्रमोद प्रजापति, अख्तर अली, राजीव पांडे, संजय प्रसाद, कमलेश कमलापुरी, ब्रजेश मेहता, पवन यादव, पप्पू कुमार, मिथिलेश मेहता, हरेंद्र प्रजापति, श्यामलाल मेहता आदि मौजूद थे .

पदाधिकारियों के साथ डीसी ने की बैठक, कहा धूमधाम से मनाया जाएगी स्वतंत्रता दिवस

संवाददाता । लातेहार

स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गयी. बैठक में गत स्वतंत्रता दिवस के बैठक की कार्रवाही से लोगों को अवगत कराया गया. उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस एक राष्ट्रीय पर्व है और इसे लातेहार जिले में धूमधाम से मनाया जायेगा. उन्होंने इसकी आवश्यक तैयारियां कर लेने का निर्देश वरीय प्रभारी उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह को दिया. उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों के लिए आवंटित किये गये दायित्वों को पूरी तत्परता से निभाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया. स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम 15 अगस्त को प्रातः छह बजे प्रभात फेरी से किया जायेगा. प्रभात फेरी में कुल सात टुकड़ियां भाग लेगीं. बैठक में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में झंडोतोलन का समय निर्धारित किया गया. पूर्वाह्न साढ़ आठ बजे कारगिल पार्क में शहीद स्मारक पर माल्यापर्ण व पुष्पांजलि की जायेगी.

नौ बजे जिला स्टेडियम में मुख्य झंडोतोलन कार्यक्रम होगा. अपराह्न तीन बजे से जिला स्टेडियम में सदभावना फुटबॉल मैच एवं संध्या छह बजे पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा. बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, परियोजना निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता रामा रविदास, सिविल सर्जन डॉ अवधेश कुमार सिंह, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी राजेश कुमार, नगर प्रशासक राजीव रंजन,झामुमो जिला सचिव समशुल होदा, रेडक्रास के सचिव जावेद अख्तर समेंत कई विद्यालयों के प्राचार्य व संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे.

पदाधिकारियों के बैठक करतीं लातेहार डीसी.

पर्यटन प्राकृतिक छटाओं से भरपूर मुरमा मलय डैम , 105 गांव सिंचित होते हैं

मलय डैम में दो दिनों की वर्षा से 10 फीट पानी बढ़ा

कुमार राज । सतबरवा(पलामू)

लगातार दो दिनों के वर्षा में किसानों के चेहरे खिल उठे तो मुरमा मलय डैम में 10 फीट पानी बढ़ गया गया. किसान धान की रोपाई शुरू कर चुके हैं. सतबरवा का मुरमा मलय डैम सैलानियों के लिए प्राकृतिक छटाओं से भरपूर आनंद शांति , शुकुन का एक बेहतरीन जगह है. चारों तरफ प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुरमा मलय डैम ,सतबरवा से चार किमी दूर, तुंबागड़ा रांची - मेदिनीनगर मुख्य मार्ग से तीन किलोमीटर दूर स्थित है. वैसे यहां पर सालोभर पर्यटक सुकून के दो पल पाने के लिए पहुंचते हैं. डैम में तैरता वाटर होम में बैठ कर पिकनिक का आनंद के साथ खूबसूरत नजारा देख सकते हैं. मछली पालन के लिए अलग से भी केज पानी में तैरता हुआ मिल जाएगा, जिसमें कई प्रकार की मछलियां पाली जाती है. तुंबागड़ा से जब आप मलय डैम का रूख करते हैं. इसी तुंबागड़ा में करीब आधे दर्जन मशहूर स्वादिष्ट कलाकंद की दुकानें हैं . जो आपके मुंह के स्वाद को बढ़ा देगा. मुरमा मलय डैम एक पिकनिक स्पॉट होंने के साथ हजारों किसानों का पेट भी भर्ती है. डैम से प्रति दिन ताजी मछलियां मिलती हैं, मछली पालने के लिए केज का उपयोग किया जाता है.

मलय डैम का विहंगम दृश्य.

मछली पालन कर लोग करते जीवन यापन

मुरमा मलय डैम के विस्थापितों ने मुरमा मलय मत्स्य जीवी सहयोग समिति का गठन कर मछली पालन कर अपने परिवार का जीवका चला रहे हैं. अचानक कोरोना काल में मलय डैम में पर्यटकों की भीड़ उमड पडी. शासन प्रशासन के बड़े-बड़े पदाधिकारी मलय डैम की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने पहुंचने लगे. पदाधिकारियों के सहयोग से कुछ सुंदरीकरण के कार्य तथा शौचालय का निर्माण किया गया है. इसी कोरोना काल में एक - एक कर 7 पैंडल व 4 मोटर बोट विस्थापितों ने खरीदा .

जल्द शुरु होगी जल क्रीड़ा

सतबरवा के मुरमा मलय डैम में जल क्रीड़ा एवं साहसिक क्रीड़ा की शुरुआत होगी .मलय डैम में विभिन्न तरह के वॉटर एक्टिविटीज प्रारंभ किया जाएगा जिसमें मोटरबोटिंग भी शामिल है. इसके लिये टेंडर भी हो गया है . इन कार्यों को विस्थापित लोग व स्थानीय समिति के माध्यम से संचालित किया जाएगा. इसके लिये संबंधित लोगों को गोआ समेत कई जगहों पर भेजकर ट्रेनिंग भी दिया .

विद्यालय की जमीन जल्द होगी अतिक्रमण मुक्त : सीओ

पाटन(पलामू)। पाटन मुख्य बाजार अवस्थित प्लस टू उच्च विद्यालय की जमीन को कई व्यक्तियों के द्वारा जबरन अतिक्रमण कर लिया गया है . मामला संज्ञान में आने के तुरंत बाद से अतिक्रमण हटाने हेतु कार्रवाई शुरू कर दी गई है . आज अंचल अधिकारी ने अपनी उपस्थिति में तोड़े गए बाउंड्री को जुड़वाया गया . जेसीबी से परिसर की साफ सफाई की गई . उन्होंने बताया कि शेष बचे अतिक्रमण को जल्द ही मुक्त कर ली जाएगी . अतिक्रमण हटाने के क्रम में कुछ लोगों ने धमकी भरे अंदाज में अंचल अधिकारी को बोला की देखते हैं आप कैसे अतिक्रमण हटाते हैं . इस पर अंचल अधिकारी ने बताया कि यह एक सरकारी प्रक्रिया है और विद्यालय की जमीन हर हाल में अतिक्रमण मुक्त होगी .

न्यूज अपडेट

वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति की मासिक बैठक संपन्न

मासिक बैठक करते वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति के सदस्य.

लातेहार। वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति, लातेहार की मासिक बैठक संरक्षक अभिनंदन प्रसाद की अध्यक्षता में मंदिर परिसर में हुई. बैठक में मासिक दानपात्र खोला गया. दानपात्र से 21 हजार रुपये, वाहन पूजा से 1450 और मंदिर विकास निधि से 3600 रुपये प्राप्त हुए. कोषाध्यक्ष राजू रंजन सिंह ने मासिक आय व व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया. सचिव आशीष टैगोर ने बताया कि मंदिर के उपरी तल्ले के सभी सात कमरों का सुंदरीकरण का कार्य पूरा हो चुका है. अब तक कार्यपालक अभियंता अरविंद कुमार, आलोक मोहन सेवा स्मृति आश्रम, विजय कुमार (पप्पू, धर्मपुर), विशाल भास्कर (कीनामाड़) व संतोष अग्रवाल (लातेहार, रांची) ने कमरों के सुंदरीकरण खर्च का वहन करने में अपनी सहमति दी है.

महासंघ ने राकेश सिंह का किया भव्य स्वागत

मजदूर नेता राकेश सिंह का स्वागत करते लोग.

मेदिनीनगर । झारखंड सब्जी फल थोक विक्रेता महासंघ ने नवनियुक्त लोजपा जिलाध्यक्ष सह मजदूर नेता राकेश सिंह का स्थानीय टेंपो स्टैंड परिसर में आयोजित स्वागत समारोह में पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया. मौके पर सब्जी फल थोक विक्रेताओं ने कहा कि राकेश सिंह सदैव मजदूर किसान नौजवान, ऑटो चालक, परिवहन चालक 22 वर्षों से शोषण मुक्ति अभियान चलाते हुए कानून अधिकार की हर लड़ाई निरंतर लड़ते आए हैं. उन्होंने हर संघर्ष को अंजाम तक पहुंचाते हुए न्याय दिलाने का काम किया है. लोजपा जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि हमारी हर उपलब्धि पलामू के मजदूर किसान नौजवानों एवं हर वर्गों के आशीर्वाद, विश्वास तथा साथ का परिणाम है.

मंच ने की आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

झारखंड क्रांति मंच के लोग जानकारी देते हुए.

मेदिनीनगर। झारखंड क्रांति मंच ने पिछले दिनों पाटन प्रखण्ड के बरसैता गांव में इद्रीस मियां के साथ योगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सैंकड़ों ग्रामीणों द्वारा उनकी जमीन पर पांच ट्रैक्टरों द्वारा जबरन लगी फसल जोतकर जय श्रीराम का नारा लगाते हुए भगवा झण्डा गाड़ने, घर व पम्प हाउस को तोड़-फोड़ व तहस-नहस कर पूरे परिवार को मारपीट कर भगाने मामले.की निंदा की है. मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने आज स्थानीय स्वागत होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि बंदोबस्ती वाद सं०-21/04-05 के माध्यम से सदर एसडीओ मेदिनीनगर द्वारा प्राप्त जमीन खाता सं०-78, प्लॉट सं० -2374, रकबा-1.50 एकड़ जमीन पर इद्रीस मियां का परिवार लगभग 20 वर्षों से शांतिपूर्वक मकान बनाकर गाय, भैंस, बकरी पालते हुए रह रहा है.

बाबा गणिनाथ की पूजा को लेकर कमेटी गठित

बाबा गणिनाथ गोविंद जी की जयंती को लेकर बैठक करते लोग.

बरवाडीह (लातेहार)। प्रखंड मुख्यालय में बाबा गणिनाथ गोविंद जी की जयंती समारोह सह सम्मेलन का आयोजन सात सितंबर को रेलवे स्पोर्ट्स क्लब में होगा. कार्यक्रम को लेकर अखिल भारतीय अवदेशी सभा हलवाई समाज बरवाडीह इकाई की बैठक महेंद्र प्रसाद के आवास पर हुई. बैठक में मुख्य रूप से लातेहार जिला अध्यक्ष आनंद प्रसाद नंदू सहित कई लोग मौजूद थे. बैठक के दौरान पिछले वर्ष के पूजा समारोह के आय -व्यय जानकारी दी गयी. इस वर्ष भी पूजा को धूमधाम से करने का निर्णय लिया गया. इसके लिए कमेटी का गठन किया गया. संजय प्रसाद संजू (सरईडीह) को अध्यक्ष, अजीत कुमार बरवाडीह व संतोष प्रसाद छेंचा को उपाध्यक्ष बनाया गया. जबकि रामनाथ प्रसाद बरवाडीह को सचिव, अंकित कुमार मंगरा को उपसचिव बनाया गया.

भाजपा नेता चेतलाल रामदास ने अर्जुन मुंडा से मिले

बालूमाथ (लातेहार)। लातेहार विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता चेतलाल रामदास ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से मुलाक़ात की. इस दौरान उन्होने लातेहार विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान राजनैतिक स्थिति पर चर्चा की. भाजपा नेता ने कहा कि भरपूर खनिज क्षेत्र होने के बावजूद लातेहार विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास नहीं हो पाया है. इसे ले कर उन्होने पूर्व मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया. चेतलाल रामदास ने अब तक के हुए जनप्रतिनिधियों के द्वारा किये गए प्रयास को नाकाफी बताते हुए युवा को विकास का भागीदार बनाने पर बल दिया. इससे पूर्व भाजपा नेता चेतलाल रामदास ने पुष्पगुछ देकर व शाल भेंट कर श्री मुंडा का अभिनन्दन किया.

घुसपैठियों के कारण हमारा हक मारा जा रहा : पूर्व मेयर

भाजपा नेताओं को सम्मानित करते पूर्व मेयर.

सतबरवा (पलामू) । मेदिनीनगर नगर निगम के प्रथम महापौर अरूणा शंकर ने सोमवार को सतबरवा में वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन जोशी को सम्मानित किया तथा पूर्व सरपंच नन्द किशोर प्रसाद से मिल कर उनका हाल - चाल जाना , तत्पश्चात शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित शिव चर्चा में भाग लिया. इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ दौड़ रहा. केंद्र सरकार की योजनाओं का बखान करते हुए कहा कि आज देश के करीब - करीब सभी गरीबों का जिसका कच्चा मकान था,सभी को पक्का मकान मिल चुका है,सभी घरों में शौचालय,सभी घरों में नल जल योजना के तहत पानी की व्यवस्था ,तथा गरीबों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है.

गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया

पाटन (पलामू) । पाटन प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय पाटन में पाटन प्रखंड का गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया. जिसमें नया प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी जरीना प्रवीन, एवं लेखा पाल रंजन कुमार सिंह का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया. गुरु गोष्ठी में मुख्य रूप से बीईईओ हरी प्रसाद ठाकुर, पारा शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष हरेंद्र कुमार सिंह , सतीश कुमार शुक्ला, विनोद सिंह, महेश राम आदि ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया.

ब्रीफ खबरें

लगातार बारिश से गिर रहा है गरीबों का घर

कुरडेग/बानो। लगातार बारिश के कारण कुरडेग प्रखंड के झिरकामुंडा गांव मेंएक ग्रामीण का कच्चा घर ढह गया. बताया गया कि बारिश के कारण भज्जूग्वाला नामक एक ग्रामीण का घर गिर गया. इसके अलावे शमीम अंसारी नामक ग्रामीण का बाउंड्रीवाल टूट गया. भज्जूग्वाला और शमीम अंसारी ने प्रशासन सेमदद की गुहार लगाई है. वहीं बानो प्रखंड के गेनमेर पंचायत स्थित गिरदा गांव मेंफैजल मियां, मरानी गांव मेंरुबेन भेंगरा, अरविनंद भेंगरा, रवि भेंगरा और रोबर्ट भेंगरा का भी घर गिर गया है. सभी प्रभावितों ने प्रशासन से मदद मांगी है.

बारिश ने उजाड़ा गरीब का आशियाना

किस्को/लोहरदगा। जिले में तीन दिन तक लगातार हुई जोरदार बारिश ने लोगों को बड़ी क्षति पहुंचाई है. लोगों को बारिश की तबाही से काफी आर्थिक रूप से कमर तोड़कर रख दिया है. बता दें कि लोहरदगा जिला अंतर्गत किस्को प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत परहेपाट के होंदगा निवासी कुर्बान अंसारी को आफत भरी बारिश से सिर छुपाने की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है. उक्त भुक्तभोगी गरीब का दो कमरे का कुटिया को बारिश ने ध्वस्त कर डाला जिससे गरीब परिवार वाले के समक्ष इस बरसात के मौसम में सिर छिपाने को लेकर बड़ी चुनौती बनी हुई है.

जनसंख्या के अनुसार आरक्षण चाहिए : अमर

कांडी। ओबीसी एकता अधिकार मंच का न्याय रथ प्रखंड के चटनियां पंचायत में पहुंचा. इस दौरान नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया. नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश के ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय सदस्य अमर प्रसाद ने कहा कि देश के समस्त आर्थिक गतिविधियों तथा सेना के उच्च पदों, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति, सड़क भवन निर्माण के ठेकों में, सप्लाई, डीलरशिप, आउटसोर्सिंग-परिवहन, पार्किंग, मीडिया, यूनिवर्सिटी, लोकसभा, विधानसभा, विधान परिषद आदि में जनसंख्या अनुपात में हिस्सेदारी चाहिए.

लातेहार में युवक ने फांसी लगायी

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के माको ग्राम निवासी सुनील प्रसाद का 22 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार ने घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. सुनील प्रसाद ने बताया कि उसके बेटे की मानसिक स्थिति सही नहीं थी. सोमवार को घर पर कोई नहीं था और मौका पा कर उसने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना पर सदर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिन्हा के निर्देश पर पुलिस बल मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले कर पोस्मार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा.

एक्वा फुटबॉल क्लब ने जीता मैच

सिमडेगा। 25 वां वीर शहीद अंतरराज्यीय थॉमस सोरेंग फुटबॉल प्रतियोगिता में एक मैच खेला गया. एक्वा फुटबॉल क्लब रांची बनाम गोल्डने एफसी क्लब सिमडेगा के बीच खेले गए मैच में रांची की टीम 2-0 से जीत हासिल कर अगले चक्र में प्रवेश किया. इससे पूर्व मैच का शुभारंभ कांग्रेस नेता नवीन विरेन तिर्की और अनूप लकड़ा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया. आयोजन समिति के द्वारा बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया गया. आयोजक राजेश सिंह और सचिव मोनू बड़ाईक ने बताया कि सरगुजा गु क्लब बनाम एक्वा फुटबॉल क्लब रांची के बीच मैच खेला जाएगा.

लोहरदगा से 30 किमी पैदल यात्रा कर घाघरा देवाकी बाबाधाम में किया जलार्पण

शिव पार्वती झांकी के साथ निकली विशाल कांवर यात्रा

- लगभग 2000 श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक
- शिवभक्तों के लिए थी सुल्तानगंज से गंगा जल की व्यवस्था
- उपायुक्त ने कांवरियों का उत्साहवर्धन कर किया रवाना

संवाददाता। लोहरदगा

तीसरी सोमवारी पर कार्यक्रम में शामिल उपायुक्त

श्रावण मास के तीसरी सोमवारी पर काँवरिया संघ, बरवाटोली, लोहरदगा की अगुवाई में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने देवाकी बाबाधाम के लिए रवाना हुए. काँवर यात्रा की शुरुआत मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर बरवाटोली से हुई. शिवभक्तो की टोली बरवाटोली से निकलकर महावीर चौक, गुदरी बाजार, राणा चौक, मिशन चौक होते हुए देवाकी के लिए प्रस्थान किया. फूलो से सजी पालकी में भगवान शिव की प्रतिमा को लेकर शिवभक्त पैदल नंगे पैर देवाकी पहुचे. पालकी के पीछे पीछे शिवभक्तों की टोली भक्तिमय गीतों पर नाचते गाते हुए देवाकी पहुचे. लगभग 30 किमी पैदल यात्रा कर घाघरा देवाकी बाबाधाम में स्थित भगवान शिव पर जलार्पण किया. वही भगवान शिव, माता पार्वती, हनुमानजी, नंदी महाराज, शिवगण समेत अन्य की सजीव झांकी सजाई गई थी. शिवभक्ति पर आधारित एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों पर लोग झूमते नजर आये. भक्तगण कतारबद्ध तरीके से होकर पैदल जा रहे थे. भक्तो की लगभग एक किमी लंबी कतार लग गई थी. भक्तगण हर हर महादेव, जय शिव शंकर, जय श्री राम आदि के जयकारे लगा रहे थे. कांवर यात्रा का उद्घाटन उपायुक्त डा० बाघमारे प्रसाद कृष्ण, गौरव आरपी अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, सूरज सिंह, शैलेश अग्रवाल, स्नेहिल गोयल, राजेश अग्रवाल, अभय अग्रवाल, राजीव रंजन, अजातशत्रु, शुभम मित्तल.

अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया. इससे पूर्व सभी अतिथियों का स्वागत साफा पहनाकर किया गया. सभी अतिथियों ने गंगा जल लेकर मंदिर परिसर में विराजमान भगवान शिव पर जलाभिषेक करने के बाद मां दुर्गा की पूजा अर्चना किए. सुल्तानगंज से लाये गए गंगाजल को भक्तो के बीच बांटा गया. कांवर यात्रियों के लिए सुल्तानगंज से गंगा जल की व्यवस्था किया गया था. मौके पर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कांवरियों को शुभकामनाएं दिया. कहा कि हम ईश्वर से यही प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर सबकी मनोकामना पूरी करे. .

काँवर यात्रा के सफल आयोजन में रही इनकी भूमिका : कांवर यात्रा के सफल संचालन में आजीवन संरक्षक सुनील अग्रवाल, रमेश साहू, सुषमा सिंह, अध्यक्ष गौरव अग्रवाल (लड्डू), कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, सचिव आलोक अग्रवाल (निखिल), विक्रम सिंह, राहुल कौशल, राजेश महतो, महेन्द्र प्रताप देव, राहुल साहु, अमित यादव समेत अन्य की अहम भूमिका निभाई.

छात्र-छात्राओं के बीच किया गया साइकिल का वितरण

विद्यार्थियों की उन्नति में साइकिल वितरण योजना मददगार: डॉ उरांव

संवाददाता। लोहरदगा

विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण करते मंत्री.

झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत किस्को प्रखंड के स्थानीय मिडिल स्कूल खेल मैदान में सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि वित्त विभाग सह योजना वाणिज्यकर उपभोक्ता मामले विभाग झारखंड सरकार के मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव एवं अन्य अतिथियों के द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर विधायक लोहरदगा सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में विकास की गंगा बहा रही है. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की ओर से लगातार राज्य वासियों को सीधे तौर पर लाभ देने का काम किया जा रहा है.

मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि साइकिल मिलने से सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अब आने-जाने में कोई परेशानी नहीं उठानी होगी. बच्चे मन लगाकर पढ़ें, यही झारखंड सरकार की सोच है. उन्होंने कहा कि इससे बच्चे उत्साहित होंगे तथा शिक्षण कार्य में सुधार होगा. मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि ड्रॉप आउट बच्चों की संख्या में कमी आएगी एवं नियमित रूप से विद्यालय आने को प्रेरित होंगे. इस बीच मंत्री ने छात्र-छात्राओं को शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. इधर अपने संबोधन के दौरान मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि बच्चों के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना, गुरूजी क्रेडिट कार्ड, मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना आदि झारखंड सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए चलाया जा रहा है, आप छात्र इन सब योजनाओं का लाभ उठा सकते .

इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में 21 से 50 वर्ष उपर की महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत हर माह 01 हजार रूपया के तहत सालाना 12 हजार देने का काम करेगी. इससे पूर्व जन कल्याणकारी योजनाएं हमारे गठबंधन के सरकार द्वारा चलाई जा रही है, जिससे छात्राओं के साथ सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास हो सके. साथ ही राज्य सरकार की ओर से सभी क्षेत्रों में गांव-गांव तक विकास का कार्य किया जा रहा मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, 20 सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष युनुस अंसारी, प्रमुख सुमित्रा भगत,उप प्रमुख गीता देवी, रौनक इकबाल, मुखिया मीना देवी, नुसरत अंसारी, साकिर हुसैन, राजेंद्र यादव, कबीर अंसारी,नसीम अंसारी, जफर इमाम, सेराज अंसारी आदि मौजूद थे.

औचक निरीक्षण में मध्यान भोजन मिला बंद

कांडी। बीडीओ राकेश सहाय ने प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोखापी का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने मध्याह्न भोजन बंद पाया. बच्चों को एक तारीख से ही मध्यान्ह भोजन नहीं मिल पा रहा है. बीडीओ ने जिला शिक्षा अधिकारी कैसर राजा से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि किसी भी कीमत पर मध्यान भोजन बंद नहीं करना है. यह अपराध है. निरीक्षण के दौरान विद्यालय के चार शिक्षकों में से मात्र दो शिक्षक उपस्थित थे. जिसमें दो शिक्षक आकस्मिक अवकाश में थे. इस दौरान सुरेंद्र राम प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया कि राशि के अभाव में मध्यान भोजन बंद कर दिया गया है.

चंदवा थाना में समझौता का हुआ प्रयास रहा विफल

चंदवा (लातेहार)। थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत में गनियारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय के रास्ते को गांव के ही कुछ दबंगो ने अपना जमीन बताकर गड्ढा खोदकर रास्ता बंद करने का प्रयास किया गया था. दूसरे पक्ष के लोग उक्त जमीन को गैर मजरूआ जमीन बता रहे थे. इसी बात को लेकर गांव के लोगों में गुस्सा भड़क गया था और ग्रामीण विद्यालय स्थल पर जमा हुए थे. मामला इतना बढ़ा की मारपीट तक पहुंच गया. एक पक्ष ने चंदवा थाना में आ कर मारपीट का मामला दर्ज करवाया था. सूचना अनुसार थानाध्यक्ष के द्वारा मामला की सत्यता के लिए सोमवार को दोनों पक्ष को थाना परिसर में बुलवाया था. जहां पंचायत के मुखिया जतरू कुमार मुण्डा भी मौजूद थे. इन्होंने दोनों पक्षों को अपने पंचायत क्षेत्र में ही सुलह करवाने की बात बताया और यह भी कहा कि जो मामला न्यायालय का है उसे दोनों पक्ष मिलकर न्यायालय से समाप्त करेंगे.

मुखिया पति व पंचायत सेवक में मारपीट

रमना। प्रखंड में अबुआ आवास योजना देने के नाम पर रिश्वत लेन-देन के मामले को लेकर बहियार कलां में मुखिया पति व पंचायत सेवक में जमकर मारपीट की घटना प्रकाश में आयी है. इस मामले में दोनों ने एक दूसरे पर प्राथमिकी दर्ज करायी है. अबुआ आवास में पैसा लेकर हो रहे सूची में हेराफेरी का आरोप कुछ दिन पूर्व प्रमुख करूणा सोनी ने भी लगाया है. उन्होंने अपने एक बयान में यह भी कहा है कि पिछले बार भी आवास देने के नाम पर उगाही किया गया है. बैठक के नाम पर उन्हें बैठक कक्ष से बाहर निकाले जाने का मामला भी सामने आया था और अब अबुआ आवास में कमीशन को लेकर मुखिया पति व पंचायत सेवक में मारपीट का मामला सामने आया है.

न्यूज अपडेट

लोहरदगा में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में शामिल डीटीओ व अन्य.

लोहरदगा। जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक झारनेट सभागार में हुई. बैठक में जुलाई माह तक सड़क दुर्घटना में मृत, गंभीर रूप से घायल और हल्के रूप से घायलों की संख्या पर चर्चा की गई. ओवर स्पीडिंग, ओवर लोडिंग, ड्रंक एण्ड ड्राईव को लेकर लगातार थाना स्तर से हेल्मेट जांच अभियान चलाये जाने, हिट एण्ड रन में लंबित दस्तावेज को प्राप्त कर अग्रेतर कार्रवाई करने, राष्ट्रीय उच्च पथ को गड्ढों को भरे जाने, विभिन्न स्थानों पर रंबल स्टिप लगाये जाने, पथ प्रमण्डल द्वारा विभिन्न पथों के समतलीकरण,शिक्षा विभाग द्वारा यातायात नियमों का सभी विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाये जाने, स्वास्थ्य विभाग द्वारा गुड सैमेरिटन के लिए व्यक्तियों को नामित किये जाने समेत अन्य विभागों को दिये गये अनुपालन की समीक्षा की गई.

मंइयां सम्मान योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाएं कर्मी: डीसी

लोहरदगा में मुख्यमंत्री मंइया सम्मान योजना की प्रगति की समीक्षा करते उपायुक्त.

लोहरदगा। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के प्रगति की समीक्षा हेतु सोमवार को उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता हेतु बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित हुई. इधर बैठक में सभी प्रखंडों और नगर परिषद क्षेत्र में दिनांक 03 अगस्त से लेकर अब तक प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई और उन आवेदनों की ऑनलाईन इंट्री ससमय कर लिये जाने का निदेश दिया गया. स्टॉल में ऑनलाईन इंट्री हेतु प्रतिनियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटर्स की उपस्थिति पर्याप्त संख्या में सुनिश्चित किये जाने का निदेश दिया गया. बैठक में अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा प्रमोद दास, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, सभी बीडीओ धिकारी, नगर प्रशासक नगर परिषद व सभी सीएससी मैनेजर उपस्थित थे.

जयराम महतो की 20 को सिमडेगा में सभा

सिमडेगा। केलाघाघ रोड में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष पार्टी की बैठक सुमन कुल्लू की अध्यक्षता में हुई. बैठक में जेबीकेएस के केन्द्रीय महासचिव दीपक कुमार महतो मुख्य रुप से उपस्थित थे. मौके पर सुमन कुल्लू, जिप सदस्य अजय एक्का, अहलाद केरकेट्टा ने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का बुके देकर स्वागत किया. बैठक में टाइगर जयराम महतो के सिमडेगा कार्यक्रम पर चर्चा की गई. बताया गया कि जयराम महतो 20 अगस्त को जिले में सभा को संबोधित करेंगे. कार्यक्रम को लेकर जिले में व्यापक रुप से प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया गया. टाइगर जयराम महतो के कार्यक्रम को लेकर जिले में जगह जगह फ्लैक्स एवं पोस्टर लगाएं. उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने की बात कही. बैठक में जेबीकेएस युवा मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव शनि संदीप तिग्गा, छोटानागपुर संगठन के महामंत्री पंचम एक्का, केन्द्रीय महामंत्री फलिन्द्र करमाली, प्रदेश से आए हेमंत महतो, मनीष साहू, शशि भूषण भगत, अमर महतो सहित अमजद खान, आदि उपस्थित थे.

हेमंत सरकार अपराधियों पर अंकुश लगाने में नाकाम: उरांव

भंडरा/लोहरदगा। राज्य में जब से झामुमो और कांग्रेस की सरकार सत्ता में आई है राज्य में कानून व्यवस्था का धज्जियां उड़ रहा है,सरेआम अपराधी सड़क पर घूम रहे हैं एवं व्यवसाई को अपना गोली का निशाना बना रहे है. रांची राजधानी में दिन दहाड़े अपराधी स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर को गोली मारकर हत्या कर देते है. कानून के रखवाले वकील को अपराधी चाकू से गोधकर हत्या कर रहे है. साथ ही चांदनी चौक जैसे भीड़ भाड़ वाले जगह में चंदवे निवासी पर हत्या का असफल प्रयास. पाकूड़ जिला के केकेएम आदिवासियों पर पुलिस बल द्वारा अंधाधुंध प्रहार कर घायल करना, निरंकुश सरकार का एक न बयान आना न उचित कार्रवाई करना. उक्त बातें रविवार को भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बिंदेश्वर उरांव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य सरकार के नाकामी की निंदा की है. उन्होंने कहा कि विगत एक सप्ताह में एक नहीं कई लोगों को अपराधियों ने अपना गोली का निशाना बनाया है.उन्होंने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस सरकार सिर्फ अपने आप को आदिवासी हितैसी की दुहाई देती है.

गढ़वा में श्रीरामलला तक की अद्भुत यात्रा आज

गढ़वा। आध्यात्मिक चेतना और विश्वबन्धुत्व के संस्कार को जन जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित गढ़वा की मानस मंडली न सिर्फ गढ़वा जिले में बल्कि विश्व के सबसे बड़ी आध्यात्मिक नगरी और सनातन धर्म की आधार भूमि श्री अयोध्या धाम में सुंदरकांड का पाठ कर गढ़वा को धन्य कर दिया. अयोध्या में श्री रामलला जी को पाठ सुनाने वाले मानस मंडली के विद्वतजन भगवान श्री राम का प्रकाशपुंज और दिव्य आशीष के साथ गढ़वा लौटे हैं. इसका प्रतिष्ठापन छह अगस्त मंगलवार को सुंदरकांड पाठ के माध्यम से गढ़वा जिला मुख्यालय के सोनपुरवा स्थित श्री रामलला मंदिर में किया जाएगा. इसे लेकर मानस मंडली और सनातनियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है. इस मौके पर प्रसाद और महाप्रसाद का भोग लगेगा.

डीसी की अध्यक्षता में बाल संरक्षण ईकाई की हुई बैठक

डीसी की अध्यक्षता में मिशन वात्सल्य की बैठक संपन्न.

लोहरदगा। मिशन वात्सल्य अंतर्गत जिला बाल संरक्षण ईकाई, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, चाईल्ड हेल्पलाईन, होप बालिका गृह, समर्पण बालक गृह, विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण का सामाजिक अंकेक्षण यूनिट के द्वारा अलग-अलग तिथियों को किया गया. सामाजिक अंकेक्षण के दौरान प्राप्त निष्कर्ष को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित जन सुनवाई में उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता वाली ज्यूरी पैनल के समक्ष रखा गया. बैठक में होप बालिका गृह, समर्पण बालक गृह, विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण, चाईल्ड हेल्पलाईन, सीडब्ल्यूसी, जिला बाल संरक्षण ईकाई समेत संबंधितों को प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर विभिन्न बिंदुओं पर निदेश दिये गये और उनका अनुपालन तय समय के अंदर किये जाने का निदेश दिया गया.

सोन नदी में बाढ़ से सैकड़ों एकड़ में लगी फसल जलमग्न

जानकारी देते किसान

संवाददाता। कांडी(गढ़वा)

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रविवार की देर शाम सोन नदी में आई बाढ़ की पानी से सोन तटीय इलाका की सैकड़ों एकड़ में लगाई गई धान, मक्का, अरहर तिल की फसल पूरी तरह जलमग्न हो गई. विदित हो कि रविवार को सोन नदी का जलस्तर काफी तीव्र गति से बढ़ रहा था, जिसको लेकर सोन तटीय इलाका सोनपुरा, बरवाडीह, सुंडीपुर, बनकट सहित अन्य गांव के लोग बाढ़ की भय से पूरी रात जागते रहे. सोन नदी की बढ़ते जल स्तर से सोन तटीय इलाके के लोग अपने-अपने पालतू जानवरों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर रखा. बाढ़ की पानी नारायणपुर गांव स्थित पुलिया से होकर बेलहत, चोका, सोनपुरा, बरवाडीह, बलियारी गांव के दोहर में किसानों द्वारा लगाए गए सैकड़ो एकड़ में लगे धान की फसल जलमग्न हो गया. जबकि दर्जनों की संख्या में मोटर व डीजल पंप पानी में डूब गए. किसानों द्वारा खून पसीना एवं कर्ज ऋण लेकर किसी तरह खेतों में फसल लगाये थे. परंतु प्राकृतिक आपदा के कहर ने किसानों की कमर तोड़ दी. अपने-अपने खेतों में फसलों को बर्बाद देख कर किसानों के बीच मायूसियां छाई हुई है.

प्रमंडलीय आयुक्त ने मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा

स्वच्छ एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची का निर्माण सभी की प्राथमिकता : आयुक्त

संवाददाता। गढ़वा

समीक्षा बैठक करते प्रमंडलीय आयुक्त व अन्य.

प्रमंडलीय आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक बाल किशुन मुंडा सोमवार को गढ़वा पहुंचे. उन्होंने समाहरणालय सभागार में जिले के 80-गढ़वा, 81-भवनाथपुर के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर द्वितीय मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम संबंधी कार्यों की समीक्षा की. उन्होंने पुनरीक्षण कार्यक्रम संबंधी गतिविधियों एवं अब तक किये गये कार्यों की प्रगति की समीक्षा की. साथ ही मतदाता सूची के अद्यतनीकरण, घर-घर सत्यापन, पुराने लेमिनेटेड, ब्लैक एंड ह्वाइट मतदाता पहचान पत्र के नवीनीकरण, मतदाता पहचान पत्रों के वितरण, मतदान केन्द्रों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित कराने आदि बिन्दुओं की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. उन्होंने पुनरीक्षण संबंधी कार्यों में गति लाने एवं इससे संबंधित लंबित कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया.मौके पर आयुक्त ने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्यों के निष्पादन में निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन का शत प्रतिशत अनुपालन आवश्यक है. उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने की अपील की. उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित नहीं रहे, स्वच्छ मतदाता सूची से ही मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी. उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में पंजीकृत होने से वंचित न रहे, इसके लिए सभी पदाधिकारी टीम भावना से कार्य करें.

सम्मान | अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

आदिवासियों के हक अधिकार के लिए करेंगे काम:सुखदेव भगत

- लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत को सम्मानित किया गया

संवाददाता। लोहरदगा

सांसद सुखदेव भगत को सम्मानित करते आदिवासी राष्ट्रीय समिति के लोग.

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद का राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में आयोजित किया गया. इस बैठक में लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत को आमंत्रित किया गया. इधर बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा सांसद सुखदेव भगत को बुके देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. मौके पर सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि पूरे देश के आदिवासियों को एक सूत्र में बांधने के लिए आदिवासियों के मसीहा स्वर्गीय कार्तिक उरांव ने अखिल भारतीय विकास परिषद का गठन किया था. उन्होंने कहा कि कार्तिक उरांव के विचारों को आत्मसात कर देश के आदिवासियों को एकसूत्र में बांधने का काम किया जाएगा. सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासियों के हित के लिए कृतसंकल्प है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि आदिवासी इस देश के पहले मालिक हैं और पहले मालिक होने के कारण उन्हें पूरा अधिकार मिलना चाहिए. आदिवासियों का सिर्फ जंगल जमीन का अधिकार नहीं बल्कि उन्हें हर लाभ मिलना चाहिए. सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार,रोजगार का अधिकार, धन का अधिकार यह सब आदिवासियों को मिलनी चाहिए. श्री भगत ने कहा कि पेसा कानून, वन अधिकार कानून, जमीन का अधिकार कानून यह सब कांग्रेस पार्टी की ही देन है. उन्होंने कहा कि आदिवासियों का मान सम्मान दिलाने उसकी प्राकृतिक आस्था, पूजा पद्धति और विशिष्ट रीति-रिवाज के संरक्षण करने हेतु उनकी लड़ाई जारी रहेगा. सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि आदिवासियों के समुचित हक अधिकार को दिलाने हेतु अपने कार्यालय में संसद पर आवाज बुलंद करता रहूंगा. उन्होंने कहा कि आदिवासियों की एकजुटता और उनका हर अधिकारों पर शत-प्रतिशत हक मिले यह सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जाएगा. बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमजी भाई दामोर, झारखंड प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष गीताश्री उरांव सहित पूरे देश से कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे.

लोहरदगा जिला समिति की बैठक हरमू स्थित सैनिक कैंटीन में संपन्न हुआ

लोहरदगा सीट पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी जेबीकेएसएस : दीपक महतो

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा में जेबीकेएसएस का चुनावी रणनीति बैठक संपन्न.

जिले के सदर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हरमू स्थित सैनिक कैंटीन में झारखंडी लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति लोहरदगा जिला समिति की चुनावी रणनीति बैठक जिलाध्यक्ष सुभाष भगत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ. इस बीच आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति बैठक में बतौर मुख्य अतिथि जेबीकेएसएस के केंद्रीय महासचिव दक्षिणी छोटानागपुर के प्रभारी दीपक महतो और विशिष्ट अतिथि के तौर पर दक्षिणी छोटानागपुर के महामंत्री पंचम एक्का मुख्य रूप से उपस्थित हुए. इधर चुनावी बैठक में उपस्थित हुए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दीपक महतो ने कहा कि लोहरदगा समेत पूरे झारखंड प्रदेश में जेबीकेएसएस पूरी मजबूती के साथ विधानसभा चुनाव लड़ेगी. उन्होंने कहा कि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो का सिर्फ एक ही विचारधारा और सोच है कि झारखंडवासियों को उन्हें उनका शत-प्रतिशत हक अधिकार मिले.

बच्चों की सुरक्षा भगवान भरोसे, कई सेंटर ऐसे इलाकों में जहां जान जोखिम में डालकर पार करनी पड़ती है सड़क

हजारीबाग में नियमों को ताक पर रखकर चल रहे कोचिंग संस्थान

प्रमोद उपाध्याय/उमेश चौबे। हज़ारीबाग़

ज़िले में नियमों को ताक पर रखकर 500 से भी ज़्यादा कोचिंग सेंटर चल रहे हैं. यहां बच्चों की सुरक्षा भगवान भरोसे है. शहर के कई ऐसे इलाकों में कोचिंग हब बन गए हैं, जहां बच्चों को जान जोखिम में डालकर सड़क पार करनी पड़ती है. ज़िले में शिक्षा के नाम पर बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ हो रहा है. पूरे ज़िले में ख़ास तौर पर शहर में बिना नियम-क़ानूनों के 200 से भी ज़्यादा कोचिंग सेंटर चल रहे हैं. शिक्षा विभाग के पास कितने कोचिंग सेंटर रजिस्टर्ड हैं, इसका भी डिटेल नहीं है. इन कोचिंग सेंटरों में बच्चों की सुरक्षा के लिए न फ़ायर सेफ़्टी के इंतज़ाम हैं और न ही प्राथमिक उपचार की. यहां तक कि कई जगहों पर तो बच्चों के बैठने तक की सही व्यवस्था नहीं है.

कोर्रा में तो 100 से ऊपर है कोचिंग सेंटर : शहर के कई इलाके जैसे कोर्रा, झिंझरिया पूल, बाबू गांव, मटवारी रोड, कृष्णापूरी मोहल्ला कोचिंग सेंटरों के हब बन गए हैं. अकेले इन इलाकों में ही 70 से 80 कोचिंग सेंटर चल रहे हैं.

इनमें से कोर्रा, जबरा रोड में तो 40-50 कोचिंग सेंटर हैं जहां पढ़ने वाले बच्चों को अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क पार करनी पड़ती है. सबसे बड़ी समस्या यह है कि प्रशासन ने सुबह 8 बजे तक नो एंट्री लागू नहीं की है, जबकि ज़्यादातर कोचिंग सेंटर सुबह 5 बजे से ही शुरू हो जाते हैं. ऐसे में बच्चों को भारी ट्रैफ़िक में सड़क पार करनी पड़ती है जो उनके लिए बहुत ख़तरनाक है.

खास बातें

- वसूल रहे हैं मोटी फीस, सहूलियत जीरो
- कई संस्थान बिना निबंधन के उड़ा रहे मौज

सभी कोचिंग सेंटरों का जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन करवाया जाए

इन इलाकों में संचालित कई कोचिंग सेंटर निबंधित भी नहीं है. समाजसेवी रामचंद्र राम ने ज़िला प्रशासन से मांग की है कि सभी कोचिंग सेंटरों का जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन करवाया जाए ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके. उन्होंने दिल्ली की घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि हज़ारीबाग़ में भी ऐसी घटना न हो, इसके लिए ज़रूरी है कि सभी कोचिंग सेंटरों को नियमों का पालन करना अनिवार्य हो. श्री राम ने यह भी मांग की है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए फुट ओवर ब्रिज भी बनाए जाएं. कोचिंग सेंटरों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाए.

कुछ दिन पहले की गयी थी जांच

दिल्ली वाली घटना घटने के बाद उपायुक्त नैंसी सहाय ने भी यहा के कोचिंग संस्थानों में जांच के लिए एक टीम का गठन किया था. टीम ने संस्थानों की जांच कर अपनी रिपोर्ट उपायुक्त को सौंप दी है. चूंकि यह मामला बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है इसलिए देखना होगा कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है.

अनुमंडल अधिकारी के पास रिकॉर्ड नहीं

इधर जब इस मामले पर अनुमंडल पदाधिकारी से बात की गयी तो उन्होंने बताया कि उनके पास फ़िलहाल कोचिंग सेंटरों का कोई रेकॉर्ड नहीं है. उन्होंने कहा कि ज़िले में चल रहे सभी कोचिंग सेंटरों की जानकारी ली जाएगी और और कोचिंग संस्थानों की जांच करवाई जाएगी.

विभावि में स्वतंत्रता दिवस को लेकर हुई उच्च स्तरीय बैठक

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में बैठक करते अधिकारी.

संवाददाता। हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई. इसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति सुमन कैथरीन किसपोट्टा ने की. बैठक का संचालन छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) मिथिलेश सिंह ने किया.कार्यक्रम के आयोजन के लिए कई उप समितियां गठित की गई हैं. समूह गान प्रतियोगिता के लिए स्नातकोत्तर विभागों के दल का चयन 10 अगस्त को अपराह्न 12:30 से किया जाएगा. 13 अगस्त को सभी उप समितियों के संयोजकों की बैठक कुलपति सभा कक्ष में अपराह्न 3:00 बजे से करने का प्रस्ताव लिया गया.

ब्रीफ खबरें

गरीबों की मदद, आजसू का उद्देश्य : धनेश्वर

रामगढ़। झारखंड के पूर्व मंत्री सह गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी के निर्देशानुसार बारलोंग पंचायत के बुधबाजार निवासी स्व जितनी देवी के श्राद्धकर्म में आजसू द्वारा खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया गया. इस दौरान मुख्य रूप से मौजूद रामगढ़ पार्षद धनेश्वर महतो व मुखिया किशुन राम मुंडा द्वारा मृतक के परिजन किशुन महतो को आटा, तेल,चुड़ा, दाल, आलू का सहयोग किया. मौके पर उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी का उद्देश्य ही हमेशा गरीबों की मदद करना रहा है, क्योंकि आजसू लोगों सुख दुख में साथ खड़ी रहती है ताकि ग्रामीण को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो.मौके पर बारलोंग पंचायत के मुखिया रेखा देवी, किशोर साव सहित कई मौजूद थे.

योजना के फोटोकॉपी फॉर्म भी होंगे मान्य

केरेडारी। प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार ने प्रखंड वासियों से अपील की है कि प्रायः यह भी देखा जा रहा है कि आवेदिकाओं द्वारा आवेदन पत्र भरने में कठिनाई हो रही है. वे फार्म के लिए इधर-उधर भटकती हैं. ऐसे में डाउनलोड और जेरॉक्स फार्म भी जमा किया जाएगा. इसको ध्यान में रखते हुए सभी शिविर स्थलों पर एक हेल्प डेक्स बनाया जाय, जिसपर आंगनबाड़ी सेविका/पंचायत जन प्रतिनिधि/स्वयं सहायता समूह की महिलाएं/सिविल सोसाइटी के सदस्यों को आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करने के लिए लगाया जाय.

सड़क पर 5 से 10 फीट की ऊंचाई में लटके हैं 11000 वोल्ट के नंगे तार

बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हो सकता है हादसा

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

आबादी वाले क्षेत्र में सड़क के किनारे से गुजर रहे 11000 वोल्ट के तार दुर्घटनाओं को दे रहे आमंत्रण.

जिले में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण कभी बड़ा हादसा हो सकता है. कहीं बिजली का पोल टेढ़ा-मेढ़ा है, तो कहीं आबादी वाले क्षेत्र में सड़क के किनारे से गुजर रहे 11000 वोल्ट के तार बीच सड़क पर 10 फीट की ऊंचाई में लटक रहे हैं. इचाक प्रखंड के कवातू गांव से बिना कवर 11000 वोल्ट के बिजली तार बीच सड़क होते हुए नारायणपुर डोंगरी ले जाए गए हैं, जबकि इसी रोड पर हाई स्कूल और एक निजी स्कूल है. इसके अलावा सड़क के किनारे कई मकान भी बने हुए हैं. सबसे खतरे की बात यह है कि 11000 वोल्ट के तीनों फेज के तार मुख्य सड़क से 10 फीट की ऊंचाई पर लटक रहे हैं. ऐसे में अगर कोई बड़ा हादसा होता है तो जिम्मेदार कौन होगा? हालांकि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण पूर्व में कई लोगों की जानें जा चुकी हैं. कभी बिजली के खंभे में करंट आने से तो कभी बिजली के तार गिरने से जानमाल को नुकसान होता रहता है. कुछ दिन पूर्व में शहर के मंगा बगीचे में बारिश के बाद बिजली के खंभे में करंट आने से एक पशु की मौत हो गई थी. इसी तरह चौपारण में भी एक पशु की जान चली गई थी. वहीं कुछ साल पहले कटकमसांडी प्रखंड के पबरा में 11000 वाल्ट के तार टूट कर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी. इस तरह की कई और भी घटनाएं हो चुकी है. बावजूद इसके बिजली विभाग अपनी कार्यशैली और रवैये में सुधार करने को तैयार नहीं दिख रहा है. जानकारी के अनुसार, इचाक प्रखंड के निचतपुर, तिलरा, कवातू, पपबरा, के अलावे कई जगहों पर 11000 वोल्ट के तार लटक रहे हैं.

खास बातें

- ऐसे में कोई बड़ा हादसा होता है तो जिम्मेदार कौन होगा?
- पूर्व में कई लोगों की जानें जा चुकी हैं बिजली करंट से

क्या कहते हैं लोग

इस संबंध में भरत राणा, गोवर्धन राणा, छोटन मेहता, शिबू मेहता ने बताया कि घर के नजदीक से बिना कवर वाले 11000 वोल्ट के तार सड़क से 10 फीट की ऊंचाई से गुजर रहे हैं. कहीं-कहीं तो ये महज पांच फीट की ऊंचाई पर लटक रहे हैं. यहां तक कि कई जगहों पर तार जर्जर हो चुके हैं, कभी भी टूटकर गिर चुके हैं. इनका यह भी कहना है कि जिस रोड से 11000 वोल्ट के तार गुजरे हैं उस पर दो बड़े-बड़े स्कूल भी हैं. ऐसे में सड़क पर हमेशा लोगों का आना-जाना होता है. कभी-कभी बड़े वाहन भी गुजरते हैं, जिस पर पशु का आहार लोड होता है. चालक की जरा सी लापरवाही से बड़ी घटना हो सकती है. ऐसे में बिजली विभाग को इस खतरे को गंभीरता से लेना चाहिए और जर्जर बिजली के खंभों और 11000 वोल्टेज की तार को समय-समय पर मरम्मत करवाना चाहिए. ग्रामीणों ने यह भी कहा कि सड़क के किनारे 11000 वोल्ट के तार झुके हुए हैं. इसकी शिकायत विभाग को फोन के माध्यम से की गई है, लेकिन बिजली विभाग इस मामले में कोई गंभीरता नहीं दिख रहा है. इस संबंध में बिजली विभाग के स्कूटी इंजीनियर और एसडीओ के मोबाइल पर फोन लगाया गया, लेकिन संपर्क स्थापित नहीं हो पाया.

3 करोड़ 55 लाख का संशोधित डीपीआर जिप के पास भेजा गया

तालाब को भरकर बनेगा स्टेडियम

संवाददाता। हजारीबाग

इसी तालाब को भरकर स्टेडियम बनाया जाएगा. इनसेट- उद्घाटित शिलापट्ट.

एक ओर जहां पर्यावरण संरक्षण को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं, एक पेड़ मां के नाम पौधे लगाए जा रहे हैं, जल स्रोतों को संरक्षित करने के लिए अरबों खर्च किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिले के बरही में जिला परिषद तालाब को भरकर स्टेडियम बनाने की तैयारी चल रही है, जिसका 3 करोड़ 55 लाख रुपये का डीपीआर भी तैयार है. तालाब भरकर स्टेडियम का निर्माण बरही के पंच माधव में किया जाना है, जिसके लिए चिह्नित स्थान पर बाकायदा शिलापट्ट का उद्घाटन भी किया जा चुका है. हालांकि प्रारंभ में उक्त स्टेडियम निर्माण को लेकर जेल के समीप जमीन तलाशी गई थी, लेकिन अंत में बरही के पांच माधव क्षेत्र में इसके निर्माण की योजना बनी. यहां भी प्रारंभ में स्टेडियम बनाने के लिए तीन करोड़ 15 लाख रुपये का प्राक्कलन तैयार कर जिला परिषद की ओर से स्वीकृति प्राप्त कर ली गई, लेकिन जब अभियंता की टीम स्थल पर गई तो उन्हें तालाब मिला. आश्चर्य है कि गर्मी के दिनों में भी पानी से भरे रहने वाले इस तालाब को बचाने को लेकर अभियंताओं ने कोई उपाय नहीं किया, बल्कि इसको भरने के लिए प्राक्कलन में 40 लाख रुपये और जोड़ दिए गए. इसके बाद 3 करोड़ 55 लाख रुपये का संशोधित डीपीआर जिला परिषद के पास स्वीकृति के लिए भेज दिया गया है.

क्या कहती हैं जिप सदस्य

हालांकि दबी जुबान से इस योजना का विरोध भी हो रहा है. जिप सदस्य मंजू देवी ने बताया कि इस बाबत उपायुक्त सहित अन्य जिम्मेदारों को पत्र लिखा गया है. उनका कहना है कि छोटा सा तालाब है, जो गर्मी के दिनों में सूख जाता है. युवकों के भविष्य को देखकर स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है. अगर फिर भी किसी को आपति है तो पुनः स्थल की जांच कर अवगत कराऊंगी.

सावन माह के अवसर पर मनाया गया हरित दिवस

संवाददाता। रामगढ़

स्कूल में हुए कार्यक्रम में बच्चे हरे रंग के विभिन्न परिधानों में शामिल हुए.

रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के शिशु वाटिका खंड में नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा शुभ सावन माह के अवसर पर हरित दिवस (ग्रीन डे) बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया. छोटे-छोटे बच्चे हरे रंग के विभिन्न पेड़-पौधे, सब्जियां आदि के परिधानों में सजकर धरती को हरा-भरा करने का संदेश दिया. इस मौके पर प्राचार्य उमेश प्रसाद ने कहा कि हरियाली धरती मां का श्रृंगार एवं सुख-समृद्धि का प्रतीक है. यह सबके मन को लुभाती है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में पेड़-पौधे, हरा-भरा स्वच्छ पर्यावरण एवं प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन की जानकारी देना है. शिशु वाटिका प्रमुख अमृता चौधरी ने कहा कि बच्चे बड़े उत्साह से इस कार्यक्रम में रुचि दिखाते हुए हरे पेड़-पौधे की जानकारी प्राप्त की. इसमें उनके अभिभावकों का भी प्रमुख योगदान है. कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्या गायत्री कुमारी, पूनम सिंह, ललिता गिरी की प्रमुख भूमिका रही. मौके पर विद्यालय के तमाम शिक्षकों के अलावे बच्चे मौजूद थे.

'लिफ्ट इरिगेशन के स्थलीय निरीक्षण का हो चुका निर्देश'

संवाददाता। चौपारण

उमाशंकर अकेला, बरही विधायक

बीते दिनों मानगढ़ पंचायत के लेढिया नदी पर लिफ्ट इरिगेशन को लेकर क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड सरकार के सिंचाई मंत्री को पत्र लिखा था, जिस पर बरही विधायक के मीडिया प्रभारी मनोज कुमार यादव ने कटाक्ष करते हुए कहा कि सांसद की यह अच्छी पहल है, लेकिन बता दें कि उक्त प्रस्ताव को बरही विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला के प्रयास से पूर्व में ही विभागीय स्वीकृति मिल चुकी है. उन्होंने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के कार्यालय द्वारा चौपारण के ग्राम पंचायत छतरपुरा, चयकला, बेला, लोहंडी, मानगढ़, कोयली एवं ठूठी के कृषकों को सिंचाई सुविधा हेतु लिफ्ट एरिगेशन हेतु आवश्यक कार्रवाई के लिए 30 जून को ही जल संसाधन विभाग को पत्राचार किया गया है, जिस पर मुख्यमंत्री के अवर सचिव ने सचिव जल संसाधन विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया था. इसके बाद मुख्य अभियंता ने जल संसाधन विभाग रांची के लघु सिंचाई विभाग को पत्र लिख कर प्राप्त अभ्यावेदन के कार्यान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश जारी गया है और स्थलीय निरीक्षणोपरांत प्रस्ताव उपलब्ध करवाने को कहा गया है. ऐसे में अन्य लोगों के द्वारा लोगों को दिग्भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है. विधायक के विकास कार्यों का आलम यह है कि अब अन्य लोग भी उनको करवाने का श्रेय लेने का मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं.

पारंपरिक भक्ति गीतों से पूरे आसपास के क्षेत्रों में भक्तिमय माहौल बन गया

सोमवारी को जोरदाग में निकली कलश यात्रा

संवाददाता। जोरदाग

पवित्र श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर जोरदाग तालाब से कलश यात्रा की शुरुआत हुई.

पवित्र श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर केरेडारी प्रखंड स्थित जोरदाग तालाब से भव्य जल कलश यात्रा निकाली गई. यात्रा की शुरुआत जोरदाग तालाब से जल लेकर हुई. कलश यात्री श्रद्धा एवं भक्तिभाव व गाजे-बाजे के साथ अपने हाथों में कलश लेकर गांव का भ्रमण किया. कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने जमकर हर हर महादेव एवं बोल बम का नारा सहित भगवत जयकारा लगाया. पारंपरिक भक्ति गीतों से पूरे आसपास के क्षेत्रों में भक्तिमय माहौल बन गया. जोरदार बड़ा तालाब से जल लेकर मुंडा टोली होते हुए जोरदार शिव मंदिर स्थित शिवालय में जलाभिषेक कर जल कलश यात्रा का समापन हुआ. इसके उपरांत कलश यात्रियों ने शिवमंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर शिवालय के समक्ष माथा टेका एवं अखंड सौभाग्यवती व मनोवांछित फल प्राप्ति के साथ अपने परिवार की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की. इस दौरान प्रमुख सुनीता देवी ने कहा कि पवित्र श्रावण मास में जल कलश यात्रा का होना अच्छी पहल है. मौके पर उपस्थित केरेडारी प्रमुख सुनीता देवी समाजसेवी प्रेम रंजन पासवान, उदय लाल गुप्ता, श्यामदेव साव, जागेश्वर साव, रामकुमार साव, कन्हैया माली, बलदेव शाह, संजय साव, किशोर साव, तपेश्वर कुमार, अमित कुमार, ज्ञान आदि मौजूद थे.

तीसरी सोमवारी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रामगढ़। पवित्र माह सावन के तीसरी सोमवारी पर चितरपुर प्रखंड सहित आसपास के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गयी. श्रद्धालु अहले सुबह से ही क्षेत्र के विभिन्न शिवालय में श्रद्धालु पहुंचकर भोलेनाथ को जलाभिषेक किया. इस दौरान पूरा क्षेत्र ॐ नमः शिवाय, बोल बम, जय भोलेनाथ आदि जयघोष से गुंजयमान हो उठा. चितरपुर, बड़कीपोना, लारीकला, मारंगमरचा के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गयी. इधर, रजरप्पा स्थित छिन्नमस्तिके मंदिर में अवस्थित 20 फिट का शिवलिंग में भी जलाभिषेक करने के लिए भीड़ उमड़ी देखी गयी.

अनुसचिवीय कर्मियों की मांगें पूरी करे सरकार : डॉ. मेहता

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड अनुसचिवीय समाहरणालय कर्मचारी संघ बीती 22 जुलाई से जिला समाहरणालय के सामने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है. कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता ने कलेक्ट्रेट के सामने धरना स्थल जाकर 9 सूत्री मांगों का समर्थन किया. कहा कि सरकार इनकी मांगों को अविलंब पूरा करें, क्योंकि मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों के धरना पर जाने के कारण अनेकों विकास के कार्य रुके हुए हैं. समाहरणालय कर्मचारियों के नहीं रहने से जनता का काम नहीं हो रहा है. मेहता ने कहा कि बेसिक वेतन 1900 रुपये से बढ़ाकर 2400 रुपये करना कोई बड़ी मांग नहीं है. योग्यता अनुसार पदोन्नति करना, पदोन्नति का काल 8 वर्ष से घटाकर 4 वर्ष करना, निम्न लिपिक के स्थान पर समाहरणालय सहायक, कार्यालय अधीक्षक के स्थान पर प्रशासनीय अधिकारी इत्यादि उचित मांगें हैं. वहीं कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष गोपाल पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री को इस संबंध में ज्ञापन दिया जा चुका है. कुछ मंत्रियों व विधायकों ने भी मांग का समर्थन किया है. संघ के सचिव एसके अमबसठा ने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं की जाएगी, हम हड़ताल पर ही रहेंगे.

अनुसचिवीय समाहरणालय कर्मचारी संघ के धरने में बैठे डॉ. आरसी मेहता.

निर्देश एनटीपीसी के अधिकारियों व एमडीओ के साथ बैठक में उपायुक्त ने दिया निर्देश

रैयतों को नौकरियां मिलें इसका ख्याल रखें एमडीओ

संवाददाता। हजारीबाग

बैठक के दौरान उपायुक्त नैंसी सहाय व एनटीपीसी के अधिकारी.

बड़कागांव व केरेडारी प्रखंड में एनटीपीसी द्वारा संचालित विभिन्न कोल परियोजनाओं के सुगम संचालन एवं स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं के निस्तारण हेतु सोमवार को उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में एनटीपीसी के सभी प्रोजेक्ट्स के अधिकारियों व एमडीओ के साथ बैठक की गई. इस दौरान समस्याओं और समाधान पर चर्चा की गई. चट्टी बरियातू, केरेडारी, पकरी बरवाडीह, बादाम कोल परियोजनाओं के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त के समक्ष स्थानीय समस्याओं को रखा. बैठक में विभिन्न परियोजनाओं के प्रतिनिधियों ने जमीन अधिग्रहण, खनन प्रभावित क्षेत्रों में संचालित विद्यालयों के स्थानांतरण के संबंध में, अधिग्रहित जमीन पर पुनः स्थानीय लोगों द्वारा घर निर्माण पर रोक लगाने के संबंध में, कंपनियों के एमडीओ द्वारा स्थानीय लोगों को नौकरी देने के संबंध में, खनन प्रभावित क्षेत्रों के पंचायत भवन के स्थानांतरण के संबंध में, एनटीपीसी द्वारा अधिग्रहित जमीन का म्यूटेशन कराने के संबंध में, फॉरेस्ट विभाग द्वारा एनओसी निर्गत करने के संबंधी विषयों पर उपायुक्त के समक्ष चर्चा की गई. उपायुक्त ने सभी मामलों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए. उन्होंने कहा एनटीपीसी खनन परियोजना केंद्र द्वारा संचालित महत्वपूर्ण परियोजना है इसलिए इन परियोजनाओं के संचालन में आने वाली समस्याओं को दूर किया जाना आवश्यक है. उपायुक्त ने यह भी कहा कि रैयतों को नौकरियां मिले इस बात का संबंधित एमडीओ विशेष ख्याल रखें. साथ ही नौकरियों में पारदर्शिता बनी रहे यह भी सुनिश्चित करें. स्थानीय ग्रामीणों की बातों को सुनें तथा मुलाकात भी करें. सयोगात्मक व्यवहार से ही कार्य को सुचारु रूप से संचालित किया जा सकता है. उन्होंने संबंधित अंचलाधिकारिओं को एनटीपीसी द्वारा अधिग्रहित जमीन का जल्द से जल्द म्यूटेशन करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि अधिकारी फाइल वर्क और पेपर वर्क को लंबित न रखें. साथ ही उन्होंने वैसे लोगों पर कार्रवाई करने को भी कहा जो जानबूझ कर अधिग्रहित जमीन पर ज्यादा मुआवजा के लोभ में अवैध रूप से घरों का निर्माण कार्य कर रहे हैं. . बैठक में पुलिस अधिक्षक अरविंद कुमार सिंह, अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, एसडीओ शैलेश कुमार, प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे, भू अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार, सीओ/बीडीओ एवं कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपास्थित थे.

डीएवी स्कूल बरकाकाना में छात्र प्रतिनिधियों को किया सम्मानित

संवाददाता। रामगढ़

डीएवी स्कूल बरकाकाना में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व अन्य.

डीएवी बरकाकाना में लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत हुए छात्र परिषद के चुनाव के पश्चात चुने गए छात्र प्रतिनिधियों को अलंकरण समारोह में सम्मानित किया गया. बतौर मुख्य अतिथि एसबीआई बरकाकाना की प्रबंधक सरिता सिन्हा को हरित पौध प्रदान कर पूरे विश्व में हरियाली फैलाने का संदेश दिया गया. इस विशेष अवसर पर नव निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए. मंच का संचालन श्वेता यादव ने किया. पिछले सत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए पूर्व छात्र परिषद के सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए. पूर्व छात्र परिषद के सदस्यों ने नए चुने गए छात्र परिषद के सदस्यों को दायित्व प्रदान किया. प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा मजिद ने छात्र परिषद के औचित्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत उसके गठन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है. हमारे देश के नौनिहालों के कंधों पर इस व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने का दायित्व है. तरुण और युवा शक्ति किसी परिचय की मोहताज नहीं है, आवश्यकता बस इस बात की है कि सही मायने में उनका मार्ग प्रशस्त किया जाए.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष संतान भाव मे शुक्र, चंद्रमा और बुध का योग है। गलत दोस्तों से बचें. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा.

वृषभ बैभव सुख में वृद्धि होगी. साथ ही कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा. आय होगी.

मिथुन पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. किसी प्रबुद्ध से मुलाकात होगा. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क कोई बड़ा कार्य होने से मन प्रसन्न होगा. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. कार्य के प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह समय बहुत ही उत्तम है. शारीरिक और मानसिक शांति मिलेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है.

कन्या नेत्र विकार से बचना चाहिए. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला आय के लिए दिन उत्तम है. नए कार्य को लेकर लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें. इतर का दान करें.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

धनु किसी महिला मित्र से विवाद हो सकता है. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर बेकार के बहस से बचना चाहिए. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ उदर विकार हो सकता है. ब्यापार में लाभ का योग है. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. नए कार्य का लाभ होगा.

मीन पड़ोसियों से बिना वजह उलझे नहीं. मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. पीली वस्तु का दान करें.

अब मेदिनीनगर के नाम से जाना जाएगा डालटनगंज रेलवे स्टेशन

जैनेंद्र कुमार। मेदिनीनगर

अब डाल्टेनगंज रेलवे स्टेशन का नाम भी बदलने वाला है. इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सहमति दे दी है. अब आगे की प्रक्रिया केंद्रीय गृह मंत्रालय पूरी करेगा. इसी के साथ पलामूवासियों की लंबे समय से डालटनगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग पूरी हो जाएगी. इसे लेकर पलामू सांसद विष्णु दयाल भी मुखर रहे थे. उन्होंने भी इस मामले को कई स्तर पर उठाया था. जानकारी के अनुसार 2021 में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय नहीं इस मामले को लेकर पलामू जिला प्रशासन से पत्राचार किया था.

डाल्टेनगंज 2001 में बना था मेदिनीनगर : डाल्टेनगंज शहर का नाम परिवर्तन को लेकर लंबे समय से आंदोलन चल रहा था. स्थानीय लोग चाहते थे कि इस शहर का नाम चेरो राजा मेदिनी राय के नाम पर हो. इसे लेकर दो दशक से अधिक समय तक लोगों और सरकार के बीच बातचीत चलती रही. अंततः झारखंड राज्य गठन के बाद साल 2001 में डाल्टेनगंज का नाम बदल कर मेदिनीनगर किया गया.

अधिवक्ता की गिरफ्तारी के विरोध में न्यायिक कार्य से रहे अधिवक्ता

लातेहार। व्यवहार न्यायालय में प्रैक्टिसरत अधिवक्ता संजय कुमार गुप्ता की अजा जनजाति थाना प्रभारी के द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर जिला अधिवक्ता संघ की आपात बैठक बुलाई गई. बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष राजमणि प्रसाद ने किया. बैठक में प्रशासनिक सचिव लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने गिरफ्तारी के मामला को रखते हुए बताया कि अधिवक्ता की गिरफ्तारी रात में किसी भी परिस्थिति में क्षम्य नहीं है. शाहदेव ने दोषी पुलिसकर्मियों के प्रति रोष व्यक्त करते हुए अधिवक्ताओं को न्यायिक कार्ड से अलग रहने की बात कही. जिसे उपस्थित अधिवक्ताओं ने समर्थन किया. संघ द्वारा प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह को एक ज्ञापन सौंप. बैठक में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजमणि प्रसाद, वृंद कुमार, जयप्रकाश नाथ शाहदेव, अरुण द्विवेदी, शमशुल कमर खान, संजय कुमार,अनिल ठाकुर, सुनील कुमार, नवीन कुमार गुप्ता, गणेश प्रसाद, अब्दुल सलाम, राजीव रंजन पांडेय, प्रदीप उपाध्याय, विवेक कुमार आदि ने अपने-अपने बातों को रखा.

बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप का होगा प्रकाशन

सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स करेगी अंग्रेजी भाषा में लिखी गई पुस्तक प्रकाशित

संवाददाता । जमशेदपुर

सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज टाटा ग्रुप की उपलब्धियों का बखान करती एक कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन करने जा रही है. इस पुस्तक का संपादन लेखक संदीप मुरारका ने किया है. खूबसूरत आवरण एवं लगभग 170 रंगीन पृष्ठों से सुसज्जित यह पुस्तक राष्ट्र निर्माण में टाटा ग्रुप के योगदान को बयां करेगी.

पुस्तक के प्रथम पृष्ठों में महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी बाजपेयी, देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टाटा घराने की यादगार तस्वीरों को संकलित किया गया है. टाटा ग्रुप प्रबंधन एवं टाटा से जुड़े अन्य सहयोगियों की विशिष्ट उपलब्धियों को भारत सरकार ने समय-समय पर देश के सर्वोच्च पुरस्कारों से नवाजा है. देश में पद्म पुरस्कार प्रदान करने की परंपरा वर्ष 1954 में प्रारंभ की गई थी. तब से वर्ष 2024 तक कुल 53 भारत रत्न, 336 पद्म विभूषण, 1320 पद्म भूषण एवं 3531 पद्मश्री प्रदान किये जा चुके हैं. इस कॉफी टेबल बुक में टाटा ग्रुप से संबंधित नामों को चिन्हित कर अलग संकलित करने का प्रयास किया गया है, ताकि प्रबंधन के छात्र-छात्राएं इनकी सफलता की कहानियों को पढ़कर प्रेरणा प्राप्त कर सकें. संपादक संदीप मुरारका ने बताया कि उद्योग एवं व्यवसाय के क्षेत्र में आज तक मात्र एक भारत रत्न प्रदान किया गया है और यह सम्मान टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन जेआरडी टाटा को प्राप्त हुआ है. साथ ही टाटा ग्रुप द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान और उच्च शिक्षा के लिये स्थापित अग्रगण्य शिक्षण संस्थान 'भारतीय विज्ञान संस्थान' के दो पूर्व निदेशकों प्रो. सीएन रामचंद्र राव और डॉ. सीवी रमन को भी भारत रत्न से अलंकृत किया जा चुका है.

व्यवसाय से परे टाटा समूह का प्रभाव : अंग्रेजी भाषा में लिखी गई पुस्तक 'बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप' में टाटा प्रबंधन, टाटा द्वारा स्थापित संस्थानों में कार्यरत चिकित्सक, वैज्ञानिक, इंजीनियरों की फेहरिस्त है. इनमें तीन भारत रत्न, 17 पद्म विभूषण, 62 पद्म भूषण, 51 पद्मश्री विभूषित व्यक्तित्व शामिल हैं. साथ ही टाटा घराने की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों को पांच मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, नौ द्रोणाचार्य पुरस्कार, 79 अर्जुना अवार्ड, पांच तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार, पांच राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं.

13 माउंट एवरेस्ट विजेताओं का है जिक्र : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका कहते हैं कि टाटा ग्रुप ने ना केवल कारखाने स्थापित किये, बल्कि कई ऐसी संस्थाओं का गठन किया, जिनके कीर्तिमानों से पूरे विश्व में देश का गौरव बढ़ा है. ऐसा ही एक संस्थान है -'टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन', जहां प्रशिक्षित तेरह पर्वतारोहियों ने माउंट एवरेस्ट के साथ साथ विश्व के उच्चतम शिखरों पर भी तिरंगा लहराया है. इन सबका परिचय इस कॉफी टेबल बुक में शामिल किया गया है.

कुल आठ अध्याय हैं इस पुस्तक में : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पीआरडब्ल्यू विंग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप के विषय में उपाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल गोल्डी बताते हैं कि टाटा ग्रुप द्वारा अर्जित पुरस्कारों के अलावा नौ ऐसे व्यक्तित्वों का परिचय भी इस पुस्तक में शामिल किया गया है. जो पद्म पुरस्कारों से अलंकृत किए गए और उनकी जड़ें भी कभी ना कभी टाटा की माटी से जुड़ी रहीं हैं. ऐसे लोगों में मिल्क मैन ऑफ इंडिया के नाम से विख्यात वर्गीस कुरियन, विख्यात लेखिका, प्रेरक वक्ता एवं मनोनीत राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, देश के प्रमुख उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन एवं देश में औद्योगिक और शैक्षणिक संबंधों की मजबूती के पैरोकार प्रो. अशोक झुनझुनवाला का नाम उल्लेखनीय है. होटल ताज की घरेलू मैगजीन 'ताज' की संपादक फातिमा जकारिया को भी पद्मश्री से विभूषित किया जा चुका है.

टाटा पर जारी हुए कई सिक्के, डाक टिकट और स्पेशल कवर : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पीआरडब्ल्यू सचिव लिपु शर्मा ने बताया कि पोस्टल विभाग द्वारा समय समय पर टाटा के योगदान पर कई सिक्के, डाक टिकट और स्पेशल कवर जारी किए जा चुके हैं. इस पुस्तक में उस पूरी यात्रा का विस्तृत व सचित्र विवरण है. इस अध्याय को जमशेदपुर कॉयन कलेक्टर्स क्लब के प्रेम पीयूष कुमार और प्रीतम बासु ने संकलित किया है.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना-लगातार सर्वर डाउन, बढ़ा आक्रोश

पहले दिन तीन लोगों की हुई इंट्री

- अधिकांश महिलाएं शिविर में फॉर्म जमा करके बगैर पावती रसीद लिए ही वापस लौट गई
- अधिकांश शिविर में इक्के दुक्के महिलाओं का फॉर्म ही पोर्टल में सबमिट हुआ

संवाददाता । पलामू

प्रज्ञा केंद्रों पर लगी महिलाओं की लंबी कतार.

जिले भर के प्रखंड की पंचायत व शहरी क्षेत्र के वार्डों में लगातार सर्वर डाउन रहने के कारण मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शिविर से महिलाओं का लौटने का सिलसिला जारी है. बड़ी मुश्किल से महिलाएं बच्चे लेकर दिनभर कैंपों में खड़ी रही, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी, जिससे महिलाओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है. बताते चलें कि विभिन्न पंचायत और वार्डों में सोमवार को तीसरे दिन भी कैंप लगा. शिविरों में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची, लेकिन सर्वर की समस्या जस की तरह बरकरार रही. अधिकांश शिविर में इक्के दुक्के महिलाओं का फॉर्म ही पोर्टल में सबमिट हुआ और ऑनलाइन एंट्री के बाद पार्टी रसीद प्राप्त कर सकीं. अधिकांश महिलाएं शिविर में फॉर्म जमा करके बगैर पावती रसीद लिए ही वापस लौट गई. मेदिनीनगर शहर के टीचर ट्रेनिंग स्कूल में 25, 26, 27, 28 वार्ड के लिए तीसरे दिन कैंप लगाया गया. पहले दिन मात्र तीन लोगों की इंट्री हुई, उसके बाद से लगातार सर्वर डाउन चल रहा है. तीसरे भी समस्या बरकरार रही. यहां मात्र एक कंप्यूटर ऑपरेटर था.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कैंप से लगातार गड़बड़ी सामने आ रही है. सर्वर डाउन रहने की समस्या आम है. इस बीच सोमवार को तरहसी पंचायत भवन में आयोजित कैंप से 9 प्रज्ञा केन्द्रों में से 8 संचालक गायब मिले. मामले की जानकारी मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी वरुण कुमार कार्रवाई में जुट गए हैं. उन्होंने इसे बड़ी चूक बताया है. बतातें चलें कि झारखंड सरकार ने 21 वर्ष से लेकर 50 वर्ष की महिलाओं को 1 हजार रूपए प्रतिमाह देने के लिए मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत की है. इसके तहत प्रखंड की पंचायत में कैंप लगाए जा रहे हैं और इसके माध्यम से सभी के आवेदन ऑनलाइन किए जा रहे हैं.

बीडीओ ने बताया कि तरहसी पंचायत भवन में चल रहे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कैंप से 8 सीएससी संचालक गायब मिले. उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए अग्रतर भेजी गई है. उन्होंने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना से सीएससी संचालक का गायब रहना कार्य के प्रति लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता का प्रतीक है.

विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) की शुरुआत पर एक्स हैंडल पर पोस्ट कर झारखंड की बहनों को बहुत-बहुत बधाई दी है. उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने में बहनों को आ रही शुरुआती परेशानी के बारे में उन्हें जानकारी मिली है. योजना को लेकर आ रही तकनीकी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए उन्होंने निर्देश दिया है तथा इस मामले को लेकर वरीय पदाधिकारियों की भी बैठक हुई है. योजना को लेकर दिख रहे उत्साह को लेकर उन्होंने पूरे राज्य में प्रज्ञा केंद्रों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया है.

उन्होंने कहा है कि सभी बहनों को यह बताना चाहता हूं कि यह हमेशा चलने वाली योजना है. योजना का लाभ लेने हेतु कोई समय सीमा नहीं है. विशेष कैम्प के आयोजन के बाद भी जरूरतमंद बहनें कभी भी अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर इस योजना का लाभ ले सकेंगी. योजना से लोगों को आसानी से लाभ मिले, इसलिए 10 अगस्त तक विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसे और पांच दिन बढ़ाने का निर्देश दिया है.

सभी पंचायतों में शिविर लगाया गया है : जिले के पाटन प्रखंड की सभी पंचायतों में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शिविर लगाया जा रहा है. सैकड़ों फार्म जमा कर लिया गया है, लेकिन ऑनलाइन सेवा नदारत है. सतोवा के मुखिया अखिलेश पासवान ने कहा कि उनकी पंचायत में अब तक 300 से ऊपर फॉर्म जमा हो चुके हैं. पंचकेडिया पंचायत में भी 500 से उपर फॉर्म जमा है, लेकिन ऑनलाइन नहीं होने के चलते परेशानी बनी हुई है. अब सभी लोगों का फॉर्म ऑफलाइन लिया जा रहा है. प्रमुख शोभा देवी ने कहा कि प्रखंड की कई पंचायत का दौरा किया. सर्वर की समस्या सभी पंचायत में देखने को मिल रही है. इससे लाभुकों को फॉर्म ऑनलाइन नहीं हो पा रहा है. झारखंड सरकार को इस समस्या को जल्द ही निदान करने की आवश्यकता है, ताकि हर गरीब परिवार तक योजना का लाभ पहुंच सके.

पेज एक का शेष

बांग्लादेश में तख्तापलट

बंग बंधु की प्रतिमा पर चले हथौड़े : सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रदर्शनकारी ढाका में हसीना के पिता एवं 1971 के मुक्ति संग्राम के नायक शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा पर चढ़ते और हथौड़ों से उसे तोड़ते हुए नजर आए. धानमंडी और ढाका में हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यालय को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया और सरकार विरोधी नारे लगाए. उन्होंने राजधानी में गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के आवास पर भी हमला किया और तोड़फोड़ की. उनके घर से धुआं निकलता भी देखा गया. नई सरकार ने प्रदर्शनकारियों के आम जनता से लॉन्ग मार्च टू ढाका में भाग लेने का आह्वान करने के बाद इंटरनेट को पूरी तरह बंद करने का सुबह आदेश दिया. एक सरकारी एजेंसी ने हालांकि सोमवार को अपराह्न करीब सवा एक बजे ब्रॉडबैंड इंटरनेट शुरू करने का मौखिक आदेश दिया. सोमवार की सुबह हिंसा के नए मामलों में छह लोग मारे गए, जब हजारों प्रदर्शनकारी लॉन्ग मार्च टू ढाका के लिए एकत्र हुए थे. प्रदर्शनकारियों के राजधानी में एकत्र होने के दौरान पुलिस और सेना सड़कों पर नजर आई.

इंटरनेट सेवा शुरू, पूरे देश में कर्फ्यू हटा : सेना प्रमुख ने हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच एक नाटकीय घटनाक्रम में उनके इस्तीफे की घोषणा करने के बाद देश से कर्फ्यू हटाने एवं इंटरनेट सेवाएं बहाल करने का आदेश दिया. इससे पहले सरकार ने प्रदर्शनकारियों के आम जनता से लॉन्ग मार्च टू ढाका में भाग लेने का आह्वान करने के बाद इंटरनेट को पूरी तरह बंद करने का सुबह आदेश दिया था.

भारत की करीबी नजर : इस बची, भारत सरकार के सूत्रों ने कहा कि ढाका में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम पर नयी दिल्ली करीबी नजर रखे हुए है. हालांकि बांग्लादेश में जारी घटनाक्रम पर भारत की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है. सरकार की तरफ से शेख हसीना को शरण देने के मामले पर किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार शाम को पीएम मोदी से मुलकात कर बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम की जानकारी दी. उधर, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है. उन्होंने कहा, बांग्लादेश को लेकर भारत सरकार जो भी फैसला लेगी, हम उसे मानेंगे. बांग्लादेश से लगने वाली सीमा पर तैनात बीएसएफ ने चौकसी कड़ी कर दी है.

अब तक क्या कार्रवाई हुई?

क्या है जनहित याचिका में : वर्ष 2020 में प्रार्थी पंकज कुमार यादव ने तत्कालीन रघुवर सरकार के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति को लेकर जनहित याचिका दायर की थी. उनका आरोप था कि 2014 के चुनाव के वक्त अमर बाउरी ने 7.33 लाख की संपत्ति का ब्यौरा दिया था. यह संपत्ति 2019 में 12 गुणा से अधिक बढ़ कर 89.41 लाख हो गयी. रणधीर सिंह ने 2014 में 88.92 लाख की संपत्ति दिखाई थी, जो 2019 में 5.06 करोड़ हो गई. डॉ नीरा यादव ने 2014 में 80.59 लाख संपत्ति का ब्यौरा दिया था. उनकी संपत्ति 2019 में 3.65 करोड़ हो गई थी. लुईस मरांडी के पास साल 2014 में 2.25 करोड़ की संपत्ति थी, जो 2019 में चार गुणा बढ़ कर 9.06 करोड़ हो गई. वहीं नीलकंठ सिंह मुंडा के पास 2014 में 1.46 करोड़ की संपत्ति 2019 में 4.35 करोड़ हो गई थी.

भाजपा के लिए विस चुनाव में

इस लिहाज से कमलेश सिंह अब साथी विधायक हैं. इसलिए भाजपा को पहले से हुसैनाबाद सीट कमलेश सिंह के लिए छोड़नी होगी. ऐसे में भाजपा को अब दो-दो अन्य सहयोगी दलों को संतुष्ट कर पाना बेहद कठिन टॉस्क के रूप में नजर आ रहा है.

भाजपा 65 से कम पर नहीं होगी तैयार : भाजपा खेमे से मिली जानकारी के अनुसार हुसैनाबाद सीट को छोड़ कर कुल 80 सीटें बचती हैं. ऐसे में भाजपा 80 में से कम से कम 65 सीट से कम पर समझौता करने को तैयार नहीं होगी. ऐसे में आजसू पार्टी और जदयू को कम सीटों पर समझौता करना पड़ सकता है. आजसू 20 से कम पर तैयार होगी, इसकी संभावना भी कम है. क्योंकि 2019 में आजसू ने 20 सीट मांगी थी, भाजपा 18 देने को तैयार भी थी. मगर आजसू तैयार नहीं हुई और गठबंधन टूट गया. भाजपा और आजसू अलग-अगल चुनाव लड़े, जिसका खमियाजा दोनों को उठाना पड़ा. भाजपा सत्ता से बाहर हो गयी. कम से कम 13 ऐसी सीटें 2019 में रहीं, जहां पर दोनों दलों के वोट बिखराव के कारण यूपीए ने बाजी मार ली. इसलिए क्या इस बार भाजपा और आजसू पार्टी पुरानी गलती दोहराने को तैयार होंगे, देखना होगा.

आदित्यपुर : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ बोले-

उद्यमियों को रक्षा उपकरण का ऑर्डर दिलाने का प्रयास

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों को रक्षा उपकरणों के ऑर्डर दिलाने का भरपूर प्रयास करूंगा. यह वादा रविवार को आदित्यपुर पहुंचे रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इसरो (इंडस्ट्रियल स्टेबिलिटी रिफॉर्म ऑर्गनाइजेशन) के उद्यमियों से किया. उन्हें इसरो के अध्यक्ष रूपेश कतरियार के नेतृत्व में उद्यमियों ने इससे संबंधित एक ज्ञापन सौंपा है.

ज्ञापन में आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के तकरीबन 1200 छोटे और मध्यम स्केल के उद्यमियों की परेशानी और एकमात्र टाटा मोटर्स की निर्भरता की बातें कही हैं. उन्हें यह भी बताया गया है किस तरह टाटा मोटर्स के ऑर्डर नहीं मिलने से यहां के उद्यमियों को काम के लिए भटकना पड़ता है. इस पर मंत्री संजय सेठ ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे इस संबंध में देश के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से हाई लेवल मीटिंग कर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे. प्रतिनिधिमंडल में रुपेश कतरियार, संदीप मिश्रा और पंकज झा मौजूद थे. तीनों लघु उद्यमियों ने मंत्री से रक्षा क्षेत्र में व्यापार के संभावनाओं को सुगम और सुलभ बनाने का प्रयास करने का अनुरोध किया.

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर मेडिकल के छात्रों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता । मेदिनीनगर

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में सेंट्रल लाइब्रेरी, सफाई, लिफ्ट, बिजली, पानी समेत अन्य मांगों को लेकर मेडिकल कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने सोमवार को कॉलेज के मेन गेट को बंद कर धरना दिया. मांगों से संबंधित तख्तियां लिए हुए हैं. आन्दोलन की सूचना मिलने के बाद प्राचार्य डॉ. कामेन्द्र प्रसाद और प्रो डॉ. आरके रंजन समेत अन्य शिक्षकों ने आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन उनका कहना था कि लंबे समय से वह समस्याएं झेल रहे हैं. छात्रों के प्रदर्शन से इमरजेंसी सेवा के लिए एमआरएमसीएच जाने वाले जूनियर रेजिडेंट डाक्टरों को अस्पताल से निकलने में परेशानी हुई. हालांकि, कुछ देर बाद दूसरे गेट से सारे डाक्टर निकले एवं एमआरएमसीएच पहुंचे. छात्र-छात्राओं का कहना है कि उन्हें बिजली और पानी तक मुहैया नहीं हो पा रहा है. इधर, युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजीत मेहता ने कहा कि मूलभूत सुविधा के लिए मेडिकल के छात्रों का प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण है. मेडिकल कॉलेज के पास रहने के कारण उन्हें पता है कि छात्रों को क्या कुछ समस्या होती है. बिजली एवं पानी आम समस्या है और इसका निदान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए. लेकिन कॉलेज प्रबंधन या जिला प्रशासन इसका निराकरण नहीं कर पा रहा है यह बड़ा ही चिंताजनक है. बिजली एवं पानी के साथ साथ लाइब्रेरी, लिफ्ट की भी सुविधा मिलनी चाहिए. कॉलेज की आधारभूत संरचना जबतक सुदृढ़ नहीं होगी, बेहतर शिक्षा की उम्मीद नहीं की जा सकती.

विरोध आदिवासी युवतियों को बरगला कर शादी कर आदिवासी जमीन पर कब्जा कर रहे मुस्लिम

बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा दे रही सरकार: सीता सोरेन

हेमंत सरकार पर जमकर बरसी सीता सोरेन

संवाददाता । धनबाद

धनबाद परिसदन में बैठक करतीं भाजपा नेत्री सीता सोरेन.

राज्य की गठबंधन सरकार में आम जनमानस पूरी तरह त्रस्त है. हेमंत सोरेन सरकार की मदद से बांग्लादेशी घुसपैठियों ने संथाल परगना पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है. जिसका खामियाजा क्षेत्र के आदिवासी भाई बहनों को उठाना पड़ रहा है. राज्य की वर्तमान सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है. इन सब गंभीर विषयों से आम जनमानस का ध्यान भटकने के लिए चुनावी लोक-लुभावन की मात्र घोषणा कर मतदाताओं का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है. उक्त बातें जामा विधायक भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने सोमवार को धनबाद परिसदन में कही. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने चुनाव के बाद आम लोगों को 100000 रुपये देने की घोषणा की है. अभी भी तो उनकी ही सरकार है, क्यों नहीं अभी योजना को लागू कर रही है. मंईयां योजना में कांग्रेस और झामुमो के लोग बिचौलिये की भूमिका निभा रहे हैं. अबुआ आवास ,अबुआ राज बोलकर अपनापन जगाकर, अबुआ-अबुआ बोलकर भोले- भाले आदिवासियों को ठगने-लूटने का कार्य यह सरकार कर रही है. अब आदिवासी भाई बहनों को जागरूक होने की आवश्यकता है. आदिवासी बहनों से मुस्लिम युवक बरगला कर शादी कर आदिवासी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं. यह खेल झारखंड में बेरोकटोक इस सरकार की मदद से चल रहा है. झारखंड में आदिवासियों की संख्या घटती चली जा रही है, यह एक गंभीर चिंता का विषय है. राज्य की हेमंत सोरेन सरकार सिर्फ वोट बैंक बढ़ाने को चुप्पी साधे हुए है. इसके लिए सीधे तौर पर राज्य सरकार दोषी है. इस सरकार के दिन पूरे हो चुके हैं. राज्य की जनता जाग चुकी है, आने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी.

विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस लेने की अपील : भारतीय जनता पार्टी नेत्री सीता सोरेन दुमका से धनबाद पहुंची. धनबाद परिसदन में भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर द्वारा उनका स्वागत किया गया. जिला उपाध्यक्ष मानस प्रसुन, वीरेंद्र हांसदा मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा ने पुष्पगुच्छ देकर उनका एवं उनकी पुत्री राजश्री सोरेन का स्वागत किया. सीता सोरेन ने धनबाद परिसदन में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को पूरी तन्मयता से करने का एवं केंद्र की मोदी सरकार द्वारा आम जनों के लिए विकास योजनाओं को लगातार जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया. साथ ही चुनाव में पुरी मुस्तैदी से जुट जाने को कहा. परिसदन सभागार में मानस प्रसून, वीरेंद्र हांसदा, पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, राजकुमार मंडल, नित्यानंद मंडल, रितेश बहादुर सिंह, मनोज रिंकू, स्वरूप भाटाचार्य, डी के सिंह, संजीत सिंह, रंजीत शर्मा, अमरजीत कुमार, बबलू संदीप सिंह सहित कई अन्य मौजूद थे.

शराब पीने से मना किया तो पिता-पुत्र को पीटा

हरिहरगंज/पलामू। जिले के पीपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सरैया पंचायत के बरवाडीह में ग्रामीण दुकान के पास नशा करने और जुआ खेलने से मना करने पर नशेड़ियों ने सोमवार को 11 बजे पिता-पुत्र की जम कर पिटाई कर दी. जिससे बरवाडीह निवासी 50 वर्षीय अवधेश राम और उनके 30 वर्षीय पुत्र उदय राम गंभीर रूप से घायल हो गए. उदय राम की पत्नी सुनैना देवी हल्ला सुनकर बीच बचाव के लिए आई तो उसे भी नशेड़ियों ने मारपीट कर घायल कर दी. घटना के बाद खून से लथ पथ पिता-पुत्र को परिजनों ने हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया. प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालात को देखते हुए चिकित्सकों ने घायल अवधेश राम को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया.

घटना की सूचना पाकर सीएचसी पहुंचे हरिहरगंज थाने के सब इंस्पेक्टर शशि शेखर पांडेय ने घायलों से फर्द बयान को सूचीबद्ध किया. पीड़ित अवधेश राम ने बताया कि पास के ही रजोखर गांव के छोटू, पवन, जटायु राम, पनवा देवी, दशरथ भुइंया, मुन्ना भुइंया, पिंटू भुइंया और नागेंद्र भुइंया के पुत्र को अपनी दुकान के समीप गांजा, शराब पीने और जुआ खेलने से मना करने पर हमलोगों के साथ मारपीट किया था.

कोर्ट नोटिस

न्यायालय,
प्रधान जिला जज, लातेहार
सिविल अपील 03/2021

तरसीयुस टोप्पो, पिता स्व० इगरोनिजस टोप्पो निवास स्थान वरटोली पो० वो थाना महुआडाँड, जिला लातेहार, वो अन्य -आवेदक

बनाम्

सिमन टोप्पो, पिता स्व० सुलेमान टोपो, निवास स्थान - बरटोली पो० - थाना महुआडाँड , जिला – लातेहार वो अन्य- विपक्षीगण,

नोटिस

बनाम्

1. शांती टोप्पो पिता स्व० सुलेमान टोप्पो, निवास स्थान बरटोली, पो० वो थाना - महुआडाँड, जिला - लातेहार

आपकों इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि उपर लिखे आवेदक ने मेरे न्यायालय में सिविल अपील वाद दायर किया हैं। आप के विरूद्ध साधाण कार्रवाई एवं निबंधित नोटिस की कार्रवाई हो चुकी है, अब आपके विरूद्ध दैनिक आखबार प्रकाशन की कार्रवाई की जा रही हैं आप दिनांक **16.08.2024** को **10:30 AM** बजे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो, अन्सथा आपके विरूद्ध एकतरफा कार्रवाई की जायेगी।

नोटिस आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे कार्यालय से निर्गत की जा रही है। इसे ताकिद जानें। ये नोटिस मेरे न्यायालय द्वारा मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर निर्गत की गयी है।

ह./- **प्रधान जिला जज**
व्यवहार न्यायालय लातेहार

असहज करने वाले तथ्य

आमतौर पर धारणा यह है कि बांग्लादेश के नागरिक गरीबी से तंग आकर भारत में घुसपैठ करने को विवश होते हैं. इस धारणा को ले कर सरकारी स्तर पर ज्यादा कुछ नहीं कहा जाता है, लेकिन राजनीति इस पर खूब होती है. लेकिन जब यह जानकारी सामने आ जाए कि बडी संख्या में मेडिकल की पढ़ाई के लिए भारतीय छात्र बांग्लादेश जाते हैं तो भारतीय मन बेचैन हो जाता है. यह एक सच है. हाल में बांग्लादेश के छात्र आंदोलन के दौरान भारतवासियों को असहज कर देने वाले इस तथ्य पर रोशनी पड़ी कि अब बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए बांग्लादेश जा रहे हैं. बांग्लादेश डॉक्टर बनने के इच्छुक खासकर पश्चिम बंगाल के छात्रों की पसंदीदा जगह बन गया है. जब यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब ऐसा ही तथ्य वहां भी उजागर हुआ था. दरअसल, कई मध्य एशियाई देशों के साथ-साथ चीन भी भारत के मेडिकल छात्रों का गंतव्य बना हुआ है. क्या यह भारत के लिए आत्म-मंथन का विषय नहीं है कि भारतीय छात्र उन जगहों पर भी जाकर पढ़ना पसंद कर रहे हैं, जो विकसित देश की श्रेणी में नहीं आते. क्यों? हर ऐसी चर्चा में यह कहा जाता है कि इसमें सबसे बड़ी भूमिका भारत में पढ़ाई पर बढ़ते खर्च की है. एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रहन-सहन, बोली और खान-पान की समानताओं के कारण पश्चिम बंगाल के छात्र बांग्लादेश को अपना ठिकाना बना रहे हैं.

> बांग्लादेश के 37 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में करीब 4350 सीटें हैं, जबकि 72 निजी कॉलेजों में सीटों की तादाद 6,489 है. सार्क देशों के लिए आरक्षण के तहत बांग्लादेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुछ सीटें भारतीय छात्रों के लिए आरक्षित हैं.

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वहां से बांग्लादेश जाने वाले छात्रों की तादाद और तेजी से बढ़ी है. मोटे अनुमान के मुताबिक हर साल पश्चिम बंगाल से तीन हजार से ज्यादा छात्र बांग्लादेश के सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में दाखिला ले रहे हैं. विदेशों में छात्रों के दाखिले में मदद करने वाली कोलकाता की एक सलाहकार फर्म के अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि भारत में निजी मेडिकल कालेजों में पढ़ाई का न्यूनतम खर्च 50 से 60 लाख रुपये के बीच है. कई कॉलेजों में तो यह खर्च एक करोड़ से भी ऊपर है, जबकि बांग्लादेश के मेडिकल कॉलेजों में यह खर्च लगभग आधा है. यही वजह है कि बांग्लादेश अब भारतीय छात्रों की पसंद बन गया है. बांग्लादेश के 37 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में करीब 4350 सीटें हैं, जबकि 72 निजी कॉलेजों में सीटों की तादाद 6,489 है. सार्क देशों के लिए आरक्षण के तहत बांग्लादेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुछ सीटें भारतीय छात्रों के लिए आरक्षित हैं. भारतीय छात्र इसका भी लाभ उठा रहे हैं. मगर यह भारत की स्थिति पर एक नकारात्मक टिप्पणी है. सवाल है कि आखिर भारतीय छात्रों को सस्ती शिक्षा के लिए उन देशो में क्यों जाना पड़ रहा है, जो भारत की आर्थिक हैसियत से कमतर हैं. भारत के राजनेताओं को इस पर आत्म मंथन करने की जरूरत है. यूक्रेन रूस युद्ध के दौरान यूक्रेन में पढ़ रहे भारतीय मेडिकल छात्रों का भविष्य क्या बना, इसकी चर्चा नहीं की जाती है, लेकिन भारत सरकार को इस दिशा में गंभीर पहल करने की जरूरत है कि भारत के संस्थान न केवल बेहतर प्रदर्शन करें, बल्कि वे सस्ते भी हों, ताकि गरीब से गरीब भारतीय नागरिक उस तक अपनी पहुंच बना सकें.

सुभाषित

सुखं शेते सत्यवक्ता सुखं शेते मितव्ययी।
हितभुक् मितभुक् चैव तथैव विजितेन्द्रियः॥

जो हमेशा सत्य बोलता है, जो मर्यादित रूप से अपने धन का खर्चा करता है, जो शरीर के लिए हितकारक पदार्थ आवश्यक प्रमाण में खाता है तथा जिसने इन्द्रियों पर विजय पाप्त कर ली है, वह चैन की नींद सोता है. उसकी नींद कभी हराम नहीं होती.

आरक्षण संबंधी सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला

पिछड़े वर्ग में तो आतंरिक विभाजन हो गया था (जो कि अखिल भारतीय स्तर के मंडल ढांचे में अभी नहीं हुआ है) लेकिन अनुसूचित जातियों के संवर्ग में यह नहीं था. हम लोगों ने यह मांग उठाई कि वहां भी यह होना चाहिए. दलित समूह के बीच उनके अधिक पिछड़े हिस्से के लिए हमने महादलित और अति दलित शब्द पर विचार किया और अंततः महादलित शब्द तय माना गया. मुसलमानों के बीच उसके पिछड़े हिस्से का एक वर्गीकरण पसमांदा नाम से अली अनवर कर चुके थे.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

गत 1 अगस्त '24 को आये सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों में शामिल समूहों का आतंरिक वर्गीकरण राज्य सरकारें कर सकती हैं, महत्वपूर्ण है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए. सन 2000 में ही जब बिहार परिवर्तन मोर्चा का कुछ साथियों के साथ मिल कर हमने गठन किया था, तब इस बिंदु पर हमारा ध्यान गया था. पिछड़े, दलित और मुसलमानों के बीच इस वर्गीय विभाजन की जरूरत थी. पिछड़े वर्गों का एक तबका, जिसे उच्च शूद्र कहा जा सकता है, पेशा से कृषक था. ज़मींदारी उन्मूलन और अन्य भूमि सुधारों, साथ ही लोकतान्त्रिक राजनीति में इनके बढ़ते प्रभाव ने, न केवल इनका संतोषजनक नगरीकरण किया था, बल्कि सरकारी-गैर सरकारी नौकरियों और अन्य आधुनिक पेशों से जुड़ कर समाज में इनकी सम्मानजनक स्थिति बन गई थी. कर्पूरी ठाकुर ने पिछड़े वर्गों का एक विभाजन अति पिछड़े वर्ग में किया था और सरकारी नौकरियों में किये गए बीस फीसद आरक्षण में से उनके लिए बारह फीसद तय किया गया था. मुंगेरी लाल कमीशन द्वारा प्रस्तावित कुल छब्बीस फीसद आरक्षण में तीन-तीन फीसद क्रमशः महिलाओं और आर्थिक तौर से पिछड़े वर्गों के लिए था, जिसे आज ईडब्ल्यूएस कहा जाता है. उत्तर भारतीय राजनीति में कोटा-पॉलिटिक्स का यह आरम्भ ही था.

पिछड़े वर्ग में तो आतंरिक विभाजन हो गया था (जो कि अखिल भारतीय स्तर के मंडल ढांचे में अभी नहीं हुआ है) लेकिन अनुसूचित जातियों के संवर्ग में यह नहीं था. हम लोगों ने यह मांग उठाई कि वहां भी यह होना चाहिए. दलित समूह के बीच उनके अधिक पिछड़े हिस्से के लिए हमने महादलित और अति दलित शब्द पर विचार किया और अंततः महादलित शब्द तय माना गया. मुसलमानों के बीच उसके पिछड़े हिस्से का एक वर्गीकरण पसमांदा नाम से अली अनवर कर चुके थे. इसे भी हमने स्वीकार किया. इस तरह अति पिछड़े, महादलित और पसमांदा समूहों के सम्यक विकास को हमने राजनीतिक एजेंडा बनाया, क्योंकि बिहारी समाज के बुनियादी परिवर्तन के लिए यह जरूरी था. 2004 में जब कांग्रेस के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी तब नीतीश कुमार दिल्ली से आकर पटना में जमे. उन्होंने मोर्चा की गतिविधियों में गहराई से रुचि ली. इस के सभी कार्यक्रमों को अपने जनतादल यूनाइटेड का कार्यक्रम घोषित किया. यह उनसे गहरे जुड़ाव का एक कारण बना.

2005 के आखिर में वह बिहार के मुख्यमंत्री बने. उनके चुनाव में इस सामाजिक समीकरण ने केंद्रीय भूमिका निभाई थी. इसलिए सरकार में आने के बाद उन्होंने अत्यंत पिछड़े वर्ग के लिए एक आयोग और दलितों के अधिक पिछड़े हिस्सों के लिए महादलित मिशन गठित किया. अत्यंत पिछड़े वर्गों और महिलाओं के लिए भी पंचायती राज व्यवस्था में क्रमशः बीस और पचास फीसद स्थान आरक्षित किये. इन सबने उन्हें सामाजिक परिवर्तन का नायक बना दिया. इसके पुराने नायक लालू प्रसाद 2009 और 2010 के चुनावों में लगभग हाशिये पर धकेल दिए गए. यह अलग बात है कि नीतीश कुमार ने ही इसके बाद एक प्रतिक्रांतिकारी रुख लिया और सवर्ण आयोग का गठन कर बैठे. तब से ही उनके राजनीतिक पतन का भी दौर शुरू हुआ. 2010 वाली मजबूत स्थिति में फिर वह कभी नहीं आ सके. तब उनकी पार्टी बिहार की सबसे बड़ी पार्टी तो थी ही, दूसरे नंबर की पार्टी भाजपा को भी पीछे रहने केलिए मजबूर किये हुए थी. बिहार विधान सभा में महाबली लालू प्रसाद सिमट कर बाईस पर आ गए थे और रामविलास पासवान केवल तीन पर. यह राजनीतिक ताकत इसी विखण्डन से निकली थी. लेकिन यह विषयांतर हो रहा है. हमें अनुसूचित जातियों जनजातियों के वर्गीकरण पर विचार करना था. मैं केवल बिहार का उदाहरण रख रहा हूं. उसमें भी केवल अनुसूचित संवर्ग का. जनजातिसमूह बिहार विभाजन के बाद हमारे यहां नगण्य (सिर्फ एक फीसद) रह गया था. 2005 में अनुसूचित जातियों का जो आंकड़ा उपलब्ध था, उसके अनुसार इस संवर्ग में कुल तेईस जातियां हैं, जो कुल जनसंख्या की 16.5 फीसद थीं. इनमें दुसाध और चमार आबादी में लगभग बराबर थे और दलितों की कुल आबादी के 62 फीसद से कुछ अधिक थे. सामाजिक तौर पर दो जातियां अधिक विकसित थीं - धोबी और पासी. पढाई-लिखाई और सरकारी नौकरियों में इनकी संख्या अन्य दलितों से बेहतर थीं. इसका कारण यह था कि इनके पेशों में नगदी आती थीं. धोबी कपड़ा की धुलाई के धंधे से जुड़े थे और पासी लोग ताड़ के उत्पाद और कुछ जलखेती (खास कर सिंघाड़ा और मखाना) कर के नगदी हासिल करते थे. इस कारण इनका नगरीकरण भी बेहतर हुआ और शिक्षा भी. इन दोनों की आबादी दलितों की कुल जनसंख्या के लगभग दस फीसद थीं. अब शेष लगभग 28 फीसद, दलित जिसमें सबसे बड़ी आबादी 16 फीसद मुसहरों की थी, जीवन के सभी क्षेत्रों में बहुत पिछड़े थे. गांव में कहा जाता था कि क्या आप ने किसी श्वेत बाल वाले मुसहर को देखा है? जवाब आता नहीं. सचमुच उजले बाल वाले मुसहर शायद ही मिलते थे. लेकिन दुखद पक्ष यह कि इसका कारण उनका बेहतर स्वास्थ्य नहीं था. दरअसल कम प्रोटीन वाले भोजन करते-करते उनका स्वास्थ्य इतना ख़राब हो जाता था कि कम उम्र में ही वे मर जाते थे. नीतीश सरकार ने महादलित विभाजन में ईमानदार रुख नहीं अपनाया. धोबी और पासी जाति को इसमें शामिल कर लिया गया, ताकि राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके. दुसाधों पर राम विलास जी और चमारों पर बसपा का प्रभाव था. दलितो के उतने ही वोट का समर्थन नीतीश हासिल कर लेना चाहते थे. वह सफल भी हुए. इसी तरह अत्यंत पिछड़े वर्ग के आन्तरिक विभाजन में भी हुआ. ये ऐसे उदाहरण हैं जिन से भविष्य में इस वर्गीकरण के राजनीतिक लाभ उठाये जाने के प्रसंग आएंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

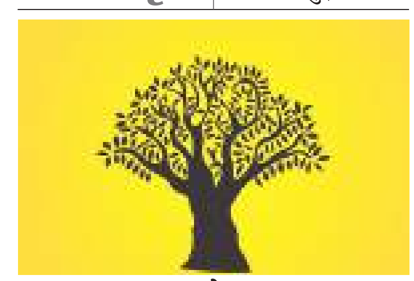

सदाचार और नास्तिक

सदाचार और नास्तिकता दोनों के मार्ग विपरीत दिशा में जाते हैं. इसलिए इन दोनों को एक साथ रख पाना असंभव है. आस्तिकता सदाचार को संपुष्ट करती है तो नास्तिकता उसे क्षति पहुंचाती है. इसी आशय से मैंने कहा था, 'नास्तिकी-सदाचार के तो पैर ही नहीं होते.' उसके पास दृढ़ता से खडे रहने का नैतिक बल ही नहीं होता. किस भरोसे खड़ा रहेगा? भला वह क्यों मोल लेगा भावी के भरोसे, निश्चित कष्ट, प्रतीक्षा और अनावश्यक तनाव? तत्क्षण प्रतिशोध ही उसके लिए न्यायमार्ग होता है. और प्रतिशोध किसी भी दृष्टि से सदाचार नहीं है. सदाचरण सदैव, घोर परिश्रम, सहनशीलता और धैर्य की मांग करते है. अधिकांश बार उपकार का बदला अपकार से भी मिलता है. कई बार सदाचारियों की गणना कायरों में की जाती है. सामान्यतया तो उसे डरपोक ही मान लिया जाता है. सदाचारी के शत्रुओं की भी संख्या बढ जाती है. उसे पाखण्डी ही समझा जाता है. कभी कभी तो उसे शान्ति के बदले मिलती कीर्ति का भी हनन कर दिया जाता है. इतना सब होने के बाद, अनास्थावान का सदाचारों पर टिके रहना तलवार की धार पर चलने के समान होता है. सदाचारों का लाभ तो मिले या न मिले, जीवन को क्यों लोहे के चने चबाने जैसे दुष्कर कार्य में व्यर्थ करना. जबकि कर्म-फल पर विश्वास करता हुआ आस्तिक, श्रद्धा के साथ प्रतिफल धारणा पर अटल रहता है और विश्वास के प्रति सजग भी. उसे भरोसा होता है कि देर-सबेर अच्छे कर्मों का प्रतिफल अच्छा ही मिलना है. आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में. वह सोचता है मैं अपने सब्र की डोर क्यो छोड़ूं. वह सदाचरण दृढता से निभाता चला जाता है. इसी आत्मबल के कारण सदाचार निभ भी जाते हैं. जबकि प्रतिकूल परिस्थिति में नास्तिक के सब्र का बांध टूट जाता है. भलाई का बदला बुराई से मिलते ही उसके भौतिक नियमों में खलबली मच जाती है. वह सोचता है, आजकल तो सदाचार का बदला बुरा ही मिलता है. कोई आवश्यक नहीं अच्छे कार्यो का नतीजा अच्छा ही हो. ऐसा कोई भौतिक नियम तो है नहीं कि नियमानुसार भले का परिणाम भला ही मिले. फिर क्यों किसी उलजलूल कर्म-सिद्धांतो की पग-चंपी की जाय और अनावश्यक सदाचार निभाकर क्यों दुख पीड़ा और प्रतीक्षा मोल लें. इस प्रकार धर्मग्रंथों से मिलने वाले नीतिबल के अभाव में व प्रतिफल की धारणा के अभाव में, अपनी नैतिक उर्ज़ा दांव पर नहीं लगाना चाहता. इसीलिए पैरविहीन नास्तिक, सदाचार की 'लम्बी दौड' दौड़ने में अक्षम होता है. नास्तिक-सदाचार की श्रद्धाविहीन धारणाओं को पैर रहित ही कहा जाएगा.

लोकतंत्र की बुनियाद शब्द और भाषा की गरिमा

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

> जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें. वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए.

जब दिल्ली में किसानों का आंदोलन चल रहा था तो प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ लोगों के लिए एक शब्द काम में लिया था– आंदोलनजीवी! उनका यह शब्द विपक्ष के लिए था, और विपक्ष के कई सदस्यों ने प्रधानमंत्री के इस प्रयोग पर आपत्ति भी प्रकट की थी. पता नहीं इस शब्द को असंसदीय कहा गया था या नहीं, पर यदि अब यह शब्द बोला गया तो निश्चित है इसे संसद की कार्रवाई के विवरण से हटा दिया जायेगा. यह बात इसलिए कही जा सकती है कि संसद में जुमलाजीवी शब्द को आपत्तिजनक माना गया है. इसी तरह कुछ और शब्द हैं, जिन्हें हमारी संसद में असंसदीय माना गया है. अराजकतावादी, शकुनी, तानाशाह, जयचंद, विनाश पुरुष, खून से खेती जैसे और भी कई शब्द हैं जिन्हें संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है. कुछ शब्दों को बोलने पर रोक लगाने की यह परिपाटी क्यों शुरू की गई थी, पता नहीं, पर चौबीसों घंटे के समाचार चैनलों वाले इस युग में किसी शब्द को 'कार्रवाई से निकाल दिये जाने' का कोई खास मतलब रह नहीं जाता. अब संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई 'लाइव' दिखाई जाती है. जब जो शब्द वहां बोला जाता है, सारी दुनिया तत्काल देख-सुन सकती है. ऐसे में किसी शब्द को रिकॉर्ड में न रखे जाने से क्या फर्क पड़ता है? फर्क तो तब पड़ेगा जब बोलने वाले को यह अहसास हो कि वह कुछ अनुचित तो नहीं बोल रहा. जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें. वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए. पर, सदन में जिस तरह का अप्रिय व्यवहार अक्सर दिख जाता है, उससे यह शंका होनी स्वाभाविक है कि हमारे नेता अपने बोले गये के प्रति कोई सावधानी बरतने के लिए सजग भी हैं अथवा नहीं? यह कहना तो गलत होगा कि हमारे प्रतिनिधि हमेशा आपत्तिजनक व्यवहार करते हैं, लेकिन सही यह भी है कि कई बार सदनों में संवादहीनता की स्थिति सीमाएं लांघ जाती है. इन सीमाओं का सम्मान होना चाहिए. संसद सड़क नहीं है. यूं तो सड़क पर भी व्यक्ति के व्यवहार की सीमाएं होती हैं, पर सदन के भीतर जो कुछ होता है वह आम नागरिक के लिए आदर्श व्यवहार का एक उदाहरण होना चाहिए. संसद के सदनों में, या विधानसभाओं में, जो कहा जाता है, जो किया जाता है, वह उच्चतम स्तर का होना चाहिए. सदन में होने वाली बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, शालीन होनी चाहिए. आज सवाल 'चाहिए' और 'है' के बीच के अंतर को समझने का है. सदन के भीतर हमारे प्रतिनिधि जो कहते हैं जिस तरह की शब्दावली काम में लेते हैं, उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती. यह पीठासीन अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है कि वह किस शब्द को असंसदीय माने और उसे सदन की कार्रवाई से हटाने का निर्णय ले. असंसदीय मानी जाने वाली शब्दावली भी पीठासीन अधिकारी के विवेक का ही परिणाम होती है. इस संदर्भ में अक्सर विवाद होता है. अक्सर सांसद या विधायक अपने कहे को अनुचित मानने को लेकर आपत्ति करते हैं. जुमलाजीवी या बालबुद्धि या विनाश पुरुष जैसे शब्दों पर प्रतिबंध को लेकर भी विवाद सामने आये हैं. अक्सर विपक्ष के सदस्यों की शिकायत यह रहती है कि शब्दों को असंसदीय घोषित करके बोलने के उनके अधिकार का हनन किया जाता है, एक तरह से उनका गला घोंटा जाता है. तकनीकी दृष्टि से देखा जाये तो स्पीकर का कहना सही लगता है, लेकिन सदस्य द्वारा बोले गये किसी शब्द को सदन की कार्रवाई से हटाए जाने का मतलब प्रतिबंध से कम भी नहीं है. सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का एक-दूसरे के व्यवहार को अनुचित ठहराना स्वाभाविक माना जा सकता है, पर जब विपक्ष को यह लगता है कि वह सारे शब्द कार्रवाई के विवरण से हटा दिये गये हैं जो सरकार की वास्तविकता को सामने लाते हैं तो 'असंसदीय शब्दों' को हटाने की परिपाटी पर सवाल तो उठता है. लेकिन सवाल माननीय सदस्यों के व्यवहार का भी है. निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा करना कतई ग़लत नहीं है कि वे मर्यादित आचरण का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे और सही यह भी है कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष, दोनों, मर्यादा लांघते दिख जाते हैं. बोलने में चूक हो सकती है, पर ज़रूरी है ऐसी चूक को तत्काल सुधारने का प्रयास हो. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

भाजपा को भी वैचारिक पुनर्गठन की जरूरत

• सियासत

अरुण श्रीवास्तव

> भाजपा ने अपनी जड़ें खो दीं, लेकिन वह मोदी के 'भारत के लिए दृष्टिकोण की एक विकृत अवधारणा का मुकाबला करने में बुरी तरह विफल रही. भाजपा ने अपना संगठनात्मक चरित्र खो दिया और मोदी के विचारों को प्रदर्शित करने वाले दीवार–पोस्टर में बदल गई, जिससे पार्टी को अस्तित्व के सबसे बुरे संकट का सामना करना पड़ा.

करोड़ों भारतीयों का सपना है कि उनका देश जल्द ही सशक्त हो जायेगा और तेज़ कनेक्टिविटी, अधिक नौकरियां, बेहतर शिक्षा और जीवन की बेहतर गुणवत्ता होगी, लेकिन ऐसा संभव लगता नहीं है, क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा रास्ता भटक रही है, उसका मुखिया पार्टी कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं से जुड़ने में असमर्थ है और वह संगठनात्मक चुनौतियों को समझने में अप्रभावी साबित हो रहा है. 1980 में भारतीय जनता पार्टी की शुरुआत के बाद, संस्थापक नेताओं ने दावा किया था कि एक अलग पार्टी का जन्म हुआ है. लेकिन उस समय वे एक बात भूल गये थे कि यह किस तरह से अलग है? क्या यह मात्रात्मक या गुणात्मक अंतर था? इसमें कोई संदेह नहीं कि इसका पुराना संस्करण जनसंघ सांप्रदायिक था, लेकिन इसका नवीनतम संस्करण भाजपा न केवल सांप्रदायिक बल्कि फासीवादी भी है. पहली बार यह लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा में प्रकट हुआ, जिसने सांप्रदायिक भावना को भड़काया और पूरे देश में हिंसा को भड़काया. चौंकाने वाली बात यह है कि नरेंद्र मोदी के निरंकुश शासन में भारतीयों ने सांप्रदायिकता और नफरत की राजनीति का सबसे बुरा रूप देखा. सुशासन देने और विकास के गुजरात मॉडल को लागू करने के नाम पर मोदी ने न केवल देश की धर्मनिरपेक्ष और उदार छवि को धूमिल किया, बल्कि भाजपा को महत्वहीन और गैर-कार्यात्मक बना दिया. उन्होंने 'पार्टी विद डिफरेंस' के टैग को मिटा दिया. आज भारत को बदलने की क्षमता का धुंधलापन खत्म हो गया. भाजपा ने अपनी जड़ें खो दीं, लेकिन वह मोदी के 'भारत के लिए दृष्टिकोण की एक विकृत अवधारणा का मुकाबला करने में बुरी तरह विफल रही. भाजपा ने अपना संगठनात्मक चरित्र खो दिया और मोदी के विचारों को प्रदर्शित करने वाले दीवार-पोस्टर में बदल गई, जिससे पार्टी को अस्तित्व के सबसे बुरे संकट का सामना करना पड़ा. लगभग सभी वरिष्ठ नेताओं को मार्गदर्शक खेमे में डाल दिये जाने के बाद पार्टी को दिशा देने वाला कोई वरिष्ठ नेता नहीं बचा. संगठनात्मक ढांचा पहले से ही चरमरा चुका है. ऐसे में नेताओं के लिए इसे पुनर्जीवित करना और दिशा देना वाकई मुश्किल काम है. मोदी के दस साल के शासन में पार्टी कार्यकर्ताओं का पतन हुआ है. लगभग सभी सांप्रदायिक दंगे और हिंसा में आरएसएस की मौजूदगी थी. लेकिन मोदी राज में हुई लिंचिंग जैसी घटनाएं आरएसएस की मदद करने से कहीं ज़्यादा मोदी के हित में थीं, ताकि उन्हें हिंदू हृदय सम्राट के रूप में पेश किया जा सके. मोदी के चुनावी जादू को खोने के बाद, भाजपा को खुद को फिर से तलाशना होगा और अपनी प्रासंगिकता वापस हासिल करनी होगी. मोदी ने अपने बयानबाजी के ज़रिये जो लोकलुभावनवाद किया, उसमें पांच-टी शामिल थे-टैलेंट, ट्रेड, ट्रेडिशन, टूरिज्म और टेक्नालॉजी. भाजपा के सामने संगठनात्मक चुनौतियां बहुत हैं. बचे हुए नेतृत्व को समाधान के लिए मोदी की ओर देखने के बजाय अपनी रणनीति और तंत्र पर काम करना चाहिए. अगर भाजपा वाकई राजनीतिक क्षेत्र में अपनी जगह बनाये रखना चाहती है तो उसे प्रशासन का ऐसा इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए, जिसमें समाज के सबसे कमज़ोर तबके की भी देश के विकास में बराबर की हिस्सेदारी हो. सब कुछ इसी एक विचार से शुरू होता है और आगे बढ़ता है. 2022 में ही भाजपा ने पार्टी संगठन का पुनर्गठन शुरू कर दिया था. पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर नये चेहरे लाये थे, जो 2024 के लोकसभा चुनावों पर नज़र रखते हुए किया गया था. लेकिन ये बदलाव नतीजे देने में विफल रहे, क्योंकि मोदी ने बदलावों को दरकिनार कर दिया और इसके कामकाज को निर्देशित करना जारी रखा. पार्टी तंत्र में सुधार की सख्त ज़रूरत है.जिस तरह से मोदी अपने शिष्य जेपी नड्डा को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जारी रखने का इरादा रखते हैं, उससे निस्संदेह पार्टी के हितों को नुकसान होगा. एक नया अध्यक्ष नये विचारों और कार्यक्रमों के साथ आयेगा जो अंततः पार्टी की मदद करेगा.लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार ने इसे दिशाहीन बना दिया है. पार्टी ने गतिशीलता और उद्देश्य खो दिया है और यह पिछले महीने ही हुए विधानसभा उपचुनावों में पार्टी की हार से स्पष्ट हुआ. लगभग सभी राज्यों में पार्टी इकाइयां अव्यवस्थित हैं. गुटबाजी चरम पर है. यह उस पार्टी के लिए कुछ असामान्य बात है जो अनुशासन की अवधारणा पर दृढ़ता से विश्वास करती है. यह रेखांकित करता है कि पार्टी पहले से ही राज्य स्तर पर भी मोदी-केंद्रित संगठन बन गई है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

मतों की चोरी : वेनेजुएला का राष्ट्रपति चुनाव

निकोलस मादुरो की देखरेख में, वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था एक दशक से भी कम वक्त में 80 फीसदी सिकुड़ गई. लगभग 7.8 मिलियन वेनेजुएलावासी आर्थिक कठिनाइयों के चलते पलायन कर गए. अगर 2013 में, जिस साल ह्यूगो चावेज़ की मौत हुई और मादुरो राष्ट्रपति बने, घोर गरीबी 11 फीसदी थी, तो अब यह 53 फीसदी है. जबकि संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, घरेलू गरीबी बेहद ज्यादा, 82 फीसदी है. तेल के मामले में धनी यह देश हाल के सालों में कई सरकार विरोधी प्रदर्शनों का गवाह रहा. इन प्रदर्शनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई. बीते 28 जुलाई को हुए राष्ट्रपति चुनाव से पहले, जनमत सर्वेक्षणों से पता चला कि मुख्य विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज को राष्ट्रपति के खिलाफ 20 अंकों की बढ़त हासिल थी. लेकिन आधिकारिक नतीजों के मुताबिक, इनमें से किसी भी बात का चुनाव में मायने नहीं रहा. वेनेजुएला के चुनाव प्राधिकरण ने बताया कि मादुरो को 51 फीसदी मत मिले, जबकि गोंजालेज को 44 फीसदी मत हासिल हुए. श्री मादुरो अब अपने शासन को छह और सालों के लिए बढ़ा सकते हैं. लेकिन विपक्ष ने मतों की गिनती में व्यापक अनियमितताओं की सूचना दी है और राष्ट्रपति तथा राजकीय संस्थानों में बैठे उनके सहयोगियों पर मतों की चोरी का आरोप लगाया है. विपक्ष के मुताबिक, उसके मतों के आंकड़ों से पता चलता है कि गोंजालेज को मादुरो के 3.2 मिलियन मतों के मुकाबले लगभग 7.1 मिलियन मत हासिल हुए. आधिकारिक नतीजों के एलान के बाद मादुरो-विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए. और सरकार को अभी विस्तृत मतदाता आंकड़ा जारी करना बाकी है. मादुरो आर्थिक संकट के लिए अकेले जिम्मेदार नहीं हैं. एक पूर्व टैंक कमांडर रहे चावेज़ चुनावों के रास्ते सत्ता में आए और उन्होंने उदार आर्थिक रूढ़िवाद को खारिज करके एक नया कल्याणकारी राज्य बनाया, जो तेल से हासिल होने वाले राजस्व द्वारा वित्त पोषित था. अपने पूर्ववर्ती जैसा करिश्मा से महरूम मादुरो जब सत्ता में आए, उस वक्त तक तेल की गिरती कीमतों के चलते वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लग चुका था. तेल उद्योग पर ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने अर्थव्यवस्था को पतन के कगार पर पहुंचा दिया. मादुरो की प्रतिक्रिया सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने की थी. जब वेनेजुएला अत्यधिक मुद्रास्फीति की मार और आवश्यक वस्तुओं व दवाओं की कमी से जूझ रहा था, तब उनका शासन बिल्कुल लाचार नजर आया. चुनावों से पहले, सरकार ने स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान का वादा किया था. लेकिन चुनाव अभियान शुरू होने से पहले ही, विपक्ष की सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार मारिया कोरिना मचाडो को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया. **(द हिंदू)**

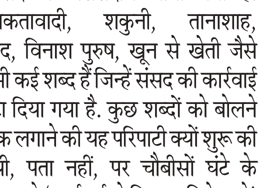

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उत्साह/उमंग/उल्लास

कोई भी काम हो, अगर उत्साह से किया जाये तो उसका परिणाम अच्छा ही होता है. मानव जीवन में उत्साह का बहुत ही महत्व है, इसलिए उत्साह को समझना बहुत जरूरी है. हिंदी शब्दसागर के अनुसार उत्साह संस्कृत से आया तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है वह प्रसन्नता, जो किसी आनेवाले सुख को सोच कर होती है और मनुष्य को कार्य में प्रवृत्त करती है, उमंग, उछाह, जोश, हौसला, साहस, हिम्मत. यानी उत्साह का एक अर्थ उमंग भी है. उत्साह एक उच्च ऊर्जा स्तर का भाव है, जो हमारे अंदर सक्रिय होता है. यह एक अधिक सक्रिय भावना होती है जो हमें कुछ बात को लेकर उत्सुक बनाती है. उत्साह हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देता है और हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है. दूसरी ओर, उमंग एक सुखद भावना है, जो हमें कुछ चीज को प्राप्त करने के लिए उत्तेजित करती है. उमंग वह भावना होती है जो हमें खुशी देती है और हमें चीजों को प्राप्त करने में मदद करती है. उमंग हमें सफलता का एहसास दिलाती है, जो हमें नए काम में लगने के लिए प्रेरित करता है. उत्साह एक सक्रिय भावना है, जो हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देती है, जबकि उमंग एक सुखद भावना है जो हमें खुशी देती है और हमें चीजों को प्राप्त करने में मदद करती है. उत्साह और उमंग दोनों ही भावनाएं हैं और व्यक्ति के आंतरिक स्थिति को दर्शाती हैं, लेकिन ये दोनों में थोड़ा सा अंतर होता है. उत्साह और उमंग दोनों ही जीवनशैली के महत्वपूर्ण भावनात्मक अंग हैं, लेकिन इनमें थोड़ा सा अंतर होता है. उत्साह विशेष रूप से किसी उद्यम, कार्यक्रम, या लक्ष्य के प्रति जोश और उत्कर्ष की भावना है, जबकि उमंग अधिक खुशी, संतोष, और आनंद के प्रति प्रेरणा देता है. उत्साह जिसके पीछे उद्दीपक कारण होते हैं, वहीं उमंग आनंदमयी और खुशीपूर्ण भावनाओं का उत्पन्न करने में मदद करता है.

हर ओर पानी, जलजमाव के सुंदर दृश्य

• तीर-तुक्का

यशवन्त कोठारी

हे प्राणप्यारी, सुमुखी, मयूर-पंखिनी, कमल लोचनी, सुनयने,सखि, तुम कहां हो. देखो, बाहर सम्पूर्ण आर्यावर्त में कैसा हाहाकार मचा है. कभी ब्रज में ऐसी विनाश लीला हुई थी और भगवान कृष्ण ने गोवर्धन को ऊपर उठाकर सम्पूर्ण ब्रज की रक्षा की थी. देख सखि, आज देख, देवराज (दिनेश) इन्द्र ने कैसा कहर बरपा दिया है. हर ओर पानी.....पानी और पानी. सर्वत्र जल-प्लावन का सुन्दर दृश्य उपस्थित है, तुम भी अपनी आंखों से यह महान घटना देख लो. देख सखि, बाहर देख, खिड़की के बाहर झांक. हर शहर पानीदार हो गया है. कैसी तेज मूसलाधार बारिश हो रही है. वृक्ष टूट-टूट कर जमीन पर गिर गये हैं और सड़कों पर राज्य परिवहन निगम की बसों के बजाय नावें चल रही हैं. प्रेस वाले फोटो उतार रहे हैं. हेलिकॉप्टरों से रोटियां और बासी आलू की सब्जी गिर रही है. लगता है वास्तव में ही बाढ़ आ गई है. जल का राज आ गया है, और हम सभी इस भंवर में डूब जायेंगे. सखि, देर मत कर और इस अलौकिक चमत्कार को किसी आधुनिक भगवान का चमत्कार समझ कर नमस्कार कर. बाढ़ ने क्या-क्या नहीं किया. जिले, गांव, शहर और मोहल्ले तबाह हो गये. पुल ढह गये, पुलियाएं बह गयीं और हमारे निर्माण विभाग वाले हैं कि रेत की बोरियां और फर्जी मस्ट्रोल लेकर दौड़े फिर रहे हैं. चीफ साब आ रहे हैं और एक्सइन साब जा रहे हैं. रेत में सीमेन्ट या सीमेन्ट में रेत, कोई फर्क नहीं पड़ता. तो देख, उस ओर एक अफ्सर पत्नी अपनी सरकारी कार में, अपनी कान्वेट पढ़ी पच्चीस वर्षीया बेबी को बाढ़ दिखा रही है. यू सी बेबी, इट इज फ्लड. और बेबी कह रही है, ममी, हाऊ लवली. रियली फनी. मम्मी, ऐसी सुन्दर बाढ़ रोज क्यों नहीं आती. आओ हम पिकनिक मनाएं....और उधर देख, वहां बाढ़ पीड़ित जवानी अपनी अस्मत का सौदा कर रही है, ताकि पेट भरे और घर में चूल्हा जले. इंजीनियरों, स्वयंसेवकों, नेताओं, सरकारी अफसरों, चोरों, गिरहकटों और उठाईगिरों के लिए तो बाढ स्वर्ण अवसर है. वे तो इसे दीवाली की तरह मना रहे हैं. मरणासन्न लोगों के हाथ पांव के आभूषण उतारना, कपड़े उतारना बाढ़ में बह गए कपड़ों, सामानों को अपने घर में भर लेने का नया कर्मकाण्ड शुरू हो गया है. हे सखि, हर तरफ यही मनोरम दृश्य दिखाई दे रहा है. जम्बू द्वीप में तो बाढ़ ही बाढ़ है. अब तुम ही सोचो, यदि कोई गांव समुद्री टापू हो गया है तो इसमें सरकार क्या करे. सरकार सड़क ठीक होने का इंतजार करती हैं और ठीक होते ही अफसर अपने अमलों के साथ गांव का दौरा करते हैं. पटवारी हाजरी भरते हैं, हुक्का, चिलम भरते हैं. दौरा खत्म होता है. बाढ़ का पानी भी उतर जाता है, और सरकार किसी नई बाढ़ का इन्तजार करने लगती है. बाढ़ के समय मानव मात्र का चरित्र बदल जाता है. मनुष्य-मनुष्य का भक्षण कर लेता है. गिद्ध और कौवों की तरह मनुष्य को खाता हैं. सखि, यह सब देखकर मेरी आत्मा ग्लानि से भर गई है, और अब नहीं लिखा जाता. सखि रे, भगवान को पुकार कि इस बाढ़ से देश को बचाएं. -तुम्हारी सखि.

मौजूदा समय में ऑटोमोबाइल बाजार में विकल्पों की अधिकता इतनी अधिक है कि कई बार हम समझ नहीं पाते कि कौन सी गाड़ी हमारे लिए सबसे बढ़िया रहेगी. अगर रफ्तार के प्रेमी हैं तो कूपे, कंवर्टिबल और क्रॉसओवर गाड़ियों की शब्दावली भी लुभाती होगी. खासकर क्रॉसओवर कारों की चर्चा हाल के दिनों में बढ़ गई है. दरअसल एमजी मोटर इंडिया द्वारा आगामी विंडसर ईवी लॉन्च की घोषणा की गई है जो क्रॉसओवर कार है. इससे पहले मारुति और टोयोटा जैसी कंपनियां क्रॉसओवर पेश कर चुकी हैं मसलन मारुति सुजूकी एस-क्रॉस, वोल्वो एस60, हॉन्डा डब्ल्यू आर-वी आदि. क्रॉसओवर कारें अपने अनूठे डिजाइन, बड़े स्पेस और बेहतरीन राइडिंग एक्सपीरियंस के लिए जानी जाती हैं. हालांकि इनकी कीमत भी अन्य कारों से अधिक होती है. आइए, आज हम क्रॉसओवर कारों की खासियत से हों रू-ब-रू

स्टाइल और कंफर्टेबल राइडिंग क्रॉसओवर

स्टाइलिश लुक

क्रॉसओवर कारों के डिजाइन आकर्षक और स्टाइलिश होते हैं. इनमें एसयूवी जैसी ऊंची बिल्ड और हैचबैक कार जैसी स्पोर्टी लुक होती है. यह डिजाइन उन्हें सड़क पर एक अलग पहचान देता है.

शानदार ड्राइविंग व हैंडलिंग अनुभव

चाहे गांव-कस्बे की कच्ची सड़के हों या पहाड़ी-पठारी इलाके की उबड़-खाबड़ रास्ते, क्रॉसओवर कारें कंफर्टेबल ड्राइविंग का मजा देती हैं. इनकी सस्पेंशन सिस्टम को इस तरह से डिजाइन किया जाता है कि वे छोटे-मोटे गड्ढों और खड्डों को आसानी से पार कर सकें. साथ ही इनकी हैंडलिंग भी काफी अच्छी होती है, जिससे आप उन्हें आसानी से चला सकते हैं.

बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस

अगर आप अक्सर शहर से बाहर जाते हैं तो क्रॉसओवर कारों आपके लिए बेहतर विकल्प है. दरअसल इन कारों की ग्राउंड क्लीयरेंस काफी अच्छी होती है, जिससे आप उन्हें आसानी से उबड़-खाबड़ रास्तों पर चला सकते हैं. यह फीचर खासकर उन लोगों के लिए काफी लाभकारी है, जो अक्सर शहर से बाहर जाते हैं.

ज्यादा स्पेस

सीट कैपेसिटी और बूट स्पेस के लिहाज से भी क्रॉसओवर कारें अन्य कारों से बेहतर हैं. इसमें केबिन स्पेस इतनी बड़ी होती हैं कि 5 लोग आसानी से बैठ सकते हैं. इसके अलावा इनमें काफी बड़ा बूट स्पेस भी होता है, जिसमें आप काफी सारे सामान आसानी से रख सकते हैं.

बेशुमार फीचर

भारत समेत दुनियाभर में लॉन्च होने वालीं क्रॉसओवर कारों में कई तरह के आधुनिक फीचर्स मिल जाते हैं. इनमें बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, रियर व्यू कैमरा, पार्किंग सेंसर, एबीएस, ईबीडी, 360 डिग्री कैमरा, हेड-अप डिस्प्ले और मल्टीपल एयरबैग्स समेत काफी सारे और भी स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स मिल जाते हैं.

आ रही है एमजी ईवी विंडसर क्रॉसओवर

एमजी की ईवी विंडसर जल्दी ही भारत की सड़कों पर दौड़ती नजर आएगी. यह इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर होगी, जो कि लुक-फीचर्स और रेंज के मामले में काफी अच्छी होगी. उम्मीद की जा रही है कि 20 लाख रुपये तक की प्राइस रेंज में लॉन्च हो सकती है.

लुक और फीचर्स भी अच्छे

लुक और डिजाइन की बात करें तो एमजी विंडसर ईवी करीब 4.3 मीटर लंबी होगी और इसका व्हीलबेस 2,700 एमएम होगा. सड़क पर यह अलग ही पहचान में आएगी क्योंकि देखने में यह भारत में बिकने वालीं कारों के मुकाबले कुछ अलग और खास होगी. इस 5 सीटर इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर की खूबियों की बात करें तो इसमें बड़ा फ्लोटिंग टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस चार्जर, वेंटिलेटेड सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा और अडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम समेत काफी सारे और भी स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे.

बैटरी-रेंज

अब तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार एमजी विंडसर ईवी क्रॉसओवर में दो तरह के बैटरी पैक विकल्प देखने को मिल सकते हैं, जिनमें 37.9 किलोवाट बैटरी पैक की सिंगल चार्ज रेंज 360 किलोमीटर तक की और 50.6 किलोवॉट बैटरी पैक वाले वेरिएंट की सिंगल चार्ज रेंज 460 किलोमीटर तक की होगी. एमजी विंडसर ईवी को फ्रंट माउंटेड परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर से 134 एचपी के करीब पावर मिल सकता है.

लग्जरी कारों की नई शब्दावली

लग्जरी सेग्मेंट में कूपे, कंवर्टिबल और क्रॉसओवर, ये तीनों कारें आती हैं. आइए ऑटोमोबाइल की इस नई शब्दावली से परिचित हों-

कूपे

इन कारों में मुख्य रूप से दो दरवाजे दिए जाते हैं. आमतौर पर ढलान वाली छत के साथ आती हैं. दो सीटों वाली ये कारें स्पोर्टी लुक में होती हैं. केबिन और बूट स्पेस अन्य कारों से बहुत कम होता है. इन दिनों कुछ कंपनियां अपनी 4 डोर वाली कारों को भी कूपे नाम से मार्केट में लाने लगी हैं. जगुआर एफ टाइप, निसान जीटी-आर, फोर्ड मस्टंग आदि प्रमुख उदाहरण हैं.

कंवर्टिबल

भारत जैसे तीखे धूप वाले देश में इन कारों का चलन कम है. जहां धूप कम निकलती हैं, वहां इन खुली कारों का लुत्फ लोग उठाते हैं. इन कारों में छत और बिना छत के साथ चलाने का विकल्प होता है. इच्छानुसार जब चाहें खुली छत वाली और जरुरत पड़ने पर बंद कार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं. लैम्बोर्गिनी अवेंटाडोर, फेरारी कैलिफोर्निया और मर्सिडीज बेंज सी क्लास आदि प्रमुख कंवर्टिबल कारें हैं.

क्रॉसओवर

क्रॉसओवर कारें दरअसल अपने नाम के अनुरुप हैचबैक और एसयूवी का मिश्रण होती हैं और दो दो कैटेगरी वाली खूबियों के साथ आती हैं. सॉफ्ट राइडिंग कंफर्टख अधिक स्पेस और बेहतर डिजाइन इनकी खासियत हैं. मारुति सुजूकी एस क्रॉस ओवर, वोल्वो एस 69 और हॉन्डा डब्ल्यू आर-वी पहले से ही क्रॉसओवर कारें हैं और अब एमजी ने भी क्रॉसओवर ईवी विंडसर को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की घोषणा की है.

गजेट्स रिव्यू : रेडमी पैड प्रो फाइव जी

कॉम्पैक्ट डिजाइन शानदार परफॉर्मेंस

हाल ही रेडमी का नया पैड रेडमी पैड प्रो फाइव जी मार्केट में आया है. प्रोफेशनल वर्क के लिए इसे बेहतर विकल्प बताया जा रहा है. आइए, इसके कुछ फीचर्स के बारे में जानकारी हासिल करें-

- **डिजाइन**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी मैटेलिक बॉडी डिजाइन में आती है. ग्रेफाइट ग्रे और क्विक सिल्वर, इन दो कलर ऑप्शन इसके आते हैं. बैक पैनल पर इस पैड का कैमरा सेटअप दिया गया है. उपयोग कर्ताओं का कहना है कि इसके वेट और ग्रिप का अनुभव शानदार है. कॉम्पैक्ट डिजाइन के कारण इसे कैरी करना काफी आसान है.

- **डिस्प्ले**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी का डिस्प्ले 12.1 इंच का है, जो 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ आता है. इसमें गोरिल्ला ग्लास 3 प्रोटेक्शन दी जाती है. डिस्प्ले के मामले में उपयोगकर्ताओं का कहना है कि आउटडोर में डिस्प्ले अच्छी नजर नहीं आती है और कहीं-कहीं पर कलर्स के साथ भी परेशानी होती है. रेडमी के इस पैड में डॉल्बी एटमॉस विजन का सपोर्ट भी दिया जाता है.

- **परफॉर्मेंस**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 चिपसेट दिया गया है. यह शिओमी हाइपर ओएस के साथ आता है जो एंड्रॉयड 14 बेस्ड है. इसमें स्प्लिट विंडो और फ्लोटिंग विंडो का ऑप्शन भी दिया जाता है. इसमें 5 जी सपोर्ट मिलता है और आप सिम का यूज भी कर सकते हैं. स्पीड अच्छी है.

- **स्मार्ट पेन और कीबोर्ड**

इस पैड के पेन और कीबोर्ड की डिजाइन कॉम्पैक्ट और शानदार है. हालांकि कुछ उपयोगकर्ता कीबोर्ड के थोड़े भारी होने की शिकायत भी करते हैं. टाइप सी चार्जिंग पोर्ट की मदद से दोनों असेसरीज को चार्ज किया जा सकता है.

- **कीमत**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी की शुरुआती कीमत 21,498 रुपए है. स्मार्ट पेन के साथ लेने पर 25,497 रुपए की कीमत आएगी. वहीं, पेन और कीबोर्ड के साथ पैड लेने पर 27,997 रुपए खर्च करने होंगे.

हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल

प्रदूषण और फॉसिल फ्यूल से राहत दिलाएंगी ये बाइक

प्रदूषण एक ग्लोबल समस्या बन गई है. वाहनों के धुएं से होने वाले प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर, सांस संबंधी बीमारी आदि का कारण बन रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों को अपनी चपेट में ले रहे हैं. वहीं फॉसिल फ्यूल की सीमित उपलब्धता एक गंभीर चिंता का विषय है. इन समस्याओं से निजात के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक और इंजीनियर लगातार शोध कर रहे हैं और नए-नए विकल्पों पर काम कर रहे हैं. ऐसी ही एक विकल्प है हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल. आइए, आज इसी की करें चर्चा...

पिछले दिनों भारत में सीएनजी से चलने वाली मोटरसाइकल बजाज फ्रीडम 125 लॉन्च हुई. यह टू व्हीलर में ट्रेडिशनल फॉसिल फ्यूल यानी पेट्रोल के बेहतर विकल्प के तौर पर सामने आने के कारण आकर्षण का केंद्र बना. फिर इसी साल मोबिलिटी एक्सपो में जॉय ई-बाइक की ओर से हाइड्रोजन पावर्ड स्कूटर को प्रदर्शित किया गया. जैसा कि नाम से जाहिर है, यह पानी से चलने वाला टू-व्हीलर है. हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल प्रदूषण व सीमित फॉसिल फ्यूल की वजह से आने वाले दिनों में आवाजाही का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती हैं. बेशक इस तकनीक को अपनाने से पहले कई चुनौतियों का सामना करना होगा और इसी दिशा में दुनिया भर के वैज्ञानिक और इंजीनियर काम कर रहे हैं. इन प्रयासों के कारण ही उम्मीद जाहिर की जा रही है कि आने वाले समय में हम सड़कों पर हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल्स को देख पाएंगे.

कैसे चलती हैं ये मोटरसाइकिल?

हाइड्रोजन मोटरसाइकिल में पेट्रोल या डीजल इंजन वाली मोटरसाइकल से अलग हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स होती हैं. जब हाइड्रोजन और ऑक्सीजन इन कोशिकाओं में मिलते हैं तो एक रासायनिक प्रतिक्रिया होती है और इसकी वजह से बिजली पैदा होती है. यह बिजली मोटर को चलाती है और मोटरसाइकल को स्पीड देती है. इस प्रक्रिया में केवल पानी निकलता है, जिससे यह एक प्रदूषण मुक्त विकल्प बन जाता है.

यह है सिस्टम

हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स दो मुख्य भाग होते हैं, पहला एनोड और दूसरा कैथोड. हाइड्रोजन गैस एनोड में प्रवेश करती है और इलेक्ट्रॉन्स को छोड़ती है. इलेक्ट्रॉन एक बाहरी सर्किट के माध्यम से कैथोड तक पहुंचते हैं, जहां वे ऑक्सीजन के साथ मिलकर पानी बनाते हैं. इलेक्ट्रॉन्स का यह प्रवाह इलेक्ट्रिक फ्लो पैदा करता है, जिससे मोटर चलता है.

पर्यावरण के लिए हितकर

पर्यावरण के लिए हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकिल वरदान की तरह हैं क्योंकि ये हानिकारक धुएं नहीं बल्कि केवल पानी का उत्सर्जन करती हैं. हाइड्रोजन फ्यूल सेल बहुत ही शक्तिशाली होती हैं और वे पेट्रोल इंजन की तुलना में ज्यादा एनर्जी पैदा करती हैं और बहुत तेजी से रफ्तार पकड़ सकती हैं.

ये हैं चुनौतियां

हाइड्रोजन का उत्पादन महंगी प्रक्रिया हो सकती है. साथ ही हाइड्रोजन को स्टोर करना मुश्किल होता है, क्योंकि यह एक बहुत ही हल्का और ज्यादा प्रतिक्रिय ाश ील एलिमेंट है. इसके अलावा जहां झारखंड जैसे स्टेट में आज के दौर में ईवी व्हीकल्स को चार्ज करने के स्टेशन कम हैं, वहीं हाइड्रोजन फ्यूल रीफीलिंग स्टेशन बहुत दूर की बात लगती है.

चैटजीपीटी के चर्चे अब नौकरी खाने वाले के रूप में भी खूब हो रही है. इंजीनियर, लेखक, एकाउंटेंट, टीचर... सब बनने को तैयार है चैट जीपीटी. पर तमाम कोशिशों के बाद भी अभी डॉक्टर नहीं बन सकता. जी हां, प्लस वन द्वारा कराए गए एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि चैट जीपीटी लक्षण पहचानने में अभी अनाड़ी है और इससे इलाज कराना नीम हकीम खतरे जान वाला मामला हो सकता है.

चैट जीपीटी से इलाज यानी...

नीम हकीम खतरे जान

प्लस वन की रिपोर्ट के मुताबिक, चैट जीपीटी लैंग्वेज मॉडल के रूप में धाक जमा चुका है लेकिन मेडिकल संबंधित सवालों के जवाब के लिए फिसड्डी है. रिसर्चर ने मेडस्केप क्लीनिकल चैलेंजेस के इस्तेमाल से पेशेंट की कंडिशन का सिनेरियो पेश किया. इन केस में मल्टीपल हेल्थ संबंधित समस्या को दिखाया गया. इसमें वे देखना चाहते थे कि क्या चैट जीपीटी आसानी से बीमारी को डाइग्नोस कर सकता है और उससे संबंधित इलाज की सलाह दे सकता है. रिसर्चर ने चैट जीपीटी पर 150 क्लीनिकल चैलेंजेस पर टेस्ट किया है, जो अगस्त 2021 के बाद पब्लिश किए गए हैं. हर एक केस में मरीज की हिस्ट्री, इलाज और टेस्ट की जानकारी थी और रिसर्चर चैटजीपीटी से मिले परिणामों की तुलना अपनी इन रिपोर्ट्स से करना चाहते थे.

- **रिसर्च के रिजल्ट से क्या हुआ खुलासा**

चैटजीपीटी ने 49 पर्सेंट केस में सही जवाब दिए. जब इन जवाब की तुलना मेडस्केप यूजर्स के रिस्पोंस किया, तो चैटजीपीटी ने करीब 61 पर्सेंट जवाब समय पर दिए. स्टडी में पाया कि चैटजीपीटी ने करीब 74 पर्सेंट एक्युरेसी हासिल की है, जिसके साथ 49पर्सेंट में क्लियर जवाब दिए हैं. इसने गलत जवाब को तो अलग किया, लेकिन इलाज के दौरान के इस पर भरोसा कम किया गया है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मनु भाकर होंगी समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर रविवार को यहां होने वाले समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी. मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक में भारत का खाता खोला था. इस तरह से वह ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बनी थी. इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल में मिश्रित टीम का कांस्य पदक भी जीता.

भारतीय ओलंपिक संघ के एक अधिकारी ने कहा, मनु को ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है. उन्होंने बेजोड़ प्रदर्शन किया और

वह इसकी हकदार हैं. हरियाणा की इस 22 वर्षीय निशानेबाज ने इससे पहले कहा था कि भारत का ध्वजवाहक बनना सम्मान की बात होगी. मनु ने कहा था, भारतीय दल में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अधिक हकदार हैं लेकिन अगर मुझे ऐसा करने के लिए कहा जाता है तो यह वास्तविक सम्मान होगा. भारतीय ओलंपिक संघ ने अभी तक पुरुष ध्वजवाहक के नाम की घोषणा नहीं की है.

मनु ने रचा था इतिहास

मनु एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली एथलीट हैं. वहीं, मनु ओलंपिक में भारत की ओर से सबसे सफल एथलीट में से भी एक हैं. मनु के अलावा अब तक किसी भारतीय एथलीट ने एक ओलंपिक में दो पदक नहीं जीते हैं. सुशील कुमार और शटलर पीवी सिंधू के नाम दो-दो पदक हैं, लेकिन ये अलग-अलग ओलंपिक में आए हैं. सुशील ने 2008 बीजिंग (कांस्य) और 2012 लंदन (रजत) ओलंपिक में दो पदक जीते थे, जबकि सिंधू ने 2016 रियो (रजत) और 2020 टोक्यो ओलंपिक (कांस्य) में दो पदक जीते थे. मनु ने सभी को पीछे छोड़ते हुए इतिहास रच दिया था. इसी के साथ

वह एक ओलंपिक में दो या इससे ज्यादा पदक जीतने वाले एथलीट्स की लिस्ट में भी शामिल हो गई थीं.

वह इसकी हकदार हैं

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारी ने कहा, ''हां, मनु को ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है. उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था और वह इसकी हकदार हैं.'' हरियाणा की 22 वर्षीय निशानेबाज ने इससे पहले कहा था कि भारत का ध्वजवाहक बनना सम्मान की बात की है. मनु के अलावा भारत को स्वप्निल कुसाले ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक दिलाया था. आईओए ने अभी तक पुरुष ध्वजवाहक की घोषणा नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इसकी घोषणा भी कर दी जाएगी.

नीरज चोपड़ा के पेरिस में चमकने का इंतजार

- आज क्वालीफिकेशन दौर में उतरेंगे
- फाइनल आठ अगस्त को खेला जायेगा

एजेंसी। पेरिस

भारतीय एथलेटिक्स के लिये कई कीर्तिमान रच चुके नीरज चोपड़ा अपने दूसरे ओलंपिक में एक बार फिर अपने भाले से इतिहास रचना चाहेंगे चूंकि 140 करोड़ भारतीयों को उनसे एक बार फिर पीले तमगे की उम्मीद है .उनकी अप्रतिम निरंतरता की एक बार फिर परीक्षा होगी क्योंकि पूरे सत्र में वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आये हैं . वह मंगलवार को क्वालीफिकेशन दौर में उतरेंगे और फाइनल आठ अगस्त को खेला जायेगा . चोपड़ा अगर स्वर्ण जीतते हैं तो ओलंपिक के इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवें खिलाड़ी हो जायेंगे . इसके साथ ही ओलंपिक व्यक्तिगत वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे . ओलंपिक की पुरूष भालाफेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे 2004 और 2008) की ओलंपिक में भालाफेंक स्पर्धा में खिताब बरकरार रख सके हैं . इस साल चोपड़ा ने सिर्फ तीन स्पर्धाओ में भाग लिया लेकिन उनके बाकी प्रतिस्पर्धी भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं . दोहा डायमंड लीग में मई में चोपड़ा ने 88 . 36 मीटर का थ्रो फेंका . वहीं एडक्टर में असहजता के कारण 28 मई को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में एहतियात के तौर पर भाग नहीं लिया . उन्होंने जून में फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों में 85 . 97 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण के साथ वापसी की . इसके बाद सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग नहीं लिया . उनके कोच ने फिटनेस को लेकर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि अब उनके एडक्टर में कोई परेशानी नहीं है और वह कड़ा अभ्यास कर रहे हैं .तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर और पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स उन्हें फिर चुनौती देंगे . भारत के किशोर जेना भी दौड़ में हैं जिन्होंने पिछले साल एशियाई खेलों में 87 . 54 मीटर का थ्रो फेंककर क्वालीफाई किया था लेकिन उसके बाद से 80 मीटर तक भी नहीं पहुंच पाये हैं .

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	21	17	13	51
2. अमेरिका	19	27	26	72
3. फ्रांस	12	14	18	44
4. ऑस्ट्रेलिया	12	11	8	31
5. ब्रिटेन	10	12	16	38
6. द.कोरिया	11	08	07	26
7. जापान	10	5	11	26
8. इटली	08	10	06	26
9. नीदरलैंड	6	5	4	15
10. जर्मनी	6	5	2	13
54. भारत	0	0	3	3

ब्रीफ खबरें

सीन नदी में तैरने के बाद बीमार पड़ी खिलाड़ी

पेरिस। बेल्जियम की एक खिलाड़ी सीन नदी में तैरने के बाद बीमार पड़ गई जिस कारण उसकी टीम पेरिस ओलंपिक खेलों की मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से हट गई. बेल्जियम ओलंपिक समिति ने बयान में कहा कि बुधवार को महिला ट्रायथलॉन में भाग लेने वाली उसकी खिलाड़ी क्लेयर मिशेल दुर्भाग्य से बीमार पड़ गई है जिसके कारण उनकी टीम को मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से हटना होगा.पेरिस ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने मिशेल की बीमारी को लेकर तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया लेकिन कहा कि यह प्रतियोगिता पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी. बेल्जियम की ओलंपिक समिति ने भी उनकी बीमारी के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी.सीन नदी के पानी की गुणवत्ता पर शुरू से ही चिंता व्यक्त की जा रही है. इस कारण पहले ट्रायथलॉन के अभ्यास सत्र रद्द करने पड़े थे.

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का निधन

लंदन। इंग्लैंड और सरे के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है. वह 55 वर्ष के थे. इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह जानकारी दी.इंग्लैंड की तरफ से 1993 से 2005 तक 100 टेस्ट मैच खेलने वाले थोर्प 2022 में गंभीर रूप से बीमार हो गए थे लेकिन उनकी चिकित्सा स्थिति का विवरण ज्ञात नहीं है. इस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में 44.66 की औसत से रन बनाए जिसमें 16 शतक भी शामिल हैं.ईसीबी ने बयान में कहा,''ईसीबी बहुत दुख के साथ यह खबर साझा कर रहा है कि ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है.'ईसीबी ने हालांकि उनके निधन का कारण नहीं बताया. इस बल्लेबाज ने सरे के लिए काउंटी क्रिकेट खेला और टीम के लिए करीब 20,000 रन बनाए.

स्वर्ण से दो जीत दूर भारतीय हॉकी टीम देना चाहती है श्रीजेश को यादगार विदाई

जर्मनी के खिलाफ भारतीय टीम आज दिखाएगी दम

एजेंसी। पेरिस

ओलंपिक में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने की राह पर भारतीय हॉकी टीम के सामने मंगलवार को सेमीफाइनल में विश्व चैम्पियन जर्मनी की चुनौती होगी और इस बाधा को पार करके टीम संकटमोचक पीआर श्रीजेश को शानदार विदाई देने के अपने मिशन की अगला कदम रखेगी. ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में दस खिलाड़ियों तक सिमटने के बावजूद भारतीय टीम ने जिस साहस और कौशल का प्रदर्शन करके मुकाबला पेनाल्टी शूटआउट तक खिंचा, वह काबिले तारीफ है.

तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक मैच में जर्मनी की पेनाल्टी बचा कर भारत को 41 साल बाद पदक दिलाने वाले नायक श्रीजेश एक बार फिर जीत के सूत्रधार बने. उन्होंने शूटआउट में ब्रिटेन के दो शॉट बचाये और इससे पहले निर्धारित समय के भीतर भी ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और दस पेनाल्टी कॉर्नर बनाये, लेकिन महज एक सफलता मिली.36 वर्ष के श्रीजेश का यह आखिरी टूर्नामेंट है और उन्हें स्वर्ण पदक के साथ विदा करने का मिशन भारतीय टीम के लिये अतिरिक्त प्रेरणा बना है. भारत ने आठ ओलंपिक स्वर्ण में से आखिरी 1980 में मॉस्को में जीता था और अब पेरिस में उसके पास 44 साल बाद इतिहास रचने का मौका है. सेमीफाइनल जीतने पर भारत का रजत तो पक्का हो जाएगा जो आखिरी बार उसने 1960 में रोम में जीता था. ब्रिटेन के खिलाफ भारत ने करीब 40 मिनट दस खिलाड़ियों के साथ खेला क्योंकि अमित रोहिदास को रेडकार्ड दिखाया गया था. अब सेमीफाइनल में भी भारत को अपने नंबर एक फर्स्ट रशर के बिना ही खेलना होगा जिन पर एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया है. हॉकी इंडिया ने हालांकि इसके खिलाफ अपील की है. रोहिदास की गैर मौजूदगी भारत को पेनाल्टी कॉर्नर में भी खलेगी क्योंकि कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद वह भारत के ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ हैं.

अमित रोहिदास पर एक मैच का प्रतिबंध, सेमीफाइनल मैच से बाहर

- हॉकी इंडिया की अपील खारिज

पेरिस । भारतीय हॉकी टीम के प्रमुख डिफेंडर अमित रोहिदास जर्मनी के खिलाफ मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि उन पर लगाए गए एक मैच के निलंबन के खिलाफ दायर की गई हॉकी इंडिया की अपील को इस खेल की विश्व संस्था एफआईएच ने खारिज कर दिया. रोहिदास को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रविवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान रेड कार्ड मिला था जिसके कारण एफआईएच ने उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया था. इसका मतलब है कि इस महत्वपूर्ण मैच के लिए भारत के केवल 15 खिलाड़ी ही उपलब्ध रहेंगे जो आठ बार के ओलंपिक चैंपियन के लिए करारा झटका है.अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने आधिकारिक बयान ने कहा,'भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच चार अगस्त को खेले गए मैच के दौरान अमित रोहिदास को एफआईएच आचार संहिता के उल्लंघन के लिए एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था.'बयान के अनुसार, 'निलंबन का असर मैच नंबर 35 (जर्मनी के खिलाफ भारत का सेमीफाइनल मैच) पर पड़ेगा, जिसमें अमित रोहिदास भाग नहीं लेंगे और भारत केवल 15 खिलाड़ियों की टीम के साथ खेलेगा.'हॉकी इंडिया ने रोहिदास के निलंबन के खिलाफ अपील दर्ज की थी लेकिन एफआईएच की जूरी बेंच ने उसे नामंजूर कर दिया.

अल्काराज ने कहा-

दबाव में हारा ओलंपिक फाइनल

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने ओलंपिक खेलों की टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद कहा कि उन्होंने खुद पर अपने देश की तरफ से खेलने का दबाव बना दिया था. जोकोविच ने अल्काराज को 7-6 (3), 7-6 (2) से हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता. इससे अल्काराज का सबसे कम उम्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना भी टूट गया. वह रफेल नडाल की बराबरी करने से भी चूक गए, जिन्होंने 2008 में अपने पहले प्रयास में ही स्वर्ण पदक जीता था. 21 वर्षीय अल्काराज ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने खुद पर अधिक दबाव बना दिया था क्योंकि मैं स्पेन और स्पेनिश लोगों के लिए खेल रहा था.

किरण 400 मीटर हीट में सातवें स्थान पर रही

- सेमीफाइनल में जगह के लिए रेपेचेज में लेंगी हिस्सा

एजेंसी। पेरिस

भारत की किरण पहल सोमवार को पेरिस ओलंपिक की अपनी हीट रेस में सातवें स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 400 मीटर में स्वतः सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं. अब वह रेपेचेज दौर में दौड़ेंगी.अपना 24वां जन्मदिन मना रही किरण ने 52.51 सेकेंड का समय लिया जो उनके सत्र के 50.92 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ से काफी कम था.डोमिनिका की विश्व

चैंपियन मारिलिडी पॉलिनो ने 49.42 सेकेंड के समय के साथ हीट जीती, उसके बाद अमेरिका की आलिया बटलर (50.52) और ऑस्ट्रिया की सुजैन गोगल-वाल्ली (50.67) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं. छह हीटों में से प्रत्येक में शीर्ष तीन ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की जबकि डीएनएस (रेस शुरू नहीं करने वाले) डीएनएफ (रेस खत्म नहीं करने वाले) और डीक्यू (अयोग्य) को छोड़कर अन्य सभी मंगलवार को होने वाले रेपेचेज दौर में भाग लेंगे. किरण ने जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 50.92 सेकंड का समय निकालकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था. इस ओलंपिक खेल में बाधा दौड़ स्पर्धाओं सहित 200 मीटर से 1500 मीटर तक की सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं में रेपेचेज राउंड शुरू किया जाएगा.

नौकायन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की मांग

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में पुरूषों की एकल स्कल स्पर्धा में 23वें स्थान पर रहे भारतीय नौकायन खिलाड़ी बलराज पंवार ने देश में नौकायन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धायें बढाने की मांग की है ताकि भविष्य में भारत का प्रदर्शन बेहतर हो सके. पेरिस ओलंपिक में एकमात्र भारतीय नौकायन खिलाड़ी पंवार रेपेचेज के जरिये क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे और फिर ग्रुप सी और डी में सेमीफाइनल खेलकर 23वें स्थान पर रहे . पंवार ने इंडिया हाउस में पीटीआई से कहा ,' हमें नौकायन में बुनियादी ढांचा मजबूत करना होगा . जूनियर स्तर पर अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण

देना होगा और उस स्तर पर प्रतिस्पर्धायें भी बढानी होगी .' उन्होंने कहा ,' हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन चार क्लबों की जरूरत है और जूनियर स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धायें चाहिये .' ओलंपिक में अपने प्रदर्शन पर उन्होंने कहा ,' मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा . हमारे राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में फाइनल तक तीन रेस होती है लेकिन यहां पांच रेस थी और मैने सभी में अच्छा किया. भविष्य में यह अनुभव मेरे काम आयेगा.'

महेश्वरी और नरूका स्कीट मिश्रित टीम अब कांस्य के लिए खेलेंगी

शेटराउ। भारतीय निशानेबाजों महेश्वरी चौहान और अनंत जीत सिंह नरूका ने पेरिस ओलंपिक स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक के मुकाबले के लिये क्वालीफाई कर लिया. भारतीय जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में 146 स्कोर किया. अब कांस्य पदक के लिये उनका मुकाबला चीन से होगा . भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन के पहले चरण के बाद 49 अंक लेकर संयुक्त दूसरे स्थान पर थी . पहले दौर में नरूका ने 25 में से 25 और महेश्वरी ने 24 अंक बनाये . दूसरे दौर में महेश्वरी ने 25 अंक बनाये लेकिन नरूका दूसरी और पांचवीं सीरिज में चूककर 23 अंक ही बना सके . तीसरे दौर में महेश्वरी ने 25 और नरूका ने 24 अंक बनाये .

मनिका की अगुआई में रोमानिया को 3-2 से हराया

टेबल टेनिस:भारत महिला टीम क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। पेरिस

स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा की अगुआई में भारत ने सोमवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला टेबल टेनिस टीम स्पर्धा में अपने से ऊंची रैंकिंग वाले रोमानिया को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया.भारत 2-0 से आगे चल रहा था लेकिन रोमानिया ने वापसी करते हुए 2-2 से बराबरी हासिल कर ली लेकिन निर्णायक मैच में मनिका ने जीत दर्ज करने टीम को जीत दिला दी.श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने युगल मैच में एडिना

डायकोनू और एलिजाबेटा समारा पर 11-9, 12-10, 11-7 से जीत दर्ज करके मुकाबले की शुरुआत की.मनिका ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली बर्नाडेट जोक्स को 11-5, 11-7, 11-7 से हराया जिससे भारत ने अपने चौथे वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की. प्रतियोगिता में भारत को 11वीं वरीयता दी गई है.दूसरे एकल में पहला गेम जीतने के बाद श्रीजा यूरोपीय चैंपियन समारा से 2-3 (11-8 4-11 11-7 6-11 8-11) से हार गईं.श्रीजा की हार के बाद अर्चना और बर्नाडेट के बीच मुकाबला हुआ. बर्नाडेट ने पहला गेम 11-5 से जीत लिया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा गेम 11-8 से जीतकर बराबरी हासिल कर ली. बर्नाडेट ने अगले दो गेम 11-7, 11-9 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया. इसके बाद मनिका ने एडिना को 3-0 (11-5, 11-9, 11-9) से हराकर भारत को अंतिम आठ में जगह दिलाई.क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला अमेरिका या जर्मनी से होगा.

टूर्नामेंट भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने हार का ठीकरा पिच पर फोड़ा

पिच बहुत स्पिन ले रही थी, मैच किसी भी तरफ पलट सकता था: नायर

एजेंसी। कोलंबो

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका से मिली अप्रत्याशित हार का ठीकरा पिच पर फोड़ते हुए कहा कि विकेट काफी स्पिन ले रहा था और ऐसे में मैच किसी भी तरफ पासा पलट सकता था. भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन के खिलाफ कमजोरी खुलकर सामने आई जब उसे दूसरे वनडे में 32 रन से हार का सामना करना पड़ा. श्रीलंका की तरफ से लेग स्पिनर जेफरी वांडरसे ने छह विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया.नायर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में

कहा, यह आश्चर्य जनक था लेकिन आप जानते हैं कि इस तरह की परिस्थितियों में मैच का पासा किसी भी तरह पलट सकता था क्योंकि पिच से बहुत अधिक स्पिन मिल रही थी. भारत के सामने 241 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी पूरी टीम 42.2 ओवर में 208 रन पर आउट हो गई. कप्तान रोहित शर्मा को छोड़ कर बाकी अन्य बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे. नायर ने कहा, अगर आप पहले मैच पर भी गौर करो तो नई गेंद से रन बनाना थोड़ा आसान था. गेंद के पुरानी पड़ जाने के बाद बल्लेबाजी करना आसान नहीं था विशेषकर जबकि आप बाद में बल्लेबाजी कर रहे हों. कुछ अवसरों पर मुश्किल परिस्थितियों में विशेष कर 50 ओवर के प्रारूप में ऐसा होता है. भारत के सहायक कोच ने कहा कि टीम प्रबंधन उन चीजों पर गौर करेगा जो अभी तक टीम के अनुकूल नहीं रही हैं. उन्होंने कहा, हमें उन चीजों पर गौर करना होगा जिन पर सुधार करने की जरूरत है. हमें इस पर विचार करना होगा कि लगातार दूसरे मैच में ऐसा क्यों हुआ. पहले मैच में हम कुछ हद तक साझेदारियां निभाने में सफल रहे थे लेकिन इस मैच में हमने लगातार विकेट गंवाए.

भारत ने अपने मध्यक्रम में बदलाव करके शिवम दुबे को चौथे नंबर पर जबकि श्रेयस अय्यर को छठे और केएल राहुल को सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा लेकिन यह तीनों नहीं चल पाए.

नायर ने कहा, मेरा मानना है कि खेल में बल्लेबाजी पोजीशन तभी मायने रखती है जब आप मैच के विभिन्न चरणों में खेल रहे हैं. हमने बीच के ओवरों में विकेट गंवाए और तब मध्यक्रम के बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहे होते हैं. मेरा मानना था कि ऐसा करना सही था और जब यह नहीं चल पाता है तो अक्सर सवाल उठाए जाते हैं. मेरा मानना है कि अगर मध्यक्रम का बल्लेबाज मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहा हो तो उसे देखते हुए यह फैसला सही था.

खास बातें

- दूसरे वनडे में 32 रन से हार का सामना करना पड़ा
- कप्तान को छोड़ कर बाकी बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे

कई गर्भवती भी ओलंपिक में दिखा रही हैं दम खम

पेरिस। ओलंपिक में भाग ले रहे कई खिलाड़ी अपनी जीत और हार की खबरें इंस्टाग्राम पर साझा करते हैं लेकिन पिछले सप्ताह तलवारबाजी में भाग लेने वाली मिस्र की नाडा हाफिज ने कुछ और ही साझा किया.उन्होंने खुलासा किया कि वह अकेले तलवारबाजी नहीं कर रही थी, कोई और भी उनके साथ था. हाफिज सात महीने की गर्भवती है.हाफिज ने मैच के दौरान की अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'मंच पर आपको दो खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं लेकिन वह असल में तीन हैं. मैं, मेरी प्रतिद्वंदी और मेरा होने वाला बच्चा. प्रतियोगिता में 16वें स्थान पर रही जो तीन ओलंपिक खेलों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है.इसके एक दिन बाद अजरबेजान की तीरंदाज ने भी खुलासा किया कि वह साढ़े छह महीने की गर्भवती है.

विजेता की तरह खेलो और स्वर्ण तुम्हारा है : पाक हॉकी दिग्गज

एजेंसी। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के प्रदर्शन से प्रभावित पाकिस्तान के महान सेंटर फॉरवर्ड हसन सरदार ने हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को एक ही सलाह दी है ,'' विजेता की तरह खेलो और तुम्हें स्वर्ण जीतने से कोई नहीं रोक सकता .' लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में पाकिस्तान को स्वर्ण पदक दिलाने में सूत्रधार रहे सरदार ने कराची से भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,' जब हॉकी या क्रिकेट में पाकिस्तान नहीं खेल रहा होता है तो मैं हमेशा भारत का समर्थन करता हूं . यह भारत की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है जिसमें काफी सुधार आया है और जो

यूरोपीय टीमों को कड़ी टक्कर दे रही है .' उन्होंने कहा ,' इस टीम के पास 1980 के बाद ओलंपिक हॉकी में पहला स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है और मुझे लगता है कि वे जीतेंगे .'उन्होंने कहा ,' आस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके प्रदर्शन से मैं काफी प्रभावित हुआ . भारतीय टीम अच्छी है और उसे दिमाग में यह बिठाकर खेलना है कि हम जीत सकते हैं . इस स्तर पर मानसिक तैयारी का ही फर्क होता है .'

ब्रीफ खबरें

अंतर्राज्यीय चोर धराए, 34 मोबाइल बरामद

पूर्वी चंपारण । जिले के बंजरिया थाना पुलिस ने बीती देर रात चेकिंग के दौरान खढवा पुल के समीप राष्ट्रीय उच्च पथ 28 पर चोरी के 34 मोबाइल एवं एक लैपटॉप के साथ एक अंतर्राज्यीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इसके पास से छह मोबाइल सिम भी बरामद किया है. पकड़ा गया चोर आदापुर थाना क्षेत्र का निजामुल हक बताया गया है. सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि पकड़ा गया. फिलहाल बंजरिया थाना में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

2530 नेपाली शराब के साथ दो गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । एसएसबी 71वीं वाहिनी के अठमोहान पोस्ट के जवानों ने गुप्त सूचना के आधार पर गश्ती के दौरान सोमवार की सुबह पिलर संख्या 359/4 के समीप कोइरगांवा गांव के निकट से 2530 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब के साथ दो बाइक और दो साईकल के साथ दो तस्कर को पकड़ा है.वही अन्य तस्कर अंधेरा का फायदा उठा कर भागने मे सफल रहे. पकड़े गये तस्कर की पहचान जितना थाना क्षेत्र के अगरवा गांव निवासी कृष्णनंदन कुमार पिता बृजबिहारी राय,विजय कुमार पिता ओमप्रकाश के रूप में किया गया जिसे गिरफ्तार कर जितना पुलिस को सौंप दिया गया.

आईपीएस काम्या मिश्रा ने इस्तीफा दिया

पटना । राज्य की चर्चित आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. वह पिछले दिनों पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद बनाई गई एसआईटी की प्रमुख भी रहीं और इस केस के खुलासे में अहम भूमिका निभाती हुई दिखी थीं. पूर्व मंत्री के पिता की हत्या के बाद भी आईपीएस काम्या मिश्रा का नाम चर्चा में था. उन्हें ही इस बड़े केस को सॉल्व करने की जिम्मेवारी मिली थी. उन्होंने जल्द ही इस केस को सॉल्व भी कर दिया. लेडी सिंघम के नाम से मशहूर काम्या मिश्रा मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली हैं. 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उन्होंने 98 प्रतिशत अंक लाया था.

जन्दाहा रोड के सुल्तानपुर गांव में हुई घटना, ग्रामीण बोले-लटका हुआ था हाईटेंशन तार

विभाग की लापरवाही से 9 की गई जान

संवाददाता ।हाजीपुर

वैशाली जन्दाहा रोड के सुल्तानपुर गांव में हाई टेंशन तार की चपेट में डीजे के आने से 9 कांवड़ियों की मौत हो गई है. कई झुलस गए, जिनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है. घटना रविवार रात 11:45 बजे की है, जहां डीजे ट्राली के बिजली के तार की चपेट में आने से घटना हुई. बताया जाता है कि डीजे अधिक ऊंचा था, इस वजह से बिजली का तार उसमें फंस गया. ग्रामीणों का दावा है कि बिजली का तार टूटकर लटक रहा था, जिस वजह से ये घटना हुई है. वहीं सवाल यह भी है कि इतने बड़े व ऊंचे डीजे ट्रॉली ले जाने की अनुमति कैसे दी गई, या बिना अनुमति के ही कांवड़िये डीजे ले जा रहे थे? सुल्तानपुर गांव से कांवड़िये जल लेने के लिए पहलेजा घाट निकले थे. पहलेजा घाट से जल लेकर सभी को बाबा हरिहरनाथ मंदिर में सोमवार की सुबह जलाभिषेक करना था. इससे पहले ही ये हादसा हो गया. घटनास्थल पर कांवड़ियों के चप्पल हैं जो जल चुके हैं. मौके पर जली हुईं चीजें इधर-उधर बिखरी पड़ी है.

ग्रामीणों का कहना है कि बिजली के तारों को बदलने की जरूरत है. तार जगह-जगह लटक रहा है. ग्रामिणों ने बताया कि बिजली विभाग में हम लोगों ने कल घटना के समय लाइन काटने के लिए फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया. आधा घंटा तक कांवड़िये झुलसते रहे. विभाग पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. लटके हुए तार को ठीक करने के लिए कई बार हम लोग शिकायत कर चुके हैं, लेकिन हम लोगों की नहीं सुनी गई. गांव वालों का ये भी कहना है कि घर के सामने नीचे हाइट पर ट्रांसफॉर्मर लगा दिया गया है. जिससे पूरे गांव को बिजली सप्लाई होती है. इससे भी हादसों को आमंत्रित किया जा रहा है. वहीं, घटनास्थल पर तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे भी पुलिसकर्मियों के साथ पहुंचे हैं, हालात का जायजा ले रहे हैं. मृतक के परिवार वालों को प्रशासन ने 4, 4 लाख रुपये का चेक दिया है.

घटनास्थल पर पुलिस अधिकारी.

ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में एक की मौत,दूसरा गंभीर

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के छपवा रक्सौल मुख्य मार्ग पर बड़हरवा गांव के समीप ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में बाइक सवार एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतक और घायल दोनों मझौलिया थाना क्षेत्र के परसा डुमरिया के बताये गये है. घटना में बाइक चला रहे समशुल मियां की मौत घटना स्थल पर ही हो गई, जबकि घायल अजमुल्लाह का गंभीर स्थिति में इलाज चल रहा है.

कटिहार में हादसा, दो बाइक में टक्कर, 4 कांवड़ियों की मौत

कटिहार । कटिहार में सोमवार सुबह दो बाइक के बीच हुई टक्कर में चार कांवड़ियों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि सुबह करीब 3 बजे मनिहारी थाना क्षेत्र के कुमारीपुर के पास यह घटना हुई है. दो बाइक से चार कांवड़िया मनिहारी गंगा घाट पर जल भरने जा रहे थे. इसी दौरान दोनों गाड़ियों के बीच में टक्कर हो गई. दो की मौके पर मौत हो गई जबकि दो लोगों ने इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया. मृतकों में दो कटिहार जिले के उदामा रहिका और दो पूर्णिया जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं. मृतकों की पहचान सूरज कुमार और कृष्ण राम के रूप में की गई है. ये कटिहार के उदामा रहिका के रहने वाले थे. वहीं दो अन्य मृतकों को उनके साथी लेकर रवाना हो गए. ऐसे में उनकी पहचान नहीं हुई. हादसे के बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और

अस्पताल में परिजन.

पुलिस को सूचना दी. बता दें कि सिर्फ दो शवों का ही पोस्टमार्टम कटिहार में हुआ. दरअसल, हर साल सावन में कटिहार जिले और आसपास के कई जिलों के लोग गंगा से जल भरकर गोरखनाथ धाम एवं अन्य शिवालयों में अर्पित करने जाते हैं. इस तरह की घटना से हड़कंप मचा है. मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

हथियार के बल पर बदमाशों ने 21 लाख रुपये लूट लिए

डीवीआर भी ले गए लुटेरे, इलाके में मची हड़कंप

संवाददाता ।पटना

पटना में बेखौफ बदमाशों ने बैंक लूट की घटना को अंजाम दिया है. सोमवार सुबह पालीगंज अनुमंडल के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के कोरैया गांव स्थित पंजाब नेशनल बैंक में हथियार के बल पर बदमाश घुसे और कर्मचारियों को बंधक बनाकर करीब 21 लाख रुपये लूट लिए. बताया जाता है कि घटना को अंजाम देने के बाद हथियार लहराते हुए बदमाश बैंक से निकले और फरार हो गए. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. यह लूट 21 लाख रुपये की बताई जा रही है, हालांकि मिलान के बाद पता चल पाएगा कि कुल कितने रुपये की लूट हुई है.

तीन से चार के करीब थी संख्या : कहा जा रहा है कि लूटपाट करने वाले बदमाशों की संख्या तीन से चार थी. नकाब पहनकर वे लोग बैंक में सुबह करीब 10 से 10:30 बजे के बीच घुसे थे. मैनेजर के अनुसार लूटी गई कुल राशि 21 लाख है. बताया गया कि बदमाशों ने बैंक कर्मियों को एक कमरे में बंद कर दिया था. इस मामले में पटना पश्चिम के एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि करीब 21 लाख रुपये की लूट हुई है. लुटेरे डीवीआर को अपने साथ लेकर चले गए हैं. आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. उनके भागने के रास्ते की तरफ भी पता किया जा रहा है. डॉग स्क्वॉड की टीम बुलाई गई है. एफएसएल की टीम भी बुलाई गई है. जल्द से जल्द जो अपराधी हैं उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी.

तेजस्वी ने पत्नी संग मंदिर में की पूजा-अर्चना

पटना में तेजस्वी यादव पत्नी के साथ पहली बार मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए.

धार में डूबने से एक की मौत

अररिया । फारबिसगंज प्रखंड के सैफगंज वार्ड संख्या सात के निवासी 45 वर्षीय दिलीप साह की धार में डूबने से मौत हो गई. दिलीप साह धार को पारकर खेत से वापस लौट रहा था. इसी क्रम में गहरे पानी में जाने के कारण उनकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद सांसद प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश पर भाजपा अति पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल मृतक के घर पहुंचे और पीड़ित परिजनों को सांत्वना दिया. भाजपा नेता दिलीप पटेल ने बताया कि घटना की जानकारी सांसद प्रदीप कुमार सिंह को दूरभाष पर दी गई.सत्र चलने के कारण सांसद दिल्ली में है. वह दिल्ली से आने के बाद मृतक के घर पहुंचेंगे. दिलीप ने सांत्वना देते हुए मिलने वाला अनुग्रह अनुदान राशि दिलाने का भरोसा दिलाया.

बीमा भारती के पति अवधेश मंडल ने कोर्ट में किया सरेंडर

पूर्णिया । पूर्णिया के चर्चित व्यवसाई गोपाल यादुका हत्याकांड मामले में पूर्व विधायक बीमा भारती के पति अवधेश मंडल ने सरेंडर कर दिया है. सोमवार को पूर्णिया सिविल कोर्ट स्थित मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट में सरेंडर किया है. कोर्ट ने अवधेश मंडल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. इस मामले में आरोपी पुत्र राजा अब भी फरार है. मामले में अवधेश मंडल के अधिवक्ता जय हिंद कुमार ने कहा कि गोपाल यादुका हत्याकांड में अवधेश मंडल को अप्राथमिक अभियुक्त बनाया गया है. इस मामले को लेकर अवधेश मंडल ने कोर्ट में सरेंडर किया और बेल पिटिशन फाइल किया.

किशनगंज से पूर्णिया जा रही बस में लगी आग

बस में करीब 25 यात्री सवार थे, सभी यात्री बाल-बाल बचे

संवाददाता ।किशनगंज

सिलीगुड़ी से पूर्णिया जा रही समीर बस में अचानक आग लग गई. बस में करीब 25 यात्री सवार थे. बस जैसे ही खगड़ा ओवरब्रिज पर पहुंची गियर बॉक्स से अचानक धुआं निकलने लगा. धीरे-धीरे बस में आग लगने लगी. यात्रियों ने बताया कि खिड़कियों से कूदकर लोगों ने अपनी जान बचाई. बच्चों को भी खिड़कियों से बाहर निकाला गया.

मामला खगड़ा ओवरब्रिज एनएच-27 का है. हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. बस में आग की सूचना सदर थाने की पुलिस

और फायर ब्रिगेड को दी गई. आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह से खाक हो चुकी थी. बस करीब 1 बजे सिलीगुड़ी से किशनगंज बस स्टैंड पर पहुंची थी. बस वातानुकूलित थी. किशनगंज बस स्टैंड से पूर्णिया के लिए खुली थी. गाड़ी में सफर कर रहे यात्रियों ने बताया कि ओवरब्रिज पर पहुंचते ही बस रुक गई. आगे किसी ने देखा कि धुआं निकल रहा है. ड्राइवर और खलासी कोई नहीं था. हमने अपनी जान बचाने के लिए सामने वाले को धक्का मारा. लोग जल्दी से उतरने की कोशिश में थे. कई लोग खिड़की से कूदे. बच्चों को भी खिड़की से निकाला गया. ड्राइवर ने बस एकदम साइड कर दी थी, इसलिए उतरने में भी परेशानी हुई. पीछे से धुआं निकलने लगा. बस में करीब 25 यात्री सवार थे और ये पूर्णिया जा रहे थे.

तालाब में डूबे तीन बच्चों के शव को निकाला गया

किशनगंज । जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत कुर्लीकोर्ट थाना क्षेत्र के हाजीबस्ती गांव में तालाब में डूबे तीन बच्चों के शव को सोमवार को निकाला गया. एक बच्चों का शव मिलने के बाद परिजनों की चीख को पुकार से इलाके में हाहाकार मच गया. घर के चिरागों को बुझते देख परिजन बिलख-बिलख कर रो रहे हैं. बीते रविवार को तीन बच्चों के तालाब में डूबने की खबर के बाद से दिनभर प्रशासन की टीम द्वारा खोजबीन जारी रही बावजूद इसके बीते दिन लापता बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन सोमवार सुबह पुलिस टीम, एसडीआरएफ की टीम, एसएसबी के सहयोग से तीनों बच्चों को मृत अवस्था में बाहर निकला गया.

कारोबार

स्विगी ने कृष्णमूर्ति को सीओओ बनाया

नयी दिल्ली । वाणिज्य मंच स्विगी इंस्टामार्ट ने साईराम कृष्णमूर्ति को सीओओ नियुक्त किया है. कंपनी ने कहा, कृष्णमूर्ति स्विगी इंस्टामार्ट की परिचालन इकाइयों की देखरेख करेंगे. इसमें 'डार्क स्टोर' संचालन, बुनियादी ढांचा संचालन, विकास व विस्तार शामिल हैं. उनके पास दैनिक उपभोग की वस्तुओं, उपभोक्ता तकनीक और खुदरा क्षेत्र में 18 वर्षों से अधिक का अनुभव है. इससे पहले, कृष्णमूर्ति मोर रिटेल में सुपर मार्केट व्यवसाय के मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं.

ओएनजीसी त्रिपुरा में गैस उत्पादन बढ़ाएगी

अगरतला । ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने त्रिपुरा में गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं. इसके पीछे मकसद पूर्वोत्तर राज्य के बिजली उत्पादक संयंत्रों को गैस उपलब्ध कराना है. यह निर्णय राज्य में विभिन्न गैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्रों को गैस आपूर्ति में कमी की खबरों के बीच लिया गया है. ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में त्रिपुरा में 1,52.7 करोड़ मानक घनमीटर गैस का उत्पादन किया, जबकि उसने चालू वित्त वर्ष में 1,67.5 करोड़ मानक घनमीटर गैस उत्पादन का लक्ष्य रखा है.

जापान का सूचकांक निक्की 12.4% लुढ़का

तोक्यो । जापान का शेयर सूचकांक निक्की-225 सोमवार को भारी बिकवाली के कारण 12 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया. अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी के बीच यह गिरावट आई. सूचकांक निक्की 4,451.28 अंक गिरकर 31,458.42 अंक पर आ गया. इसमें शुक्रवार को 5.8% की गिरावट आई थी. पिछले दो कारोबारी सत्रों में 18.2% की गिरावट के साथ यह अभी तक की सबसे अधिक दो दिवसीय गिरावट दर्ज कर चुका है. निक्की में अक्टूबर 1987 में 3,836 अंक या 14.9% की गिरावट आई थी जिसे ब्लैक मंडे (काला सोमवार) करार दिया गया था. वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान अक्टूबर 2008 में इसमें 11.4% की गिरावट आई थी.

एशिया ज्वेल्स शो 2024

सोमवार को बेंगलुरु में एशिया ज्वेल्स शो 2024 से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक मॉडल प्राचीन आभूषण प्रदर्शित करती हुई.

अमेरिका की वो रिपोर्ट जिसने धड़ाम कर दिए दुनियाभर के शेयर मार्केट

एजेंसी। वाशिंगटन

आखिर दुनियाभर के शेयर मार्केट में इतनी बड़ी गिरावट की वजह क्या है? दरअसल, इसके लिए अमेरिका के नौकरियों के आंकड़ों को जिम्मेदार माना जा रहा है. शुक्रवार को अमेरिका ने नौकरियों पर डेटा जारी किया था. इसमें सामने आया था कि अमेरिका में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है. इससे अमेरिका में मंदी की आशंका पैदा हो गई है. अमेरिका से आए इस नौकरियों के डेटा ने दुनियाभर में हलचल पैदा कर दी है. सवाल उठने लगा है कि क्या दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में आने वाली है?

क्या कहता है यूएस का नौकरियों का डेटा

बीते शुक्रवार को अमेरिका के ब्यूरो ऑफ लेबर स्टेटिस्टिक्स ने नौकरियों पर डेटा जारी किया था. इसमें बताया था कि जुलाई में 1.14 लाख लोगों को ही नौकरियां मिलीं. जबकि, अब तक हर महीने औसतन 2.15 लाख नौकरियां मिलती थीं. इसमें बताया गया है कि जुलाई लगातार तीसरा महीना रहा, जब बेरोजगारी दर बढ़ी. जुलाई में बेरोजगारी दर 4.3% रही. जबकि, इससे पहले जून में 4.1% और मई में 4% थी. जुलाई में बेरोजगारी दर का आंकड़ा अक्टूबर 2021 के बाद सबसे ज्यादा रहा. आंकड़े बताते हैं कि पुरुषों में बेरोजगारी दर 4% और महिलाओं में 3.8% रही. सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर ब्लैक और अफ्रीकी-अमेरिकियों में रही. ब्लैक और अफ्रीकी-अमेरिकियों में बेरोजगारी दर 6.3% रही, जबकि जुलाई 2023 में ये 5.7% थी.

इन आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

- जुलाई में बेरोजगारी दर 0.2% बढ़कर 4.3% हो गई. इस महीने 3.52 लाख लोग बेरोजगार हो गए. जुलाई तक कुल 72 लाख लोग बेरोजगार थे.
- बेरोजगारों में तकरीबन 11 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें अस्थाई तौर पर नौकरी से निकाला गया है. यानी, इन्हें बाद में फिर से नौकरी पर रखा जा सकता है. जबकि, 17 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें कंपनियों ने स्थाई तौर पर नौकरी से निकाल दिया है.
- अमेरिका में लंबे वक्त से बेरोजगारों की संख्या भी सालभर में तीन लाख से ज्यादा बढ़ गई है. जुलाई तक अमेरिका में 15 लाख से ज्यादा लोग ऐसे थे, जो लंबे वक्त से बेरोजगार हैं. जबकि, एक साल पहले तक ऐसे बेरोजगारों की संख्या 12 लाख के आसपास थी.

मंदी की आशंका क्यों

अमेरिकी सरकार ने बेरोजगारी पर जुलाई के जो आंकड़े जारी किए हैं, उससे मंदी की आशंका पैदा हो गई है. अमेरिका में मंदी को लेकर एक नियम चलता है. ये नियम पूर्व अर्थशास्त्री क्लाउडिया सैम ने बनाया था. ये नियम कहता है कि अगर लगातार तीन महीने तक बेरोजगारी दर पिछले साल के निचले स्तर से आधे प्वॉइंट भी बढ़ जाती है तो मान लेना चाहिए कि मंदी आ गई है. आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में लगातार पांच महीने से बेरोजगारी दर बढ़ रही है. मार्च में बेरोजगारी दर 3.8% थी, जो जुलाई में बढ़कर 4.3% हो गई. इतना ही नहीं, अमेरिका में जुलाई में लगभग ढाई लाख लोगों को कंपनियों ने छंटनी में नौकरी से निकाल दिया. पिछले साल भी एपल, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने लगभग दो लाख छंटनियां की थीं.

भारत पर असर क्यों?

शुक्रवार को बेरोजगारी पर रिपोर्ट आने के बाद अमेरिकी शेयर मार्केट में भी गिरावट देखी गई थी. शुक्रवार को डाउ जोंस 600 प्वॉइंट गिर गया था. अब सोमवार को दुनियाभर में शेयर बाजारों में गिरावट देखी जा रही है. भारत में सोमवार को सेंसेक्स में दो हजार और निफ्टी 650 से ज्यादा प्वॉइंट की गिरावट देखी जा रही है. इसके लिए अमेरिका की जॉब पर रिपोर्ट को ही जिम्मेदार माना जा रहा है. वो इसलिए क्योंकि इस रिपोर्ट के कारण अमेरिका में मंदी की आशंका तेज हो गई है. इसका असर शेयर मार्केट में दिख रहा है. दरअसल, जब-जब अमेरिका में अर्थव्यवस्था के कमजोर होने का संकेत मिलता है, तब-तब निवेशक अपना पैसा निकालना शुरू कर देते हैं, जिस कारण शेयर मार्केट गिर जाता है.

इंडिगो के सह-संस्थापक राहुल भाटिया ने कहा- कंपनी यहां टिके रहने के लिए है

नयी दिल्ली । इंडिगो के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने सोमवार को कहा कि वह तथा इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज यहीं बने रहेंगे. उन्होंने कहा कि हालिया हिस्सेदारी बिक्री का उद्देश्य कारोबार और सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए धन जुटाना है. इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड ने जून में अपने 77.2 लाख शेयर बेचे, जो इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल शेयर पूंजी का करीब दो प्रतिशत था. इंडिगो उड़ान सेवा के 18 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में भाटिया ने कहा कि हिस्सेदारी को व्यवसाय तथा सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए धन जुटाने हेतु बेचा गया. भाटिया ने कहा, इंटरग्लोब और मैं यहां टिके रहने के लिए हैं.

वैश्विक बाजारों में गिरावट से सेंसेक्स, निफ्टी धड़ाम

निवेशकों को 15 लाख करोड़ रुपये की चपत

एजेंसी ।मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को जोरदार गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 2,200 अंक से अधिक का गोता लगा गया. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 662 अंक की बड़ी गिरावट आई. दुनिया के अन्य देशों के शेयर बाजारों में गिरावट के रुख के बीच बैंक, आईटी, धातु तथा तेल एवं गैस शेयरों में चौतरफा बिकवाली से बाजार नीचे आया. इस गिरावट से निवेशकों को एक दिन में 15 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है.

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 2,222.55 अंक यानी 2.74 प्रतिशत लुढ़क कर एक महीने से अधिक के निचले स्तर 78,759.40 अंक पर बंद हुआ. बाजार में चार जून, 2024 के बाद एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है. उस दिन यह 2,686.09 अंक टूटकर 78,295.86 अंक पर बंद हुआ था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 662.10 अंक यानी 2.68 प्रतिशत का गोता लगाकर 24,055.60 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 824 अंक लुढ़क कर 23,893.70 अंक तक आ गया था. निफ्टी में भी चार जून के बाद यह एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है. उस दिन आम चुनाव के नतीजों के बाद बाजार में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी. सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी. इस प्रकार, पिछले दो कारोबारी सत्रों में दोनों मानक सूचकांकों में करीब चार प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है.

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सोमवार को घटकर 441.84 लाख करोड़ रुपये पर आ गया. निवेशकों को शुक्रवार को 4.46 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था. इस प्रकार, दो दिनों में उन्हें 19 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है. छोटी कंपनियों के शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 4.21 प्रतिशत तथा मझोली कंपनियों से संबद्ध मिडकैप 3.60 प्रतिशत नीचे आया.

रिपोर्ट जारी | द मिडिल इनकम ट्रैप रिपोर्ट के जरिये वर्ल्ड बैंक ने कहा है

भारत को तीन आई पर फोकस करना चाहिए

भाषा ।नयी दिल्ली

दुनिया में एक तरफ वो देश हैं, जो आर्थिक रूप से समृद्ध हैं. वो विकसित देश के रूप में जाने जाते हैं. उनका मुकाबला अपने स्तर के देश से है. वहीं दूसरी ओर वो देश हैं, जो खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध कर विकसित देश की श्रेणी में शामिल होने की राह पर अग्रसर हैं. उसी में भारत भी है. जो पिछले कुछ सालों से अपने दम पर आर्थिक मोर्चे पर शीर्ष देशों में एक के बाद एक पायदान ऊपर चढ़ रहा है. वहीं इस पर वर्ल्ड बैंक की भी नजर है, जो रिपोर्ट जारी कर उन देशों को मार्गदर्शन करता है. इसी क्रम में वर्ल्ड बैंक ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारत के

विकसित बनने के सफर के बारे में विस्तार से बताया गया है.

वर्ल्ड बैंक इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन समेत 108 देशों को हाई इनकम वाला देश बनने में कई साल लग सकते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय का एक-चौथाई तक पहुंचने में ही 75 साल का समय लग सकता है. यह चीन और इंडोनेशिया के मुकाबले काफी ज्यादा है. रिपोर्ट के मुताबिक यहां तक पहुंचने में चीन को 10 साल और इंडोनेशिया को करीब 70 साल लगेंगे.

वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट

- ये तीन आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन व इन्फ्यूजन हैं
- भारत को मध्यम इनकम वाले देश की श्रेणी में रखा है

इस रिपोर्ट का नाम वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2024: द मिडिल इनकम ट्रैप है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इन देशों को 'मिडिल इनकम ट्रैप' से निकलने के लिए तीन आई (3आई) पर फोकस करना चाहिए. ये तीन आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और नई तकनीक में इन्फ्यूजन हैं.वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत और चीन समेत इन 108 देशों को मध्यम इनकम वाले देश की श्रेणी में रखा गया है. इन देशों की अभी प्रति व्यक्ति आय सालाना 1136 डॉलर (करीब 95 हजार रुपये) से 13845 डॉलर (करीब 11.60 लाख रुपये) के बीच है. रिपोर्ट में बताया गया है कि इन देशों को हाई इनकम वाले देश बनने में अभी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. 1990 के बाद से केवल 34 देश मध्यम इनकम से बाहर निकल पाए हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था के जाल से कैसे बाहर निकल सकता है और अमीर बन सकता है. इसमें बताया गया है कि भारत को विकसित देश बनने के लिए अगले 20 से 30 साल तक लगातार 7 फीसदी से10 फीसदी की दर से बढ़ने की जरूरत है. अगर भारत ऐसा करता है तो यह साल 2047 तक एक विकसित देश बन सकता है. उस समय देश की प्रति व्यक्ति आय 18000 डॉलर सालाना होगी. साथ ही अर्थव्यवस्था का आकार 30 ट्रिलियन डॉलर होगा. भारत की प्रति व्यक्ति आय 2370 डॉलर है. रिपोर्ट में कहा गया है कि हाई इनकम वाली अर्थव्यवस्था बनने की राह में पहले की तुलना में और भी कठिन चुनौतियां हैं.

ब्रीफ खबरें

ममता बनर्जी ने की शांति बनाये रखने की अपील

कोलकाता। पड़ोसी देश बांग्लादेश में जारी अशांति के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के लोगों से शांति बनाए रखने और किसी उकसावे में न आने अपील की. बांग्लादेश के घटनाक्रम पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि इस विषय पर विदेश मंत्रालय ही कोई प्रतिक्रिया देगा. पश्चिम बंगाल विधानसभा परिसर में बनर्जी ने कहा, "मैं पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और किसी भी उकसावे में नहीं आने की अपील करती हूं."

उद्धव आज से तीनदिनी दौरे पर दिल्ली पहुंचेंगे

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे मंगलवार से तीन दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंचेंगे और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं से मुलाकात करेंगे. पार्टी सांसद संजय राउत ने सोमवार को दिल्ली में पत्रकारों को बताया कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के बाद ठाकरे का यह राष्ट्रीय राजधानी का पहला दौरा होगा. राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'यह संवाद यात्रा है. तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी के नेता उनसे मुलाकात करेंगे.

जम्मू कश्मीर में विस चुनाव सितंबर में होंगे

आरएस पुरा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर में होंगे. रेड्डी ने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से विकास की गति बनाए रखने और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा को वोट देने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि पांच साल पहले, पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद से जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान और इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगा है.

परमाणु संपन्न 250 मिसाइल लॉन्चर सौंपे

सियोल। उत्तर कोरिया ने एक समारोह में अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य इकाइयों को परमाणु सक्षम 250 मिसाइल लॉन्चर सौंपे. उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अमेरिका के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना के परमाणु कार्यक्रम के निरंतर विस्तार का आह्वान किया. उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि देश की युद्ध सामग्री संबंधी फैक्टरियों में इन मिसाइल लॉन्चर को 'सामरिक' रूप से महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है.

हिमाचल में बारिश के कारण 87 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कई दिनों से भारी बारिश के कारण अचानक आयी बाढ़ और भूस्खलनों के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में 87 सड़कें बंद कर दी गई हैं. आपात अभियान केंद्र ने सोमवार को यह जानकारी दी. यहां मौसम विज्ञान केंद्र ने बृहस्पतिवार तक राज्य के विभिन्न स्थानों में भारी बारिश के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है. हिमाचल प्रदेश में लगभग एक सप्ताह से भारी बारिश हो रही है. कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में 31 जुलाई को बादल फटने से अचानक आयी बाढ़ में 13 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 40 लापता हैं.

बांग्लादेश में लगातार चौथी बार प्रधानमंत्री चुनी गईं हसीना को समर्थक 'आयरन लेडी', तो विराधी बताते हैं 'तानाशाह'

शेख हसीना के 15 साल के राज का नाटकीय अंत

लगातार न्यूज नेटवर्क

बांग्लादेश में लगातार चौथी बार और कुल मिलाकर पांचवीं बार प्रधानमंत्री निर्वाचित हुईं शेख हसीना को उनके समर्थक हमेशा एक 'आयरन लेडी' के रूप में सराहते रहे हैं. लेकिन, अब उनके 15 साल के शासन का नाटकीय ढंग से अंत हो गया है. हसीना को एक समय सैन्य शासित बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, लेकिन साथ ही उनके विरोधियों द्वारा उन्हें एक 'निरंकुश' नेता बताकर उनकी आलोचना भी की जाती है.बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना ने कई सप्ताह चले छात्रों के हिंसक प्रदर्शनों के राष्ट्रव्यापी अशांति में बदलने के बाद इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ दिया है. रिपोर्टों के मुताबिक़, 76 वर्षीय शेख़ हसीना सोमवार को हेलीकॉप्टर से बांग्लादेश छोड़कर भारत के लिए निकल गईं. इस बीच हज़ारों प्रदर्शनकारियों ने ढाका में उनके अधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया. इसी के साथ बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख़ हसीना के राज का भी अंत हो गया. कुल 20 साल तक शेख़ हसीना ने मज़बूत पकड़ के साथ बांग्लादेश पर शासन किया है. शेख़ हसीना को दक्षिण एशियाई देश बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति का श्रेय दिया जाता है लेकिन हाल के सालों में उन पर तानाशाही के आरोप भी लगे.

आर्मी चीफ वकार उज जमान

1947 में पैदा हुईं हसीना को विरासत में मिली राजनीति

1947 में पूर्वी बंगाल के एक मुसलमान परिवार में पैदा हुईं शेख़ हसीना को राजनीति विरासत में मिली. उनके पिता राष्ट्रवादी नेता शेख़ मुजीबुर्रहमान थे. वो बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता थे, जिन्होंने 1971 में देश को पाकिस्तान से आज़ाद कराया और देश के पहले राष्ट्रपति भी बने. उस दौर में शेख़ हसीना स्वयं ढाका यूनिवर्सिटी में एक छात्र नेता के रूप में ख़ुद को स्थापित कर चुकी थीं. 1975 में सैन्य तख़्तापलट के दौरान, मुजीबुर्रहमान और उनके परिवार के अधिकतर लोगों को मार दिया गया था. सिर्फ़ शेख़ हसीना और उनकी छोटी बहन की जान बची थी क्योंकि उस समय वो विदेश यात्रा पर थीं. भारत में निर्वासित जीवन बिताने के बाद शेख़ हसीना 1981 में बांग्लादेश लौटीं और अपने पिता के राजनीतिक दल अवामी लीग की नेता बन गईं. जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद के सैन्य शासन के ख़िलाफ़ उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों के साथ मिलकर सड़कों पर प्रदर्शन किया और लोकतंत्र की मांग की. देश में उठे विद्रोह ने तेज़ी से शेख़ हसीना को राष्ट्रीय आईकॉन बना दिया. वो सबसे पहले साल 1996 में चुनकर सत्ता तक पहुंचीं. उन्हें भारत के साथ जल-संधि करने और देश के दक्षिण पूर्वी इलाक़े में विद्रोहियों के साथ संधि करने का श्रेय जाता है. लेकिन इसी समय, उन पर कई सौदों में भ्रष्टाचार करने और भारत के अधिक प्रभाव में होने के आरोप भी लगे. आगे चलकर, वो साल 2001 में अपनी राजनीतिक सहयोगी से प्रतिद्वंदी बनी बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की बेगम ख़ालिदा ज़िया से चुनाव हार गईं. राजनीतिक परिवारों की वारिस, ये दोनों महिलाएं तीन दशकों तक बांग्लादेश की राजनीति पर हावी रहीं. इन्हें 'बैटलिंग बेगम' भी कहा जाता है. बेगम, उच्च परिवारों की मुसलमान महिलाओं को कहा जाता है. विश्लेषक मानते हैं कि इन दोनों महिला नेताओं की कड़वी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता के नतीजे में बांग्लादेश में बसों में बम धमाके हुए, लोग अग़वा किए गए और ग़ैर-न्यायिक हत्याएं आम बात हो गईं.

किन विवादों में घिरी रहीं शेख़ हसीना

सत्ता संभालने के बाद से, शेख़ हसीना के सामने आया सबसे गंभीर संकट ताज़ा विरोध प्रदर्शन ही है. ये प्रदर्शन बेहद विवादित चुनाव नतीजों के बाद हुए हैं. विवादित आम चुनावों में लगातार चौथी बार उनकी पार्टी को चुन लिया गया था. इस्तीफ़ा देने की बढ़ती मांगों के बीच शेख़ हसीना डटी हुईं थीं. उन्होंने प्रदर्शनकारियों की 'आतंकवादी' कहकर आलोचना की. उन्होंने इन 'आतंकवादियों' से सख़्ती से निपटने के लिए समर्थन भी मांगा था. ढाका और देश के दूसरे हिस्सों में प्रदर्शन सरकारी नौकरियों में आरक्षण समाप्त करने की मांग से शुरू हुए थे लेकिन ये व्यापक सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गए. कोविड महामारी के बाद से बांग्लादेश लगातार बढ़ती महंगाई और बढ़ते ख़र्चों से जूझ रहा है. महंगाई आसमान पर है, विदेशी मुद्रा भंडार गिर रहा है और 2016 के बाद से बांग्लादेश का विदेशी क़र्ज़ दोगुना हो चुका है. आलोचकों ने इसके लिए हसीना सरकार के प्रबंधन को ज़िम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाये कि बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार की वजह से बांग्लादेश की आर्थिक तरक्की का फ़ायदा सिर्फ़ उन लोगों को पहुंचा जो हसीना की अवामी लीग पार्टी के नज़दीक थे.

शेख़ हसीना ने की बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति

हसीना के शासन वाला बांग्लादेश एक विपरीत तस्वीर पेश करता है. एक समय दुनिया का सबसे ग़रीब देश रहा मुस्लिम बहुल बांग्लादेश, उनके नेतृत्व में 2009 के बाद से विश्वसनीय आर्थिक प्रगति हासिल कर चुका है. अब बांग्लादेश, इस क्षेत्र में सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, आर्थिक प्रगति के मामले में बांग्लादेश अपने विशाल पड़ोसी देश भारत से भी आगे निकल गया है. पिछले एक दशक के दौरान बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय तीन गुना बढ़ चुकी है. विश्व बैंक के मुताबिक़ बीते दो दशकों में बांग्लादेश में ढाई करोड़ लोगों को ग़रीबी से बाहर निकाला गया है. बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति का श्रेय देश के कपड़ा उद्योग को जाता है. देश के कुल निर्यात का अधिकतर हिस्सा कपड़ा उद्योग से ही है और हाल के दशकों में ये उद्योग तेज़ी से बढ़ा है. बांग्लादेश का ये उद्योग यूरोप, अमेरिका और एशिया के बाज़ारों को आपूर्ति करता है. अपने देश के स्वयं के संसाधनों, कर्ज़ और विकास के लिए मदद लेकर, हसीना की सरकार ने कई विशाल आधारभूत ढांचा विकास योजनाएं शुरू की हैं, इनमें गंगा नदी पर 2.9 अरब डॉलर से बनने वाला पदमा पुल भी शामिल है.

आलोचकों का कहना है कि देश की तरक्की लोकतंत्र और मानवाधिकारों की क़ीमत पर हुई है. वो आरोप लगाते हैं कि हसीना के शासन में उनके राजनीतिक विपक्षियों, मीडिया और विरोधियों का दमन किया गया. बांग्लादेश सरकार और शेख़ हसीना इस तरह के आरोपों को हमेशा ख़ारिज करते रहे. लेकिन हाल के महीनों में, बीएनपी के कई वरिष्ठ नेताओं को गिरफ़्तार किया गया, उनके साथ सरकार विरोधी प्रदर्शनों में शामिल हज़ारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों को भी गिरफ़्तार किया गया. कभी देश में बहुदलीय लोकतंत्र के लिए लड़ने वाली नेता में यह एक उल्लेखनीय बदलाव था. बांग्लादेश में मानवाधिकार समूहों ने साल 2009 के बाद से सैकड़ों लोगों के ग़ायब होने और ग़ैर न्यायिक हत्याओं को लेकर भी चिंताएं ज़ाहिर की हैं. शेख़ हसीना की सरकार ऐसे आरोपों को सिरे से ख़ारिज करती रही थी. हालांकि ऐसे आरोपों की जांच करने का इरादा रखने वाले विदेशी पत्रकारों की यात्राओं को भी उनकी सरकार रोकती रही.

जानिए छात्रों ने एशिया की सबसे ताक़तवर महिला शेख़ हसीना को कैसे हिला दिया?

हिंसक प्रदर्शनों के बीच शेख़ हसीना ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा दिया और अपनी बहन के साथ देश से बाहर निकल गई हैं. शेख़ हसीना वर्ष 2009 से लगातार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं. कई लोगों का मानना है कि पिछले सोलह सालों में प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजिद ने बांग्लादेश को ग़रीबी से बाहर निकाला है. कुछ लोग ये भी मानते हैं कि बांग्लादेश ने जो प्रगति की है, वो शेख़ हसीना की वजह से है. साथ ही जानकारों का कहना है कि यह शेख़ हसीना के लगातार बढ़ रहे तानाशाही शासन के बावजूद हुआ है. लेकिन उनकी स्थिति जितनी कमज़ोर अब है, उतनी पहले कभी नहीं थी. यूनिवर्सिटी और कॉलेज के छात्रों का प्रदर्शन, देशभर में व्यापक असंतोष, ख़ून ख़राबे और अफ़रातफ़री तक पहुंच गया है. बांग्लादेश की सरकार ने प्रदर्शनों को रोकने की कोशिश की, लेकिन लोग पीछे नहीं हटे. इसी दबाव की वजह से आखिर में शेख़ हसीना को इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ना पड़ा है.

हिंसक प्रदर्शनों के बीच हेलीकॉप्टर से भारत रवाना होतीं शेख हसीना.

क्या छात्रों के प्रदर्शन ने गिरा दी सरकार?

शेख़ हसीना ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ दिया. बड़ी तादाद में प्रदर्शनकारियों ने उनके निवास पर धावा बोल दिया. शांत लेकिन मज़बूत मानी जाने वाली शेख़ हसीना देश के संस्थापक राष्ट्रपति की बेटी हैं और कई बार अपनी जान पर हमलों और संकट के समय से उबर चुकी हैं. मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों और विपक्षी दलों के कई बार व्यापक प्रदर्शनों का सामना कर चुकी हैं. लेकिन देश भर में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुआ ये मौजूदा संकट उनके राजनीतिक जीवन की सबसे मुश्किल चुनौती साबित हुआ. छात्रों के प्रदर्शन में समूचा देश घिर गया और विपक्षी दल छात्रों के पीछे एकजुट हो गए. बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने विवादित कोटा व्यवस्था को समाप्त कर छात्रों की मुख्य मांग को तो पूरा कर दिया लेकिन अंसतोष समाप्त नहीं हुआ. इन प्रदर्शनों में 100 से अधिक छात्र मारे गए जबकि बीते सप्ताह सरकार के ख़िलाफ़ शुरू हुए जन-आंदोलन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई और बड़ी तादाद में लोग मारे गए हैं. अपने कार्यकाल के दौरान शेख़ हसीना की सरकार देश के सीमा सुरक्षा बलों के हिंसक विद्रोह से भी बच चुकी है. उसमें 57 सैन्य अधिकारी मारे गए. वो तीन विवादित आम चुनाव चुनाव जीत चुकी हैं. इन चुनावों की अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी आलोचना की है.

प्रेशर कुकर जैसे हालात

ओस्लो यूनिवर्सिटी से जुड़े डॉ. मुबशर हुसैन मानते हैं कि ये हालात एक दिन में नहीं बने हैं बल्कि 'प्रेशर कुकर की तरह फटे हैं.' डॉ मुबशर हुसैन ने एशिया में तानाशाही पर गहन अध्ययन किया है. डॉ. हसन ने बीबीसी बांग्ला से कहा, 'याद रखिए, हम ऐसे देश की बात कर रहे हैं जिसका प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रूस से भी नीचे है.' वे कहते हैं, "शेख़ हसीना और उनकी पार्टी ने मुक्ति संग्राम की भावना का अति राजनीतिकरण किया, साल दर साल नागरिकों को मताधिकार के मूल मानवाधिकार से वंचित रखना, और उनकी सरकार की तानाशाही प्रवृति ने समाज के एक बड़े वर्ग को आक्रोशित कर दिया.

साभार : बीबीसी हिंदी

राष्ट्रपति विलियम मैवालिली कटोनिवेरे और प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका के साथ बैठक करेंगी

संबंधों को प्रगाढ़ करने फिजी पहुंची मुर्मू

एजेंसी। सुवा (फिजी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में सोमवार को फिजी पहुंचीं. वह फिजी के राष्ट्रपति विलियम मैवालिली कटोनिवेरे और प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका के साथ बैठक करेंगी.

मुर्मू फिजी के राष्ट्रपति कटोनिवेरे के निमंत्रण पर 5-7 अगस्त तक यहां रुकेंगी. यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीपसमूह राष्ट्र की पहली यात्रा है. राष्ट्रपति मुर्मू का हवाई अड्डे पर फिजी के उप प्रधानमंत्री विलियम गावोका, फिजी में भारतीय उच्चायुक्त पी एस कार्तिकेयन और फिजी के अन्य अधिकारियों ने स्वागत किया. फिजी सरकार के आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में कहा गया, "भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिजी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए नाडी पहुंची हैं. उनकी अगवानी उप प्रधानमंत्री विलियम गावोका और भारत में नियुक्त फिजी के उच्चायुक्त श्री जगन्नाथ सामी ने किया." मुर्मू अपनी यात्रा के दौरान, फिजी की संसद को संबोधित करेंगी और इसके सदस्यों से बातचीत करेंगी, जिनमें से कई भारतीय मूल के हैं. नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के अनुसार, फिजी की अपनी यात्रा के बाद, मुर्मू न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की यात्रा करेंगी.

मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति की छह दिवसीय तीन देशों की यात्रा का उद्देश्य भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को आगे बढ़ाना है. विदेश मंत्रालय ने फिजी रवाना होने से पहले 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की तीन देशों की यात्रा पर रवाना हुईं. पहले चरण में राष्ट्रपति फिजी की राजकीय यात्रा करेंगी। यह यात्रा दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और प्रगाढ़ करेगी."

फ्लोरिडा में तूफान 'डेब्बी' मचा सकता है भारी तबाही

टैंपा (अमेरिका)। तूफान 'डेब्बी' के सोमवार की सुबह फ्लोरिडा के बिग बेंड तट पर पहुंचने के आसार हैं जिससे रिकॉर्ड बारिश, विनाशकारी बाढ़ और जानलेवा तूफानी लहरें उठने का अनुमान है. यह तूफान जॉर्जिया और दक्षिण कैरोलिना के तटीय क्षेत्रों में रुकने से पहले राज्य के उत्तरी भाग में धीरे-धीरे बढ़ेगा. मियामी में राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने रविवार शाम को कहा कि इस तूफान के कारण 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं. तूफान टैंपा से लगभग 100 मील दूर, पश्चिम में स्थित था और यह 19 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ रहा है. डेब्बी इस साल का चौथा अटलांटिक तूफान है. इससे पहले जून में उष्णकटिबंधीय तूफान अल्बर्टो, तूफान बेरिल और उष्णकटिबंधीय तूफान क्रिस आए थे.

पेंचीदा मामले में जल्दी सुनाएगा फैसला

वैवाहिक रेप के मामलों पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अगले सप्ताह इस बहुचर्चित कानूनी प्रश्न पर सुनवाई करेगा कि यदि पति अपनी पत्नी को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है, जो नाबालिग नहीं है, तो क्या पति को बलात्कार के अपराध के लिए अभियोजन से छूट मिलनी चाहिए ? चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सोमवार को एक पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी की दलीलों पर गौर किया कि वैवाहिक बलात्कार के मुद्दे पर याचिकाओं पर सुनवाई की जानी चाहिए. सीजेआई ने कहा कि याचिकाओं पर अगले सप्ताह सुनवाई होगी. अब इस महत्वपूर्व और पेंचादी मामले में देर नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि पीठ इस सप्ताह कराधान कानूनों से संबंधित कई मामलों से निपटने में व्यस्त रहेगी. 16 जुलाई को एक पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने याचिकाओं का उल्लेख किया था और कहा था कि उन्हें कुछ प्राथमिकता दी जानी चाहिए. सीजेआई ने कहा था कि याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी. उन्होंने संकेत दिया था कि उन पर 18 जुलाई को विचार किया जा सकता है.

शीर्ष कोर्ट में कई याचिकाएं लंबित : पीठ ने कहा था, हमें वैवाहिक बलात्कार से संबंधित मामलों को सुलझाना है. केंद्र ने पहले कहा था कि इस मुद्दे के कानूनी और सामाजिक निहितार्थ हैं और सरकार याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करना चाहेगी. याचिकाओं में से एक इस मुद्दे पर 11 मई, 2022 के दिल्ली हाईकोर्ट के खंडित फैसले से संबंधित है. यह अपील एक महिला द्वारा दायर की गई है, जो दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ताओं में से एक थी. हाईकोर्ट के जज राजीव शकधर और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने खंडित फैसला सुनाते हुए याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की अनुमति देने पर सहमति व्यक्त की थी, क्योंकि इस मामले में कानून के महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल हैं, जिन पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्णय लिया जाना आवश्यक है.

क्या कहता है नया कानून

अब निरस्त हो चुके और भारतीय न्याय संहिता द्वारा प्रतिस्थापित भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के अपवाद खंड के तहत, यदि पत्नी नाबालिग नहीं हैं, तो पति द्वारा उसके साथ संभोग या यौन क्रिया किया जाना बलात्कार नहीं माना जाएगा. यहां तक कि नए कानून- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत, धारा 63 (बलात्कार) के अपवाद-2 में स्पष्ट किया गया है कि यदि पत्नी की उम्र 18 साल से कम नहीं है, तो पति द्वारा उसके साथ संभोग या यौन क्रिया किया जाना बलात्कार नहीं है. शीर्ष अदालत ने 16 जनवरी, 2023 को भारतीय दंड संहिता के उस प्रावधान के खिलाफ कुछ याचिकाओं पर केंद्र से जवाब मांगा था, जो पत्नी के वयस्क होने पर जबरन यौन संबंध के लिए पति को अभियोजन से सुरक्षा प्रदान करता है.

सेहत की बात टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका

छोटे बच्चों के लिए जानलेवा हो सकती है काली खांसी

एजेंसी। सिडनी

2024 में अब तक पूरे ऑस्ट्रेलिया में काली खांसी (पर्टुसिस) के 17,000 से अधिक मामले सामने आए हैं. यह हमारे सामान्य राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर है. यह पूरे 2023 के दौरान सामने आए इस तरह के मामलों की तुलना में छह गुना अधिक हैं. कई राज्यों में समाचारों की सुर्खियों में हाल के हफ्तों और महीनों में काली खांसी फैलने की चेतावनी दी गई है. हाल ही में, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में इसमें वृद्धि दर्ज की गई है, जो राज्य के दक्षिण-पश्चिम में सबसे अधिक है. इससे छोटे शिशुओं को गंभीर बीमारी और मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा होता है. तो काली खांसी के लिए यह इतना बड़ा साल क्यों रहा? और हम इस खतरनाक बीमारी को आगे फैलने से कैसे रोक सकते हैं?

काली खांसी क्या है?

काली खांसी एक संक्रमण है जो फेफड़ों और वायुमार्ग को प्रभावित करता है. यह जीवाणु बोर्डेटेला पर्टुसिस के कारण होता है. अन्य श्वसन संक्रमणों की तरह, यह खांसने, छींकने या बात करने के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल जाता है. वयस्क और बच्चे लंबे समय तक खांसी से पीड़ित हो सकते हैं जो हफ्तों या महीनों तक रह सकती है. शिशुओं में, जब इस तरह की खांसी होती है तो उनके सांस लेने पर "हूप" की आवाज आती है और खांसने के बाद उन्हें उल्टी हो सकती है. कुछ मामलों में, खांसी नहीं होती, और एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सांस लेने में रुकावट का अनुभव हो सकता है या उनका रंग नीला पड़ सकता है. छह महीने से छोटे बच्चे विशेष रूप से काली खांसी की चपेट में आते हैं क्योंकि तब तक उनका पूरी तरह से टीकाकरण नहीं हुआ होता है. चार महीने से कम उम्र के शिशुओं में अस्पताल में भर्ती होने की दर सबसे अधिक है.

वैक्सीन के बारे में क्या?

टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को काली खांसी के संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है. ऑस्ट्रेलिया में, बच्चों को छह सप्ताह, चार महीने और छह महीने (प्राथमिक पाठ्यक्रम) की उम्र में छह पर्टुसिस टीके लगाए जाते हैं. "बूस्टर" खुराक 18 महीने, चार साल और 7 साल की उम्र में दी जाती है. बहुत छोटे शिशुओं की सुरक्षा के लिए मातृ टीकाकरण सबसे अच्छा तरीका है. गर्भवती महिलाओं के लिए काली खांसी बूस्टर खुराक की सिफारिश गर्भावस्था के 20 सप्ताह से की जाती है. यह बच्चे में सुरक्षात्मक एंटीबॉडी के हस्तांतरण में मदद देता है, जिससे जीवन के पहले कुछ महीनों के दौरान काली खांसी होने की संभावना कम हो जाती है – विशेष रूप से छह सप्ताह में अपना पहला टीकाकरण प्राप्त करने से पहले. स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों और वयस्कों के लिए भी बूस्टर खुराक की सिफारिश की जाती है जो शिशुओं के निकट संपर्क में आते हैं, या छोटे शिशुओं की देखभाल करते हैं.

वैक्सीन कितनी असरदार है?

वर्तमान में अनुशंसित टीके गंभीर काली खांसी (लगभग 85 प्रतिशत प्रभावकारिता) से सुरक्षा प्रदान करने में अच्छे हैं. वे बच्चों में हल्के संक्रमण से रक्षा करने में कम सक्षम हैं. इसका मतलब यह है कि उनका काली खांसी के संचरण को कम करने पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, जो तब होता है जब हल्के संक्रमण वाले लोग बाहर निकलने और समुदाय में घुलने-मिलने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ होते हैं. ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध काली खांसी के टीके "अकोशिकीय" टीके हैं. इन्हें "संपूर्ण कोशिका" निष्क्रिय टीकों (बोर्डेटेला पर्टुसिस के संपूर्ण निष्क्रिय संस्करण पर आधारित) के बजाय शुद्ध प्रोटीन का उपयोग करके बनाया जाता है. पहले संपूर्ण कोशिका टीकों का उपयोग किया जाता था और इससे बेहतर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न होती थी, लेकिन इसके अधिक दुष्प्रभाव भी होते थे, जैसे बुखार या इंजेक्शन स्थल पर प्रतिक्रिया. अकोशिकीय टीके कम दुष्प्रभाव पैदा करते हैं और बहुत सुरक्षित होते हैं, लेकिन इसके परिणामस्वरूप प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया थोड़ी कम हो सकती है, जो समय के साथ ठीक हो जाती है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)